अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 144 लखनऊ, सोमवार, 08 दिसम्बर 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

गोवा में नाइट क्लब में आग लगने से 25 लोगों की मौत

पणजी। गोवा के उत्तरी क्षेत्र में स्थित अरपौरा गांव में एक नाइट क्लब में शनिवार देर रात आग लगने से करीब 25 लोगों की मौत हो गयी तथा कुछ घायल हो गये। प्रारंभिक रिपोर्टो के अनुसार आग नाइट क्लब की रसाई में गैस सिलेंडर फटने से लगी। मृतकों में अधिकतर क्लब के कर्मचारी है। दुर्घटना के कुछ देर बाद मुख्यमंत्री प्रमोद सांवत ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने दुर्घटना की जांच के आदेश दिये है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है और प्रधानमंत्री राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिवार को दो लाख रूपये तथा घायलों को पचास -पचास हजार रुपये की राशि देने की घोषणा की है।

प्रधानमंत्री ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर सशस्त्र बलों के प्रति आभार जताया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर सशस्त्र बलों के बहादुर पुरुषों और महिलाओं के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने सभी लोगों से सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में योगदान देने की भी अपील की श्री मोदी ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस की बधाई देते हुये कहा कि सशस्त्र बलों के जवानों का अनुशासन, दृढ़ संकल्प और अदम्य साहस राष्ट्र की रक्षा करता है और देशवासियों को सशक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि उनकी प्रतिबद्धता, राष्ट्र के प्रति कर्तव्य, अनुशासन और समर्पण का उदाहरण है।

इंडिगो ने पकड़ी रफ्तार

उड्डयन मंत्रालय की कार्रवाई से हवाई संचालन में तेजी से सुधार

- 1650 से ज्यादा उड़ानें संचालित, 610 करोड़ रिफंड, सामान वापसी में तेजी

एजेंसी

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्रालय की समय पर कार्रवाई के चलते, देश भर में हवाई यात्रा संचालन तेज़ी से स्थिर हो रहा है, जिससे इंडिगो के परिचालन संकट से उत्पन्न व्यवधान से परेशान यात्रियों को अब और असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा।

मंत्रालय ने रविवार को बताया कि दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई जैसे सभी प्रमुख हवाई अड्डों के निदेशकों ने पुष्टि की है कि सभी टर्मिनलों पर स्थिति अब सामान्य है। चेक-इन या बोर्डिंग पॉइंट पर अब कोई भीड़भाड़ नहीं है। हवाई अड्डा संचालकों और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) द्वारा बेहतर निगरानी और समय पर सहायता प्रदान करके जमीनी सहायता को मजबूत किया गया है। मंत्रालय के मुताबिक, इंडिगो ने अपने संचालन में तेज़ी से सुधार किया है। उड़ानों की संख्या बढ़ी है। इंडिगो की उड़ानें शुक्रवार को केवल 706 थीं लेकिन अगले दिन शनिवार को बढ़कर 1,565 हो गईं और आज देर रात तक कुल 1,650 तक पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि अन्य सभी घरेलू एयरलाइन बिना किसी रुकावट के पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। मंत्रालय ने इंडिगो की उड़ानें रद्द होने के कारण अन्य एयरलाइनों द्वारा हवाई किराए में की गयी बढ़ोतरी के मद्देनजर तत्काल प्रभाव से किराए पर अंकुश लगा दिया गया है। इस कदम के बाद प्रभावित रूटों पर हवाई किराए काफी कम हो गया है। सभी एयरलाइन को इस नई किराया संरचना का कड़ाई से पालन करने का आदेश दिया गया है। मंत्रालय ने इंडिगो को रद्द या बहुत देरी वाली उड़ानों के यात्रियों के पैसों को आज रात 08:00 बजे तक पूरे करने के निर्देश दिये। इंडिगो अब तक कुल 610 करोड़ रुपये वापस कर चुकी है। इसके अलावा, रद्दीकरण के कारण यात्रा दोबारा योजना करने पर यात्रियों से कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। पैसे वापसी और दोबारा बुकिंग की समस्याओं को जल्द निपटाने के लिए समर्पित सहायता केंद्र बनाए गए हैं। मंत्रालय ने इंडिगो को निर्देश दिया है कि जो सामान व्यवधानों के कारण यात्रियों से अलग हो गए हैं, उन्हें 48 घंटों के भीतर ढूंढकर यात्रियों तक पहुंचाया जाए। शनिवार तक इंडिगो ने देश भर में 3,000 सामान सफलतापूर्वक यात्रियों तक पहुंचा दिया है।

एसआईआर अभियान पर सतर्क दृष्टि रखें कार्यकर्ता: योगी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार शाम सहारनपुर मंडल के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जनप्रतिनिधियों ने कहा कि वह मतदाता पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) पर सतर्क नजर रखे। सरकार की मंशा है कि कोई भी घुसपैठिया या अवैध नागरिक इस अभियान से बचना नहीं चाहिए। योगी ने एसआईआर अभियान पूरा होने के बाद नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने पर जोर दिया। बैठक में शामिल राज्यमंत्री जसवंत सैनी ने बताया कि सहारनपुर मंडल में पुनरीक्षण अभियान सही तरीके से चल रहा है। बैठक में कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल, राज्यमंत्री जसवंत सैनी, विधायक राजीव गुंबर, एमएलसी विरेंद्र चैधरी, पूर्व मंत्री सुरेश राणा, पश्चिम प्रांत मेरठ के अध्यक्ष सतेंद्र सिसौदिया, तीनों जिलों के भाजपा अध्यक्ष और पार्टी की ओर से एसआईआर के कार्य देख रहे संयोजकगण आदि शामिल रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंडल एवं जिले के आला अफसरों से कानून व्यवस्था एवं विकास कार्यो की जानकारी ली।

यूपी ने सौर ऊर्ज़ा के तीन लाख इंस्टॉलेशन का रचा इतिहास

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- 1038.27 मेगावॉट क्षमता ने बढ़ाई ऊर्ज़ा आत्मनिर्भरता की रफ्तार
- 2074.53 करोड़ रुपये की सब्सिडी से उपभोक्ताओं को बड़ी राहत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और स्पष्ट नीति निर्देशन का ही परिणाम है कि राज्य में सौर ऊर्ज़ा के तीन लाख इंस्टॉलेशन (3,00,654) का लक्ष्य पार कर लिया गया है। उत्तर प्रदेश ने नवीकरणीय ऊर्ज़ा के क्षेत्र में जो उपलब्धि हासिल की है वह ऐतिहासिक है।

यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश को देश के अग्रणी सौर राज्यों में शामिल करती है और ऊर्ज़ा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इस मामले में गुजरात और महाराष्ट्र ही उत्तर प्रदेश से आगे हैं। आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में कुल 9,83,915 आवेदनों में से 3,00,654 इंस्टॉलेशन पूरे किए जा चुके हैं। राज्य में सौर ऊर्ज़ा की कुल इंस्टॉलेशन क्षमता 1038.27 मेगावॉट तक पहुंच चुकी है जिससे लाखों परिवारों को स्वच्छ और किफायती ऊर्ज़ा प्राप्त हो रही है।

विशाल बौद्ध धम्म पदयात्रा का कछौना में हुआ जोरदार स्वागत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कछौना (हरदोई) नगर के मुख्य चौराहे पर रविवार को भिक्खु चँदिमा थेरो के नेतृत्व में पहुंची विशाल धम्म पदयात्रा का अखिल भारतीय बौद्ध एसोसिएशन, बहुजन बुद्ध बिहार कुकुही के भंते बुद्ध रतन के नेतृत्व में सैकड़ो उपासक/उपासिकाओं व अन्य नगर व क्षेत्र वासियों द्वारा पुष्प वर्षा कर पूरे उत्साह और श्रद्धा पूर्वक तरीके से जोरदार स्वागत किया! पदयात्रा के आगमन पर नगर बुद्धम शरणम गच्छामि के नारों से गूंज उठा! जिससे पूरा वातावरण धम्ममय हो गया! यात्रा में पहुंचे भी भिक्खुओं ने भगवान गौतम बुद्ध के करुणा, शांति समानता और अहिंसा के सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाने का संदेश दिय।

यात्रा के आयोजकों ने बताया पदयात्रा समाज में भाईचारा, सद्भाव और सामाजिक समरसता को मजबूत करने के उद्देश्य निकल गई है! यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से 20 अक्टूबर को सारनाथ से आरंभ होकर 14 दिसंबर को अपने गंतव्य संकिसा (फर्रुखाबाद) में एक विशाल सभा के साथ संपन्न होगी! पदयात्रा प्रतिदिन लगभग 10 किलोमीटर का सफर तय करती है! यात्रा का ठहराव बहुजन बुद्ध बिहार कुकुही में होगा जो कि अगले दिन सोमवार प्रातः अपने लक्ष्य की ओर पुनः प्रस्थान करेगी! प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे जिससे आयोजन सकुशल संपन्न हुआ। इस अवसर पर नगर के धम्म उपासक/अनुयाई अशोक कुमार, रंजीत राव गौतम, राजकुमार, गंगाराम, अवधेश, मेवालाल, नीलेश, सोनू देवी, कमला, संगीता, रामदेवी व पुष्पा सहित सैकड़ों अनुयायियों फूल मालाओं से सभी आगंतुकों का जोरदार स्वागत किया।

ओडीओपी- ओडीओसी से संडीला के लड्डू को मिलेगी वैश्विक पहचान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- हरदोई में समाजसेविका व भाजपा नेत्री शरणजीत सुहाना जैन ने शुरू किया 'संडीला लड्डू पुनर्ज़ागरण अभियान'

लखनऊ/हरदोई। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पारंपरिक उत्पादों और व्यंजनों को विश्वस्तरीय पहचान दिलाने के लिए ODOP–2 और ODoC (एक जनपदऽएक व्यंजन) मॉडल को मिशन मोड में आगे बढ़ा रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलों के परंपरागत व्यंजनों का विस्तृत सर्वे, गुणवत्ता परीक्षण, पैकेजिंग सुधार, ब्रांडिंग एवं मार्केटिंग को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।

सीएम योगी ने कहा–"ODOP ने प्रदेश के पारंपरिक उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है। अब ODOP–2 और ग्क्ष्ए मिलकर उत्तर प्रदेश की खाद्य विरासत को 'लोकल से ग्लोबल' की नई दिशा देंगे। सीएम के नए निर्देशों के बाद संडीला का प्रसिद्ध संडीला लड्डू ग्क्ष्ए सूची में सबसे मजबूत उम्मीदवार के रूप में उभर आया है। स्वाद, परंपरा और ऐतिहासिक विरासत के कारण यह लड्डू सदियों से उत्तर प्रदेश की एक विशेष पहचान रहा है।

ब्रिटिश काल से प्रधानमंत्री आवास तक–संडीला लड्डू का गौरवशाली इतिहास- ब्रिटिश शासन के दौरान अंग्रेज अफसर संडीला के लड्डू विदेशों में भेजते थे। पंडित जवाहरलाल नेहरू और लाल बहादुर शास्त्री ने संडीला प्रवास में इन लड्डुओं की विशेष प्रशंसा की थी। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी लगभग दो माह संडीला में रहे–वे प्रतिदिन संडीला लड्डू खाते थे, जिससे इनकी लोकप्रियता और बढ़ी। पुराने दस्तावेज बताते हैं कि यह लड्डू कभी काशी, अवध और कानपुर के राजकीय भोजों में भी परोसा जाता था।

इतिहासकारों के अनुसार–ह्लसंडीला लड्डू सदियों से उत्तर प्रदेश की मिठाई संस्कृति का एक प्रमुख स्तंभ रहा है। 'वीरांगना' संस्थान की अध्यक्ष सुहाना जैन–मिशन संडीला लड्डू की प्रणेता- हरदोई की समाजसेविका, भाजपा नेत्री एवं वीरांगना सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थान की अध्यक्ष शरणजीत सुहाना जैन ने संडीला के लड्डू को पुनः राष्ट्रीयऽअंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने का अभियान छेड़ दिया है।

सरकार + समाज = परंपरा को आधुनिक पहचान

विशेषज्ञ चार कारण बताते हैं जो संडीला लड्डू को ग्क्ष्ए सूची का सबसे मजबूत उम्मीदवार बनाते हैं– 1. सदी पुराना इतिहास और सांस्कृतिक विरासत। 2. आज भी क्षेत्रीय लोकप्रियता और मजबूत बाजार। 3. अंतरराष्ट्रीय निर्यात की क्षमता। 4. स्थानीय नेतृत्व–सुहाना जैन जैसे सामाजिक कार्यकर्ताओं की सक्रिय पहल। इन सभी तत्वों के संयुक्त प्रभाव से यह उम्मीद बढ़ गई है कि संडीला का लड्डू जल्द ही उत्तर प्रदेश की आधिकारिक खाद्य पहचान बनकर उभरेगा–और लंबे समय बाद यह मिठाई ह्लसंडीला से दुनिया तक की यात्रा तय करेगी।

सुहाना जैन बताती हैं– संडीला का लड्डू हमारी संस्कृति, हमारी परंपरा और हमारी पहचान है। ग्कघ्ग्कए के माध्यम से इसे वैश्विक बाजार तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य है। संडीला लड्डू पुनर्ज़ागरण अभियान–स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा- भाजपा नेत्री और वीरांगना सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थान की अध्यक्ष सुहाना जैन के नेतृत्व में संडीला लड्डू को राष्ट्रीय पहचान दिलाने का अभियान अब एक संगठित आंदोलन का रूप ले चुका है। उनका प्रयास केवल एक मिठाई को प्रसिद्ध करने का नहीं, बल्कि संडीला की स्थानीय अर्थव्यवस्था, परंपरा और कारीगरों को नई दिशा देने का है।

इस अभियान में कई बड़े उद्देश्य शामिल हैं, जिन पर तेज़ी से काम आगे बढ़ रहा है– स्थानीय कारीगरों को कौशल प्रशिक्षण देकर वैज्ञानिक और मानकीकृत विधि से लड्डू निर्माण की व्यवस्था विकसित की जा रही है, ताकि गुणवत्ता एक समान बनी रहे। आधुनिक पैकेजिंग, लेबलिंग और ब्रांडिंग के माध्यम से संडीला लड्डू को बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाने की कोशिश की जा रही है, जिससे यह बड़े रिटेल नेटवर्क तक पहुंच सके।

ऑनलाइन बिक्री और ईऽकॉमर्स प्लेटफॉर्म पर मार्केट तैयार करने की दिशा में भी काम हो रहा है, ताकि संडीला का लड्डू देशभर में ग्राहकों तक सीधे पहुंच सके। GI टैग के लिए आवश्यक दस्तावेजीकरण पर विशेषज्ञों की टीम काम कर रही है, जिससे संडीला लड्डू को आधिकारिक पहचान मिल सके और इसका संरक्षण सुनिश्चित हो। महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को जोड़कर स्वरोजगार बढ़ाने की पहल भी अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिससे ग्रामीण महिलाएँ आर्थिक रूप से सशक्त हों। लड्डू निर्माण का क्लस्टर मॉडल विकसित करने के लिए स्थान चिन्हित किए जा रहे हैं, ताकि उत्पादन, पैकिंग और वितरण का केंद्रित तंत्र विकसित हो सके। साथ ही संडीला को 'लड्डू हब' के रूप में विकसित करने का व्यापक रोडमैप तैयार किया जा रहा है, जो भविष्य में बड़े उद्योग और पर्यटन अवसरों को जन्म दे सकता है। सुहाना जैन का यह प्रयास न केवल परंपरा को आधुनिक पहचान देने की दिशा में है, बल्कि संडीला की पहचान को नए युग के बाजार से जोड़ने की एक सुनियोजित रणनीति भी है। सुहाना जैन का कहना है– यदि संडीला लड्डू ODoC में शामिल हुआ तो हजारों परिवारों को स्थायी रोजगार मिलेगा और संडीला की प्रतिष्ठा फिर से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित होगी। आज भी संडीला लड्डू की बाजार में जबरदस्त मांग- स्थानीय मिठाई दुकानों के संचालक बताते हैं कि संडीला लड्डू की मांग हर त्योहार, विवाह और पारिवारिक समारोहों में सबसे अधिक रहती है। स्वाद, सुगंध और देसी विधि के कारण इसे आधुनिक मिठाइयों की प्रतिस्पर्धा में भी आज तक कोई पीछे नहीं कर पाया है।

निर्यात क्षमता–संडीला लड्डू अंतरराष्ट्रीय बाजार का 'हॉट प्रोडक्ट' बन सकता है। खाद्य विशेषज्ञों का मानना है कि–सही पैकेजिंग, गुणवत्ता प्रमाणन और सरकारी सहायता मिलने पर संडीला का लड्डू खाड़ी देशों, अमेरिका, यूरोप और दक्षिणऽपूर्व एशिया में बसे भारतीय समुदाय के बीच बड़ी मात्रा में निर्यात किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में स्टार्टअप इंडिया की नई धड़कन बना उत्तर प्रदेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- सरकारी नीतियों से आईटी सेक्टर में त्वरित वृद्धि से स्टार्टअप इकोसिस्टम को मिला नया आयाम
- 18568 सक्रिय स्टार्टअप के साथ युवाओं को जॉब क्रिएटर बनाने में जुटी प्रदेश सरकार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश स्टार्टअप इंडिया की नई धड़कन बनकर उभर रहा है। प्रदेश सरकार के संकल्पित प्रयासों और उद्योग अनुकूल नीतियों ने राज्य में एक नई स्टार्टअप संस्कृति को जन्म दिया है। पिछले कुछ वर्षों में स्टार्टअप इकोसिस्टम में गुणात्मक और परिमाणात्मक वृद्धि देखने को मिली है। स्टार्टअप इकोसिस्टम के मामले में उत्तर प्रदेश, देश में अपना विशेष स्थान रखता है। यह बदलाव न केवल प्रदेश की आर्थिक प्रगति को रफ्तार दे रहा है बल्कि युवा ऊर्जा को सही दिशा भी प्रदान कर रहा है। योगी आदित्यनाथ सरकार के समर्थन से उत्तर प्रदेश में स्टार्टअप की संख्या तेजी से बढ़ी है। वर्तमान में प्रदेश में 18568 स्टार्टअप सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। यह संख्या इस बात का प्रमाण है कि उत्तर प्रदेश अब उद्यमिता का मजबूत गढ़ बन चुका है। इन स्टार्टअप्स में से लगभग आठ हजार स्टार्टअप्स का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं। प्रदेश के कई विश्वविद्यालय और तकनीकी संस्थान नवाचार के केंद्र बन चुके हैं। यहां से निकलने वाले नए विचार और प्रयोग पूरे देश के स्टार्टअप परिदृश्य में अपनी पहचान बना रहे हैं। योगी आदित्यनाथ सरकार की आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स संबंधी नीतियों ने भी स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई दिशा दी है। प्रदेश में आईटी सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा, लखनऊ, कानपुर और गोरखपुर जैसे शहर अब आईटी और टेक आधारित स्टार्टअप के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। सरकार द्वारा आईटी पार्कों का विकास तेज गति से किया जा रहा है। यही कारण है कि विश्व की कई बड़ी कंपनियां भी उत्तर प्रदेश को निवेश के लिए उपयुक्त स्थान मान रही हैं। स्टार्टअप सेक्टर के विशेषज्ञ रजत श्रीवास्तव का कहना है कि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की प्रभावी और ठोस स्टार्टअप नीति के कारण स्टार्टअप इको सिस्टम तेजी से सुदृढ़ हो रहा है। इनका कहना है कि आने वाले समय में उत्तर प्रदेश स्टार्टअप का बहुत बड़ा केंद्र बनेगा।

उत्तर प्रदेश में एसआईआर का कार्य प्रगति पर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रदेश में चल रहे एसआईआर के कार्यो में तेज प्रगति है। उन्होंने बताया कि बीएलओ को चिन्हित अनुपस्थित, शिफ्टेड तथा मृत मतदाताओं का एक बार पुनः अपने स्तर पर गहन जांच करने तथा इस कार्य में राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बीएलए का पूर्ण सहयोग लेने के भी निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने अपील की है कि राजनीतिक दल भी बूथों पर नियुक्त बीएलए को अपने स्तर से सहयोग करने के लिये निर्देशित करने का कष्ट करें, जिससे प्रदेश की आलेख्य मतदाता सूची में पात्र मतदाताओं के नाम दर्ज हों सके। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अब तक प्रदेश में 34 विधानसभा क्षेत्रों में तथा 91,441 बूथों पर शत प्रतिशत कार्य बीएलओ द्वारा पूर्ण कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि अब तक 15.43 करोड़ से अधिक (लगभग 99.93) गणना प्रपत्रों का वितरण हो चुका है, जिसमें 14.52 करोड़ से अधिक (लगभग 94.04 प्रतिशत) गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन किया जा चुका है।

उप्र में 31 मार्च 2025 के बाद आंशिक भुगतान करने वाले बकायेदार भी बिल राहत योजना से होंगे लाभान्वित

- सरकार का उद्देश्य अधिकतम लोगों को राहत देना: शर्मा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने विद्युत बिल राहत योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं को एक और बड़ी राहत प्रदान करते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। पहले 31 मार्च 2025 के बाद आंशिक भुगतान कर चुके उपभोक्ताओं को इस योजना के दायरे से बाहर रखा गया था, जिससे अनेक उपभोक्ता योजना का लाभ नहीं ले पा रहे थे। विभिन्न जनपदों के दौरे और विद्युत बिल राहत शिविरों के निरीक्षण के दौरान कई उपभोक्ताओं ने मंत्री से आग्रह किया कि अप्रैल, मई, जून आदि महीनों में उन्होंने कुछ न कुछ भुगतान अवश्य किया है, किंतु फिर भी उनका काफी बकाया शेष है। इसलिए उन्हें भी योजना का लाभ दिया जाए। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि उपभोक्ताओं की इस पीड़ा और वास्तविक स्थिति को समझते हुए ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने अत्यंत संवेदनशीलता के साथ अधिकारियों को तुरंत निर्देश दिए कि ऐसे सभी उपभोक्ताओं को योजना के लाभ से वंचित न किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार का उद्देश्य अधिकतम लोगों को राहत देना है, इसलिए भुगतान कर चुके किन्तु अब भी बकायेदार उपभोक्ताओं को योजना का लाभ मिलना चाहिए।

ऊर्जा मंत्री के निर्देशों के क्रम में अब 30 नवंबर 2025 तक भुगतान करने वाले ऐसे सभी उपभोक्ताओं को भी विद्युत बिल राहत योजना में शामिल कर लिया गया है। इस निर्णय से बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा । जनहित में लिए गए इस महत्वपूर्ण फैसले से प्रदेशभर के उपभोक्ताओं ने ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने वास्तव में जनता की परेशानी को समझा और राहत प्रदान करने का सार्थक प्रयास किया है। सरकार द्वारा उठाया गया यह कदम उपभोक्ता हित और संवेदनशील प्रशासन की स्पष्ट मिसाल है।

संक्षिप्त समाचार

राजधानी में अवध रन मैराथन, 5-10 और 21 किलोमीटर दौड़े 600 लोग

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में रन फॉर एबिलिटी की तरफ से अवध रन का आयोजन किया गया। इसमें करीब 600 की संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। तीन कैटेगरी में आयोजित मैराथन में 5 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 21 किलोमीटर तक खिलाड़ियों ने दौड़ लगाई। आयोजक रवि कुमार ने बताया कि रन फॉर एबिलिटी की तरफ से सुबह 5 बजे मैराथन आयोजित की गई। इसमें डिसेबल कैटेगरी के बच्चे और लोगों ने भी पार्टिसिपेट किया था। लोगों में यहां पर बहुत एंजॉय किया है। फिटनेस को लेकर लोगों को जागरूक करने के लिए यह आयोजन किया गया है। लखनऊ में लोगों को हेल्थ अच्छी रखने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया गया है।

ब्रेकर पर उछली बाइक, सिर के बल गिरा पीएसी जवान, इलाज के तीसरे दिन मौत

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के हजरतगंज इलाके में ड्यूटी के दौरान पीएसी जवान की बुलेट बाइक ब्रेकर पर उछल गई। इससे जवान सिर के बल गिरा। इसके बाद उसे ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया जहां रविवार को तीसरे दिन इलाज के दौरान जवान ने दम तोड़ दिया। मृतक जवान की पहचान उन्नाव के औरास थाना क्षेत्र निवासी बबलू राणा (28) के रूप में हुई। बबूल की 1 साल पहले ही शादी हुई थी। पत्नी नीतू सीआरपीएफ में हैं। बबलू पिछले कई दिनों से बोट क्लब क्षेत्र में सुरक्षा एवं बाढ़ राहत व्यवस्था से जुड़ी ड्यूटी कर रहे थे। शुक्रवार शाम करीब 6.30 बजे वह अपनी बुलेट बाइक से हजरतगंज वापस लौट रहे थे। ब्रेकर नहीं देख पाए जिस पर बाइक उछल गई। इससे बबलू दूर जा गिरे थे। बबलू राणा 32वीं बटालियन के बी दल में तैनात थे। इसका कैंप रिवर फ्रंट पर बना हुआ है। शुक्रवार को वह पूरे दिन ऑन-ड्यूटी रहे। स्थानीय लोगों के अनुसार, नदी किनारे सड़क पर अचानक आए बड़े ब्रेकर पर बबलू की नजर नहीं पड़ी। वह जैसे ही गिरे, आसपास के लोग और साथ में मौजूद जवान तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्हें आनन-फानन में ट्रॉमा सेंटर लखनऊ ले जाया गया। जहां डॉक्टरों की निगरानी में दो दिन इलाज चला। सिर की गहरी चोटों के कारण रविवार सुबह उनकी मौत हो गई। सीआरपीएफ की जवान नीतू से 26 नवंबर 2024 को शादी हुई थी। पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है।

लखनऊ एयरपोर्ट पर 26 उड़ानें रद्द इंडिगो की अव्यवस्था पांचवें दिन भी जारी

लखनऊ। लखनऊ में इंडिगो एयरलाइंस की उड़ानों में जारी अव्यवस्था रविवार को भी बनी रही। लगातार पांचवें दिन लखनऊ एयरपोर्ट से विभिन्न शहरों के लिए आने-जाने वाली कुल 26 उड़ानें रद्द कर दी गईं। यह अव्यवस्था इंडिगो एयरलाइंस के पायलटों का ड्यूटी समय कम किए जाने के कारण उत्पन्न हुई है। पायलटों की अनुपलब्धता के चलते प्रतिदिन दर्जनों उड़ानें रद्द हो रही हैं, जिससे एयरलाइन के संचालन पर व्यापक असर पड़ा है। इन रद्दीकरणों के कारण हजारों यात्री अपने गंतव्यों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। कई यात्रियों ने शिकायत की है कि ऑनलाइन सिस्टम पर उड़ानें सामान्य दिखाई जा रही थीं और बोर्डिंग पास भी डाउनलोड हो रहे थे, लेकिन एयरपोर्ट पहुंचने पर उन्हें रद्द होने की सूचना मिली। यात्रियों का आरोप है कि उन्हें न तो अग्रिम सूचना दी जा रही है और न ही टिकटों का रिफंड मिल रहा है। कई यात्री जो शादी, मीटिंग या अन्य आवश्यक कार्यों के लिए यात्रा कर रहे थे, वे लखनऊ में फंसे हुए हैं। इसके अतिरिक्त, विदेश से छुट्टी पर आए कई प्रवासी यात्री अपनी नौकरी पर वापस नहीं लौट पा रहे हैं। उन्हें होटल, टैक्सी और अन्य खर्चों के कारण अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है। पिछले चार दिनों से इंडिगो काउंटर पर यात्रियों और कर्मचारियों के बीच कई बार बहस और नोकझोंक देखी गई थी। हालांकि, रविवार को एयरपोर्ट पर स्थिति पहले की तुलना में शांत रही। इंडिगो एयरलाइंस के काउंटर पर आमतौर पर लंबी कतारें और भीड़ रहती थी, लेकिन रविवार को इक्का-दुक्का यात्री ही दिखाई दिए। रविवार को लखनऊ से दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, गुवाहाटी और चंडीगढ़ सहित कई प्रमुख मार्गों की उड़ानें रद्द रहीं। एयरपोर्ट प्रशासन ने बताया कि स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

मायावती ने विश्व बाजार में गिरते रुपये की कीमत और एयरलाइंस संचालन पर जताई चिंता

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने एयरलाइंस संचालन और विश्व बाजार में रुपये की गिरती कीमत को लेकर देश भर में व्याप्त अफरा-तफरी को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की है। बसपा प्रमुख मायावती ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि देश भर में बेरोजगारी, गरीबी आदि की विकराल समस्याएं व्याप्त है। दिल्ली में वायु प्रदूषण की गंभीर समस्या, विश्व बाजार में रुपये की गिरती कीमत आदि को लेकर देश के जो वर्तमान हालात हैं व लोगों की जो दिन- प्रतिदिन की परेशानियां-दिक्कतें हैं उससे पूरा देश चिन्तित है। जिसका समाधान, बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के मानवतावादी व कल्याणकारी संविधान को, आमजन के हित में सही से लागू करके ही तलाशा जाना बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि सरकारों को व्यावसायिक दृष्टिकोण त्यागकर विशुद्ध जनहित व जनकल्याण की ईमानदार नीयत से नीति, कानून एवं कार्यक्रम आदि बनाने होंगे, तभी समस्याओं से छुटकारा तथा देश व जनहित संभव। मायावती ने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने व्यापक देश व जनहित को मद्देनजर रखकर ही आजीवन कड़ा संघर्ष करते रहे और अन्ततः देश के करोड़ों बहुजनों के हित, कल्याण एवं उत्थान के लिए यहां संविधान में अनेकों अधिकार देकर कानून बनवाये, जिन पर सही से अमल बहुत जरूरी।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप स्कीम : रोजगार मेले में 476 युवाओं को मिले नौकरी के आफर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में अलीगंज स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप स्कीम के तहत युवाओं को नौकरी देने के लिए रोजगार मेला आयोजित किया गया। मोदी-योगी सरकार अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार व नौकरी देने के अभियान में लगी हुई है। इस मेले में 476 युवाओं को नौकरी के आफर दिए गए। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप स्कीम के अंतर्गत लखनऊ में शनिवार को आयोजित इस रोजगार मेले में क्षेत्रीय सेवायोजन विभाग के अधिकारियों का सक्रिय सहयोग रहा। यहां नौकरी पाने की उम्मीद में सुबह से ही युवाओं का आना शुरु हो गया था और शाम तक चयन प्रक्रिया चलती रही। वाहन निर्माण से जुड़ी कई कंपनियों के अधिकारी लगभग डेढ़ हजार पदों के लिए ट्रेंड युवाओं को चयनित करने के इरादे से आई थे और लगभग 600 युवाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। युवाओं को चयन प्रक्रिया के कई चरणों से गुजरना पड़ा। हालांकि इस दौरान कई युवा तो अपने कोर्स से जुड़ी सामान्य जानकारियां तक नहीं दे पाएं। ऐसे में आफर लेकर आए अधिकारियों को निराशा भी हुई। आईटीआई लखनऊ के प्रधानाचार्य राजकुमार बताया कि रोजगार मेले में देश-प्रदेश की 33 कंपनियां प्लेसमेंट करने के लिए आईं थी। इनमें लगभग 1,500 पदों की चयन प्रक्रिया में शामिल होने के लिए 600 से अधिक अभ्यर्थी पहुंचे थे। सभी प्रकार की प्रक्रिया पूरी होने के बाद 476 युवाओं को नौकरी के आफर दिए गए हैं । उन्होंने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों को कंपनी की ओर से 10,000 से 27,000 रुपये तक वेतन, साथ में दोपहर का भोजन, ड्रेस और जरूरी मेडिकल सुविधाएं दी जाएंगी। उन्होंने बताया कि यह रोजगार मेला प्रधानमंत्री इंटर्नशिप स्कीम के अंतर्गत आयोजित किया गया था। राजकीय आईटीआई अलीगंज लखनऊ के प्लेसमेंट अधिकारी एमए खान ने बताया कि बडी संख्या में अभ्यर्थियों को अच्छी नौकरी मिली है और रोजगार मेले के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कई बार अधिक गैप हो जाने के कारण कई युवा तकनीकी जानकारियां भूल जाते हैं जबकि कुछ निजी संस्थाएं भी युवाओं को मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण नहीं दे रही हैं। ऐसे ही युवक रोजगार मेले में सफल नहीं हो पाते हैं। उन्होंने बताया कि रोजगार मेले होते रहेंगे।

बाबर कोई मसीहा नहीं, न बने उसके नाम पर कोई मस्जिद : इकबाल अंसारी

लखनऊ/अयोध्या। बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि विवाद के पूर्व वादी इकबाल अंसारी ने पश्चिम बंगाल के बेलडांगा में निलंबित टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर द्वारा कथित रूप से बाबरी मस्जिद के नाम पर निर्माण की नींव रखे जाने को लेकर कहा कि यह कदम पूरी तरह चुनावी राजनीति से प्रेरित है और उनका मानना है कि बाबर के नाम पर कोई मस्जिद नही बननी चाहिए क्योंकि बाबर कोई मसीहा नहीं था।

अंसारी ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि 9 नवंबर 2019 को उच्चतम न्यायालय ने राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद भूमि विवाद पर अपना अंतिम फैसला सुनाया था, जिसके बाद देशभर के मुसलमानों ने न्यायालय के निर्णय का सम्मान किया और अमन बनाए रखा। कोर्ट ने फैसला किया और पूरे देश में एक पत्ता भी नहीं हिला। यही इस बात का सबसे बड़ा सबूत है कि आज देश में इस मुद्दे को लेकर कोई विवाद नहीं है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव नजदीक आते देख कुछ नेता फिर से मंदिर-मस्जिद की राजनीति शुरू कर रहे हैं।

संदिग्ध अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही के लिए आन्दोलन करेगा डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। डिप्लोमा इंजीनियर्स संघए लोक निर्माण विभाग, उ.प्र. की उच्चाधिकार समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ लोक निर्माण विभाग में भ्रष्टाचार के आरोपी एवं सत्यनिष्ठा संदिग्ध अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही के लिए आन्दोलन करेगा। बैठक में चर्चा की गयी कि भ्रष्टाचार के आरोपी एवं सत्यनिष्ठा संदिग्ध कतिपय अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही के लिए संघ द्वारा कई पत्र उच्चाधिकारियों को लिखे गये। परन्तु इन अधिकारियों के विरूद्ध उच्च स्तर से कोई कार्यवाही नही की गयी। इससे प्रदेश के डिप्लोमा इंजीनियर्स में आक्रोश व्याप्त है। इन अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही न किये जाने से इनका मनोबल बढ़ रहा है जिससे अधिकारियों में भ्रष्टाचार की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल रहा है। इससे विभाग एवं सरकार की छवि धूमिल हो रही है तथा प्रभावित अवर अभियंता एवं सहायक अभियन्ता अत्यधिक मानसिक दबाव महसूस कर रहे हैं। विभिन्न भ्रष्टाचार के आरोपी एवं सत्यनिष्ठा संदिग्ध अधिकारियों के विरूद्ध उच्च स्तर पर कार्यवाही न किये जाने के कारण डिप्लोमा इंजीनियर्स संघए लोनिवि की उच्चाधिकार समिति द्वारा इ.एन.डी.द्विवेदी प्रदेश अध्यक्षए डिप्लोमा इंजीनियर्स संघए लोक निर्माण विभाग उ.प्र. की अध्यक्षता में इन अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने की मांग को लेकर प्रदेश व्यापी आन्दोलन किये जाने का निर्णय लिया गया है। बैठक में अवगत कराया गया कि मुरादाबाद जनपद के एक अधिशासी अभियन्ता कुलदीप संत की सत्यनिष्ठा प्रमुख अभियन्ता विकास एवं विभागाध्यक्ष द्वारा संदिग्ध कर दी गयी है। आयुक्त सहारनपुर मण्डल द्वारा कुलदीप संत को अयोग्य एवं गैर अनुभवी अभियन्ता मानते हुए इन्हें निर्माण खण्ड यभवनद्ध सहारनपुर से हटाने तथा किसी योग्य एवं अनुभवी अधिशासी अभियन्ता की तैनाती किये जाने की मांग पर इन्हें सहारनपुर से हटाया गया था। सरकार की कैबिनेट द्वारा पारित स्थानांतरण नीति के प्रस्तर.4 में स्पष्ट उल्लेख है कि संदिग्ध सत्यनिष्ठा वाले कार्मिकों की तैनाती संवेदनशील पदों पर कदापि न की जाय।स्थानांतरण नीति में उक्त स्पष्ट प्राविधान के बावजूद भी उक्त अधिशासी अभियन्ता को न केवल प्रान्तीय खण्डए मुरादाबाद जैसे संवेदनशील खण्ड में तैनाती की गयीए अपितु मुरादाबाद के दो अन्य खण्डों का चार्ज भी इन्हीं अधिशासी अभियन्ता के पास कई महीनों तक रखा गया। इसी प्रकार देवरिया के एक अधिशासी अभियन्ता श्री अनिल जाटव पर अनाधिकृत रूप से 6.00 करोड़ का फर्जी बजट मांगने के गम्भीर आरोप हैं। इसके अतिरिक्त इन्हीं अधिशासी अभियन्ता पर 2.5 करोड़ रूपये के 34 फर्जी सप्लाई आर्डर निर्गत करने का भी आरोप है। इन आरोपों के बावजूद न तो अधिशासी अभियन्ता को हटाया गयाए अपितु उन्हें जनपद देवरिया के एक अन्य महत्वपूर्ण खण्ड का चार्ज भी काफी दिनों तक रखा गया। इसी प्रकार जनपद श्रावस्ती के एक अधिशासी अभियन्ता श्री सुनिल कुमार पर बिना सहायक अभियन्ता के हस्ताक्षर किये करोड़ो रूपये के बिल पास करने एवं भुगतान करने के गम्भीर आरोप हैं। इस प्रकरण पर महालेखाकार आडिट पैरा भी बनाया गया है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी उ.प्र. ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण द्वारा भी इस अनियमितता के सम्बन्ध में पत्र लिखा गया। इसके अलावा अधिशासी अभियन्ता द्वारा चिकित्सा अवकाश के दौरान सरकारी वाहन को निजी आवास पर प्रयोग किया गया। सहायक अभियन्ता द्वारा उक्त वाहन के मासिक किराये से नियमानुसार कटौती की अनुमति मांगी गयी। परन्तु अधिशासी अभियन्ता द्वारा कटौती न करते हुए शासकीय धन का दुरूपयोग एवं अनियमितता की गयी। इसी प्रकार इन अधिशासी अभियन्ता द्वारा अपने पद का दुरूपयोग करते हुए अपने अधीनस्थ दो सहायक अभियन्ता का 16 माह से वेतन न देने तथा अन्य अधीनस्थ कर्मचारियों का उत्पीड़न करने का भी गम्भीर आरोप है। जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी श्रावस्ती द्वारा भी इनके विरूद्ध लिखा गया यहाँ तक कि जिलाधिकारी श्रावस्ती द्वारा इन अधिशासी अभियन्ता अभियन्ता का वेतन भी रोक लिया गया है। परन्तु इनके विरूद्ध कोई कार्यवाही नही की गयी।

एयरपोर्ट पर हंगामा करने वाला गिरफ्तार, नशे में दम्मास जा रहा था

लखनऊ। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर शनिवार रात एक यात्री ने हंगामा किया। नशे की हालत में होने के कारण उसे इंडिगो एयरलाइंस की दम्मास जाने वाली उड़ान में सवार होने से रोक दिया गया था। बोर्डिंग से रोके जाने पर यात्री ने टर्मिनल के बाहर उत्पात मचाना शुरू कर दिया। उसने अपना बैग पटक कर तोड़ दिया और अन्य यात्रियों के साथ भी अभद्र व्यवहार किया। ड्यूटी पर तैनात एमएसएफ सुरक्षाकर्मियों ने जब हस्तक्षेप किया, तो यात्री ने उनसे गाली-गलौज की और हाथापाई पर उतर आया। स्थिति बिगड़ती देख अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों को बुलाकर उसे काबू किया गया। सरोजनीनगर पुलिस को सूचना दी गई, जिसने आरोपी घनश्याम विश्वकर्मा को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने उसके खिलाफ सार्वजनिक स्थान पर उत्पात मचाने, धमकी देने और कर्मचारियों से दुर्व्यवहार करने सहित कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पूछताछ के बाद उसे जेल भेज दिया गया। घनश्याम विश्वकर्मा देवरिया जिले के पडियापुर गांव का निवासी है और इंडिगो की फ्लाइट 6ई-97 से दम्मास जाने वाला था।

महापरिनिर्वाण दिवस पर भवन नाथ पासवान ने की बाबा साहेब को भावपूर्ण श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारत रत्न, संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस (6 दिसंबर) पर देशभर में आयोजित कार्यक्रमों के बीच डॉ. अम्बेडकर राष्ट्रीय एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष भवन नाथ पासवान ने नई दिल्ली स्थित ऐतिहासिक 26, अलीपुर रोड मेमोरियल पहुँचकर बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित की।

बाबा साहेब के जीवन के अंतिम दिनों से जुड़े इस स्मृति स्थल पर उन्होंने प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और दो मिनट का मौन रखकर उनके योगदान को नमन किया। पासवान ने कहा कि- डॉ. अम्बेडकर केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक ऐसी विचारधारा हैं, जिसने भारत में सामाजिक बदलाव की नींव रखी। उन्होंने वंचित, शोषित और दलित समाज को अधिकार और सम्मान दिलाने के लिए आजीवन संघर्ष किया। उनके सिद्धांत आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने आगे कहा कि बाबा साहेब का 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' का संदेश आज भी सामाजिक समरसता और समानता की दिशा में सबसे बड़ा प्रेरणास्रोत है। पासवान ने कहा कि जब तक समाज में भेदभाव, अन्याय और असमानता मौजूद है, तब तक अम्बेडकर के विचार हमारी जिम्मेदारी और हमारा संकल्प बने रहेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि डॉ. अम्बेडकर राष्ट्रीय एकता मंच पूरे देश में सामाजिक सौहार्द, न्याय और भाईचारे को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। मंच का उद्देश्य बाबा साहेब की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाना और हर स्तर पर समतामूलक समाज की स्थापना करना है। उन्होंने देशवासियों से अपील की जाति, धर्म और वर्ग के विभाजन से ऊपर उठकर हमें राष्ट्र की एकता को मजबूत करना होगा, तभी सच्चे अर्थों में बाबा साहेब को श्रद्धांजलि होगी।

कार्यक्रम में मंच के राष्ट्रीय पदाधिकारी, कार्यकर्ता, युवा प्रतिनिधि और दिल्ली के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने डॉ. अम्बेडकर द्वारा दिखाए मार्ग पर चलने और उनके सामाजिक संदेशों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

ईदगाह में 195वां नि:शुल्क चिकित्सा कैम्प का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मानवता की बुनियाद समाज सेवा के जज्बे से हमवार होती है। खुदा पाक के बन्दों की सेवा करना एक बहुत अच्छा कार्य है जो हर इन्सान को व्यक्तिगत एवं सामूहिक तौर पर समाज के लिए अंजाम देना चाहिए। यह कार्य न सिर्फ मानवता की तामीर व तरक्की का कारण बल्कि इस नेक कार्य से व्यक्ति के व्यक्तित्व में भी निखार पैदा होता है। इन ख्यालात का इज्हार इमाम ईदगाह लखनऊ व काजी शहर मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली चेयरमैन इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया फरंगी महल ने किया। वह आज इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया, मैक्स हास्पिटल और काइंड हस्पिटल के सौजन्य से दारूल उलूम फरंगी महल ईदगाह लखनऊ में आयोजित मांसिक निःशुल्क चिकित्सा कैम्प से सम्बोधित कर रहे थे। उन्होने कहा कि जरूरत मन्दों और गरीबों की सहायता व सहयोग करना इस्लाम की शिक्षा व हिदायत पर अमल करना है। समाज सेवा जैसे नेक काम के नमूने हमको रसूले पाक सल्ल0 की सीरत और साहाबा रजि0 के हालात में बहुत मिलते हैं। मौलाना ने कहा कि इस्लामिक सेन्टर के अर्न्तगत इस निःशुल्क चिकित्सा कैम्प का आरम्भ मौलाना अबू तैय्यब अहमद मियॉ फरंगी महली की सरपरस्ती में सन् 2000 में हुआ था। आज 195वॉ कैम्प था। यह हर महीने की पहली इतवार को लगता है। इस कैम्प से बिना किसी धार्मिक भेद भाव के हजारों लोग लाभ उठा चुके हैं। यहॉ निःशुल्क चश्मे दिये जाते हैं। ब्लड प्रेशर, शूगर, थाईराइड, स्त्री रोग इत्यादि की जॉच और निःशुल्क दवायें दी जाती हैं।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने रिसॉर्ट का फीता काटकर उद्घाटन किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

माधौगंज (हरदोई)। जिला पंचायत अध्यक्ष ने गणेश पूजन कर रिसॉर्ट का फीता काटकर शुभारंभ किया।

कस्बे से नयागांव जाने वाले मार्ग सहिजना गांव के निकट अनुपम रिसॉर्ट का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमवती ने गणेश पूजन कर फीता काटकर किया। आयोजक अनुपम वर्मा व छोटेलाल कनोजिया ने मुख्य अतिथि का स्वागत स्मृति चिन्ह व माला पहनाकर किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की जनता के लिए रिसॉर्ट खुलने से अब क्षेत्र के लोगो को बाहर नही जाना पड़ेगा। शहर जैसी सभी सुविधाएं यहाँ मिलेगी।

इस मौके पर पूर्व प्रमुख विवेक सिंह पटेल, रामू कश्यप, अनुपम वर्मा, छोटेलाल कनोजिया, सुधीर, रवि, धर्मेंद्र सिंह, सुरेंद्र आदि लोगो मौजूद रहे।

ग्रामीण क्षेत्र के जरूरतमंदों को हुआ कम्बल एवं ऊनी वस्त्र वितरण

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। संवेदना संस्था, हरदोई तथा उ0प्र0 वरिष्ठ नागरिक सेना समिति, हरदोई के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को पूर्वाह्न ०1:00 बजे से ग्राम–यासीनपुर (ब्लाक–लातन, तहसील व जनपद–हरदोई) में निःशुल्क कम्बल एवं वस्त्र–वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें ग्रामीण अञ्चल के जरूरतमंदों को वृहद संख्या में कम्बल एवं ऊनी वस्त्र उपलब्ध कराये गये। दोनों संस्थाओं के पदाधिकारियों में प्रमुरतरूप से डॉ0 ब्रह्मास्तरूप पाण्डेय, डॉ0 ईश्वर–चन्द्र तर्मा, डॉ0 नरेश चन्द्र शुक्ल, डॉ0 शीला पाण्डेय, नेद प्रकाश अवस्थी, गिरीश चन्द्र बाजपेयी, साधना गिप्या, रामदेव तिवारी उपस्थित रहे। शिक्षित ग्रामीणों को, संस्था के साहित्यकारों द्वारा लिरितत उपयोगी पुस्तकें, तथा डॉ0 तर्मा द्वारा लिखित परिपत्र–श्वृद्धावस्था में स्वास्थ्य भी निःशुल्क उपलब्ध कराया गया। कार्यक्रम का प्रबन्धन एवं संयोजन उमेश कुमार वर्मा (एडनोकेट), मन्त्री–आर्यसमाज, यासीनपुर द्वारा किया गया।

विहिप ने नगर के मुख्य मार्गो से निकाली मोटर साइकिल शौर्य यात्रा

राष्ट्रीय प्रस्तावना

माधौगंज (हरदोई)। रविवार को विश्वहिंदू परिषद व बजरंग दल द्वारा नगर के मुख्य मार्गों से मोटरसाइकिल शौर्य यात्रा निकाली गई।

शौर्य यात्रा का शुभारंभ मां जक्खदेवी मन्दिर रूदामऊ प्रांगण से मुख्य अतिथि प्रान्त संगठन मंत्री विजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में हुआ। शौर्य यात्रा माधौगंज चौराहा से सदर बाजार तिकुनिया पार्क नजहाई चौराहा होकर जूनियर हाईस्कूल के निकट दौलतयार पुर तिराह पर प्रधान प्रतिनिधि प्रदीप कुमार सोनू अग्निहोत्री, आशीष अग्निहोत्री आजाद ने यात्रा का पटका पहनाकर फूल मलाओ से भव्य स्वागत किया। मुख्य मार्ग से गुजरते हुए माधौगंज चौराहा से मल्लावां की ओर प्रस्थान करने के दौरान एस के डायग्नोस्टिक एण्ड डिजिटल एक्स–रे सेंटर प्रतिष्ठान के सामने संचालक सन्दीप कुमार ने मुख्य अतिथि विजय प्रताप सिंह को पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। इसी स्वागत श्रृंखला में बलवन्त सिंह संगीत कुमार प्रदीप अर्कवंशी, नितीश विकास सोनू आदि ने शौर्य यात्रा में शामिल अतिथियों को फूलों की मालाएं पहनाकर अभिनन्दन करते हुए शौर्य यात्रा में शामिल सभी कार्यकर्ताओं पर पुष्प वर्षा कर उनका उत्साहवर्धन किया। शौर्य यात्रा में शामिल युवाओं ने जय श्रीराम–जय बजरंगबली के जोशीले अंदाज में गगनभेदी नारे लगाकर सनातन धर्म की संस्कृति का प्रसार किया। शौर्य यात्रा में प्रमुख रूप से विहिप प्रान्त संगठन मंत्री, अविनाश कुमार प्रान्त सहमंत्री, विभाग मंत्री विद्या रत्न द्विवेदी, जिला संयोजक विनीत कुमार वर्मा, विहिप जिलाध्यक्ष रामगोपाल, अजय कुमार, राजेश कुमार, मातृशक्ति संयोजिका डॉ विभा सिंह, जिला उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार तिवारी उर्फ सोनू, जिला प्रचार–प्रसार प्रमुख मनीष तिवारी, बृजेश पाण्डेय, प्रखंड मंत्री प्रभाष कुमार, प्रखंड गोरक्षा प्रमुख विवेक कुमार पाण्डेय, सन्दीप प्रजापति, संगीत कुमार, महेन्द्र सिंह, सर्वेश राठौर, प्रदीप कुमार ऋषभ शुक्ला, मोहन कश्यप रिंकू, श्यामू, सोनू पंडित हर्ष गुप्ता, अंचल मिश्रा मुकेश सिंह रवि राठौर सुनील अर्कवंशी अनमोल अग्निहोत्री समेत भारी संख्या में बजरंग दल के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सेवा का प्रतिफल है, बुढ़ापे का सम्मान हैं, पुरानी पेंशन करो बहाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। पेंशन शहीद डॉ० रामाशीष सिंह की स्मृति दिवस के अवसर पर शहर स्थित शहीद उद्यान (कंपनी गार्डन) हरदोई में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें सभी शिक्षक/कर्मचारियों ने स्व० रामाशीष के चित्र पर पुष्प अर्पित किए तथा कैंडिल जलाकर उन्हें याद किया। सभी ने 2 मिनट का मौन रख कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। जैसा कि ज्ञात है 07 दिसम्बर 2016 को मंच के प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार 'बन्धु' के नेतृत्व में पुरानी पेंशन बहाली को लेकर आंदोलन के क्रम में विधानसभा (लखनऊ) घेराव के समय प्रशासन द्वारा किये गए बर्वर लाठीचार्ज में लाठी लगने से डॉ रामाशीष सिंह की मृत्यु हो गई थी तथा तमाम लोग घायल हुए थे। तभी से प्रत्येक वर्ष 07 दिसम्बर (स्व० रामाशीष शहीद दिवस) को अटेवा के सदस्य श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर उन्हें याद करते हैं।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष डॉ जैनुल खान, प्रदेश सलाहकार ओमप्रकाश, मंडल अध्यक्ष, लखनऊ डॉ० आशीष वर्मा, महामंत्री सायुज्य मिश्रा, कोषाध्यक्ष सतीश चंद्र प्रजापति, जिला संयोजिका कुसुमलता आदि ने उनके चित्र पर माल्यार्पण तथा पुष्प अर्पित किए। इस मौके पर ज़िला अध्यक्ष डॉ जैनुल खान ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पेंशन बहाली के लिए स्व० रामाशीष सिंह का बलिदान व्यर्थ नही जाएगा तथा पेंशन बहाली आंदोलन पेंशन की बहाली तक जारी रहेगा। सायुज्य मिश्रा ने कहा स्व० रामाशीष सिंह का पेंशन संकल्प अब हमसब की जिम्मेदारी है और हम उनके इस संकल्प को हर हाल में पूरा करेंगे। उन्होंने कहा सरकार कर्मचारियों की पेंशन बहाली के मुद्दे को अनदेखा कर रही हैं जबकि सभी माननीय 4.4 पेंशन ले रहे हैं ये कही से भी न्यायसंगत नही है। जिला मंत्री डिम्पल वर्मा ने स्व० रामाशीष जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि हम उनके पेंशन पाने के स्वप्न को अधूरा नही छोड़ने वाले, हमारा संघर्ष पेंशन बहाली तक जारी रहेगा। उन्होंने कहा पेंशन कोई भीख नही कर्मचारियों का अधिकार है, 30–35 वर्ष देश की सेवा का प्रतिफल है, बुढ़ापे का सम्मान हैं। सरकार को हर हाल में इसे वापस करना होगा। इस मौके जिला उपाध्यक्ष सतेंद्र विक्रम दिवाकर, विनीत मिश्रा, जिला प्रवक्ता–बेबी गौतम, मीडिया प्रभारी राजीव कुमार, आई टी सेल प्रभारी रुद्र शुक्ला, सोशल मीडिया प्रभारी गौरीशंकर, प्रिंट मीडिया प्रभारी घनश्याम, माध्यमिक शिक्षक संघ एकजुट–सुधीर गंगवार, जिला मंत्री वीरेंद्र राना अजय कुमार वशिष्ठ, कीर्ति आनंद, आनंद प्रताप, अरुण पाल, शरीफुद्दीन खान, कुलदीप कुशवाहा आदि सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

आटो पलटने से चालक घायल

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के बेड़ी लीक के पास रविवार को शाम ०4:30 बजे एक तेज रफ्तार आटो अनियंत्रित होकर पलट गया जिससे ऑटो चालक घायल हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसका उपचार चल रहा है। बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के बेड़ी लीक के पास ऑटो पलट गया जिससे नन्हे पुत्र राम रूप घायल हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसका इलाज चलरहा है।

श्री श्याम महोत्सव का हुआ भव्य शुभारम्भ, भक्ति में झूमे श्रद्धालु

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जिले में श्री श्याम महोत्सव का 12वां भव्य आयोजन भूमि पूजन के साथ रविवार से प्रारंभ हो गया। धार्मिक एवं सामाजिक संस्था श्री श्याम मित्र मंडल की ओर से यह आयोजन सात और आठ दिसंबर को धूमधाम से होगा। सात दिसंबर को बाबा श्याम की भव्य निशान यात्रा वेणी माधव स्कूल प्रांगण से आरंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए सर्कुलर रोड स्थित अग्रवाल धर्मशाला तक पहुंचा। इसमें अध्यक्ष जिला पंचायत हरदोई प्रेमावती पीके वर्मा ने वेणी माधवध्बाल विहार स्कूल हरदोई से प्रारम्भ भव्य निशान यात्रा मे सम्मिलित होकर, श्याम प्रेमियों को श्याम महोत्सव की शुभकामनाएं प्रदान कीं। इस अवसर पर महोत्सव आयोजकगण व् श्रद्धालुजन उपस्थित रहे। मराठा शैली में सजा ढोल दल, भांगड़ो नृत्य प्रदर्शन, मनमोहक झांकियाँ, भव्य दरबार, भक्तों द्वारा डीजे पर प्रस्तुत भक्तिमय नृत्य सैकड़ों की संख्या में उपस्थित रहे सोमवार आठ दिसंबर को आरआर इंटर कॉलेज के प्रांगण में बाबा श्याम का दिव्य व भव्य दरबार सजेगा। महोत्सव समिति के अनुसार खाटू धाम से स्वयं बाबा श्याम के पधारने का भावपूर्ण स्वागत किया जाएगा। श्री श्याम मित्र मंडल की ओर से दोनों दिनों भंडारे व प्रसाद वितरण की व्यवस्था की जाएगी। भूमिपूजन कार्यक्रम में मंडल के सभी सदस्य व संरक्षक उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार बाइक सवार गन्ना लदी ट्रैक्टर ट्राली में घुसा, दर्दनाक मौत

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के लोन चीनी मिल के पास शनिवार की रात्रि 11:00 बजे एक तेज रफ्तार बाइक सवार गन्ना लदी ट्रैक्टर ट्राली में घुस गया जिससे गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में तत्काल उसे सीएचसी लाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के लोनी चीनी मिल के कर्मचारी कन्हैया लाल विश्वकर्मा का 27 वर्षीय पुत्र शिवम विश्वकर्मा शाहाबाद में वैवाहिक कार्यक्रम शामिल होकर वापस लोनी चीनी मिल जा रहा था। रात्रि 11:00 बजे तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित हो गई और एक गन्ना लदी ट्रैक्टर ट्राली में पीछे से घुस गई जिससे शिवम विश्वकर्मा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में तत्काल उसे सीएचसी लाया गया। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मृतक शिवम विश्वकर्मा की फाइल फोटो

भाई और भतीजी को मारपीट करने वाले आरोपी पर रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम हूंसे पुर लुकमान में एक शराबी ने अपने ही भाई और भतीजी को पीट कर घायल दिया । घटना की नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीड़ित रामबाबू पुत्र रामचंद्र के अनुसार 5 दिसंबर को 7 बजे शाम शराबी भाई रिंकू ने उसे गाली गलौज करते हुए लाठी से मारपीट कर घायल कर दिया शोर सुनकर उसकी पुत्री जूली उसे बचाने आई तो विपक्षी ने उसे भी मारपीट कर घायल कर दिया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच.पड़ताल कर रही है।

दबंग भाइयों ने भाभी को पीट कर लहूलुहान किया

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। पचदेवरा थाना क्षेत्र के ग्राम मड़ैया पकरा में रविवार को शाम ०4:00 बजे पारिवारिक विवाद के चलते दो भाइयों ने अपनी भाभी को डंडों एवं लाठियों से पीट कर घायल कर दिया। घायल को सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां उसका प्राथमिक उपचार किया गया। जगदेवी पत्नी कमलेश के अनुसार उसके देवर अरविंद और सुनील ने पारिवारिक विवाद के चलते उसे गाली गलौज किया। गाली गलौज करने से मना करने पर डंडो एवं लाठियों से उसके सिर पर वार कर दिया जिससे वह लहू लुहान हो गई । घायल को सीएचसी शाहबाद लाया गया जहां प्राथमिक उपचार किया गया। घटना की नाम जद रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

पानी के गड्ढे में डूब कर मासूम बालिका की मौत

कछौना (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के गांव कामीपुर निवासी फुरकान की तीन वर्षीय पुत्री तायबा घर से कुछ दूरी पर खेल रही थी वही कुछ दूरी पर एक गड्ढे में पानी भरा था! खेलते खेलते तायबा पानी भरे गड्ढे मे गिर गयी और पानी मे डूब गई! जानकारी मिलने पर परिजन मौके कर पहुंचे और आनन–फ़ानन में बालिका को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुचे जहाँ मौजूद डाक्टरों ने बालिका को मृत घोषित कर दिया! मृतका के बाबा मोहम्मद सफी ने बताया कि उसकी दो पोती है! जिसमें से छोटी पोती की गड्ढे के पानी में डूब कर मौत हो गई है। मृतका अपनी माँ के साथ गाँव मे ही रहती थी व पिता दिल्ली में मजदूरी करके परिवार का पालन पोषण करता था। अचानक हुई इस घटना से परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल है। पुलिस ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है!

मृतक तायबा क़ी फ़ाइल फोटो

मीना मंच डे कार्यक्रम का हुआ आयोजन

माधौगंज (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। उच्च प्राथमिक विद्यालय सदरियापुर में मीना मंच का कार्यक्रम समय सारणी के अनुसार करायें गये। सर्वप्रथम विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक नीरज गुप्ता, सहायक अध्यापिका प्रियंका श्रीवास्तव, सहायक अध्यापक गौरव कुमार सिंह व छात्र छात्राओं द्वारा बाबा साहब डा0 भीमराव अम्बेडकर के 69 वे परिनिर्वाण दिवस पर माल्यार्पण, पुष्पांजलि अर्पित करते हुए शत् शत् नमन किया गया। सुगमकर्ता प्रियंका श्रीवास्तव के निर्देशन में पावर एंजेल मीनाक्षीए काजल द्वारा प्रगति के पंख पर आधारित सत्र 1098 नंबर याद करना पर संवाद किया गया। चुप्पी–तोड़ो हल्ला–बोलों की गतिविधियों के साथ गुड टच–बैड टच, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ, आत्मनिर्भर, स्वावलंबी बालिका आदि गतिविधियां कराई गई। कामिक बुक के अन्तर्गत बोलती चट्टान का विडीयो साझा किया गया। अरमान माड्यूल के अन्तर्गत जीवन कौशल के बारे में प्रभारी प्रधानाध्यापक नीरज गुप्ता द्वारा बहुत ही सुंदर ढंग से समझाया गया। वीरांगना ऊदा देवी के बारे में सहायक अध्यापक गौरव कुमार सिंह द्वारा विस्तृत में जानकारी प्रदान की गयी। नवम्बर माह में सर्वाधिक उपस्थिति वाले बच्चों में कक्षा 6 से निधि, प्रांशी व राधा, कक्षा 7 से अनुष्का, चांदनी, चम्पा, कक्षा 8 से राधा, कुमकुम, अनन्या को प्रोत्साहन के लिए पुरस्कृत किया गया। सहायक अध्यापिका प्रियंका श्रीवास्तव ने सभी को बताया कि कक्षा 8 की पावर एंजेल उजाला के लगातार अनुपस्थित रहने पर कक्षा 8 की भावना की पावर एंजेल बनाया गया। सभी मीना मंच की छात्राओं ने माल्यार्पण कर स्वागत किया।ईको क्लब फार मिशन लाइफके अन्तर्गत राज व प्रिन्स द्वारा सूखा कचरा नीले कूड़ेदान में व गीला कचरा हरा कूड़ेदान में डालना एएक कदम स्वच्छता की ओर गतिविधि करायी गयी। सभी सत्रों का अभिलेखीय करण भी किया गया।

मात्र शक्ति सम्मेलन का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

पाली (हरदोई)। पाली नगर में संचालित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में विद्या भारती जन शिक्षा समिति द्वारा सप्त शती संगम कार्यक्रम के तहत आयोजित मात्र शक्ति सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में ब्लाक प्रमुख भरखनी अचाची अंजू सिंह ने सम्मिलित होकर भारत के बदलते स्वरूप में नारी शक्ति की सम्पूर्ण सहभागिता एवं विविध क्षेत्रों में उनके असीमित योगदान पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया।

मात्र शक्ति के रूप में मंच पर उपनिरिक्षक कोतवाली पाली आकांक्षा सिंह भाजपा महिला मोर्चा महामंत्री श्वेता अग्निहोत्री कार्यक्रम संयोजिका ज्योति मिश्रा प्रधानाचार्य देवेन्द्र सिंह उप प्रधानाचार्य शिवम तिवारी सहित सम्मानित मात्र शक्ति एवं विद्यालय परिवार के बच्चे एवं शिक्षक गण उपस्थित रहें।

एनएचएआई और पीएनसी के संयुक्त प्रयास से अतिक्रमण मुक्त हुआ कछौना अंडरपास

राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना अखबार की खबर का असर

कछौना (हरदोई)। लगातार प्रकाशित खबरों के बाद आखिरकार कछौना के राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित अंडरपास को अतिक्रमण से मुक्त करा लिया गया! भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और निर्माण एजेंसी पीएनसी के संयुक्त अभियान में अवैध दुकानों व ठेलों को हटाया गया, जिससे अंडरपास के नीचे लंबे समय से बनी जाम और दुर्घटनाओं की स्थिति से लोगों को राहत मिली!

अंडरपास के नीचे अतिक्रमण हटवाते कर्मचारी फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

अंडरपास क्षेत्र में अतिक्रमण के कारण राहगीरों, मरीजों, स्कूली बच्चों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था! आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती थी! वहीं स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए पैदल निकलना भी जोखिम भरा हो गया था! इस गंभीर समस्या को लेकर मीडिया में प्रमुखता से खबर प्रकाशित की गई! जिसके बाद संबंधित विभाग ने हरकत में आकर कार्यवाही की! एनएचएआई के अधिकारियों और पीएनसी के कर्मचारियों की मौजूदगी में चलाए गए अभियान के दौरान अंडरपास के नीचे अवैध कब्जे हटाए गए! स्थानीय लोगों ने अतिक्रमण हटने पर राहत की सांस ली! लोगों ने खबर का असर मानते हुए मीडिया और प्रशासन का आभार व्यक्त किया! इस कार्यवाही से न सिर्फ यातायात सुगम हुआ बल्कि सुरक्षा व्यवस्था में भी सुधार आया है! वहीं अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि अंडरपास क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए समय–समय पर निरीक्षण किया जाएगा व दोबारा कब्जा करने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी!

अब देखना यह है कि इस कार्यवाही से अंडरपास के नीचे अतिक्रमण की समस्या से स्थाई समाधान मिलेगा या जिम्मेदार विभागों की शिथिलता के चलते पुनः अंडरपास अतिक्रमण की भेंट चढ़ेंगे।

ग्रामीणों संग श्रद्धा का उजाला: बरनई चतरखा में डॉ0 अंबेडकर को 101 दीपों से श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय प्रस्तावना

■ समाजसेविका शालिनी सिंह ने ग्रामीणों संग मनाई डॉ० भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि, सेवा कार्यों से गांव में दिख रहा सकारात्मक बदलाव

साण्डी (हरदोई)। कृष्णा कुमारी सिंह सेवा संस्थान के तत्वावधान में जिले के सांडी ब्लॉक के ग्राम बरनई चतरखा में भारत रत्न डॉ० भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। संस्थान की संचालिका और समाजसेविका शालिनी सिंह ने ग्रामीणों के साथ बाबा साहब को नमन किया और प्रतिमा के समक्ष 101 मोमबत्तियाँ जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर शालिनी सिंह ने कहा कि डॉ० अंबेडकर ने देश को समानताए शिक्षा और अधिकारों का मार्ग दिखाया, जो आज भी समाज के लिए प्रकाशस्तंभ है। उन्होंने ग्रामीणों और बच्चों के बीच अंबेडकर के जीवन, संघर्षों और आदर्शों को साझा किया तथा शिक्षा को प्राथमिकता देने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। ग्राम बरनई चतरखा के ग्रामीणों ने बताया कि शालिनी सिंह के निरंतर प्रयासों से गांव में सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं। निर्धन परिवारों की सहायताए वृद्धजनों को वस्त्र वितरण और सरकारी योजनाओं में ग्रामीणों की सहभागिता बढ़ाने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

ग्रामीणों का कहना है कि उनके जुड़ाव से गांव की दिशा और दशा दोनों में सुधार हुआ हैए और समाजसेवा की यह पहल विकास की नई राह बना रही है।

किशोरी को बहला–फुसलाकर भगाने का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ले से किशोरी को बहला फुसलाकर कर भगा ले जाने के मामले में परिजन की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है। किशोरी की मां के अनुसार उसकी 14 वर्षीय पुत्री को कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला पठकाना निवासी प्रांशू पुत्र बांकेलाल अपनी मां पिंकी और लक्ष्मी पत्नी हरिद्वारी के सहयोग से दो दिसंबर को बहला–फुसलाकर कहीं भगा ले गया है। पीड़िता ने लक्ष्मी से कहा तो उसने गाली गलौज करते हुए कार्यवाही करने पर दूसरी पुत्री को उठा ले जाने और उसे जान से मार डालने की धमकी दी। पीड़िता की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है।

पुनरीक्षण पर सुप्रीम मोहर

मतदाता सूचियों की शुद्धता व पारदर्शी चुनावों के लिये चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया को जारी रखने का निर्देश देकर देश की शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को राहत ही दी है। वहीं दूसरी ओर संसद से सड़क तक एसआईआर के मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश में लगे विपक्ष को इस निर्णय से बैकफुट पर आना पड़ेगा। दरअसल, विपक्षी दल बिहार में शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया को लेकर लगातार मुखर विरोध करते रहे हैं और मामला कई बार अदालत तक भी पहुंचा था। लेकिन बिहार में बहुत कम समय में यह काम पूरा हुआ और राज्य में नई सरकार भी चुन ली गई है। हालिया प्रक्रिया की कथित विसंगतियों के बाबत सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत के नेतृत्व वाली बेंच ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकारों के कर्मचारी एसआईआर व अन्य वैधानिक दायित्वों के निर्वहन के लिये बाध्य हैं। वहीं कोर्ट ने राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारों को निर्देश दिए हैं कि एसआईआर में लगे बूथ लेवल अधिकारियों पर काम का दबाव कम करने के लिए तुरंत कदम उठाएं। इसके लिये अतिरिक्त कर्मचारियों की नियुक्ति करने को कहा गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों विशेष गहन पुनरीक्षण में लगे कई बीएलओ के तनाव से मरने व आत्महत्या करने के समाचार आए थे। जिसके चलते चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को एक सप्ताह के लिये आगे बढ़ाया था। वहीं दूसरी ओर अदालत ने स्पष्ट किया कि एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग के अधिकारों को चुनौती नहीं दी जा सकती। यह भी कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उसके पास मतदाता सूचियों में पारदर्शिता लाने के लिये एसआईआर को अंजाम देने के संवैधानिक व कानूनी अधिकार हैं। साथ ही अदालत ने इस प्रक्रिया पर किसी तरह की रोक लगाने से इनकार किया। इसके अलावा अदालत का कहना था कि यदि भविष्य में किसी तरह की अनियमितता सामने आती है तो तुरंत कार्रवाई के आदेश दिए जाएंगे। निस्संदेह, विगत में भी देश में समय-समय पर मतदाता सूचियों में पुनरीक्षण का कार्य होता रहा है। लेकिन यह कभी इतना बड़ा राजनीतिक विरोध का मुद्दा नहीं बना। बहरहाल, अदालत के इस आदेश के बाद विशेष गहन पुनरीक्षण को मुद्दा बनाकर विरोध करने वाले राजनीतिक दलों को झटका अवश्य लगा होगा। हालांकि, इससे पहले भी अदालत ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया पर रोक लगाने से इनकार किया था। साथ ही उससे जुड़ी विसंगतियों को दूर करने को जरूरी निर्देश अवश्य दिए थे। जहां तक बूथ लेवल अधिकारियों पर काम के दबाव का सवाल है तो निश्चित ही यह एक श्रम साध्य कार्य है। इस काम में लगे शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों को विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े दस्तावेजों के प्रमाणीकरण और शिकायतों के निवारण में खासी माथापच्ची करनी पड़ती है। इसलिए बीएलओ के काम के बोझ को कम करने का प्रयास करना बेहद जरूरी है। जिसके लिये कर्मचारियों की संख्या तुरंत बढ़ाने की जरूरत है, जिससे बीएलओ का काम का बोझ कम हो सके। उन्हें साप्ताहिक अवकाश लेने का अवसर मिल सके। निस्संदेह, सार्वजनिक जीवन में राष्ट्रीय दायित्व का निर्वहन नियुक्त कर्मचारियों के लिये अपरिहार्य है। ऐसी ही जटिलता का सामना कर्मचारियों को जनगणना आदि कार्यक्रमों व स्वास्थ्य से जुड़े मिशनों में करना पड़ता है। घर-घर जाना और लोगों की तल्ख प्रतिक्रियाओं का भी सामना करना पड़ सकता है। वहीं विशेष गहन पुनरीक्षण का विरोध कर रहे राजनीतिक दलों का भी दायित्व है कि वे अपने दल के बूथ स्तरीय अधिकारियों को बीएलओ की मदद करने को प्रेरित करें। महज सत्ता पक्ष की नीतियों के विरोध के लिये विरोध करना स्वस्थ लोकतंत्र के हित में नहीं कहा जा सकता। विपक्ष को लोकतंत्र के हित में विरोध के साथ रचनात्मक सहयोग भी करना चाहिए। लोकतंत्र को संबल देने वाली विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को सफल बनाने में जहां सरकारी कर्मचारियों की बड़ी भूमिका है, वहीं राजनीतिक दलों व आम नागरिकों के भी दायित्व हैं। नागरिकों को राष्ट्रीय कार्यों में नागरिक धर्म का भी निर्वाह करना चाहिए। आम लोगों की सजगता व सक्रियता बूथ लेवल अधिकारियों के बोझ को कुछ कम जरूर कर सकती है।

संसद से सड़क तक एसआईआर के मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश में लगे विपक्ष को इस निर्णय से बैकफुट पर आना पड़ेगा। दरअसल, विपक्षी दल बिहार में शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया को लेकर लगातार मुखर विरोध करते रहे हैं और मामला कई बार अदालत तक भी पहुंचा था। लेकिन बिहार में बहुत कम समय में यह काम पूरा हुआ और राज्य में नई सरकार भी चुन ली गई है। हालिया प्रक्रिया की कथित विसंगतियों के बाबत सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत के नेतृत्व वाली बेंच ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकारों के कर्मचारी एसआईआर व अन्य वैधानिक दायित्वों के निर्वहन के लिये बाध्य हैं।

हुमायूं कबीर की बाबरी मस्जिद चाल से ममता बनर्जी की सत्ता पर मंडराया संकट

अजय कुमार

6 दिसंबर को मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की प्रतिकृति बनाने की नींव रखने का ऐलान कर उन्होंने न सिर्फ तृणमूल कांग्रेस को बैकफुट पर धकेल दिया, बल्कि पूरे राज्य की सांप्रदायिक सियासत को नई हवा भी दे दी। यह घटना महज एक विधायक का विद्रोह नहीं, बल्कि ममता की सत्ता की नींव हिला देने वाली चाल लग रही है। हुमायूं कबीर कौन हैं, यह जानना जरूरी है। मुर्शिदाबाद जिले के भरतपुर विधानसभा क्षेत्र से 2021 में तृणमूल के टिकट पर विधायक बने कबीर पहले भी विवादों के केंद्र में रहे हैं। ममता सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके वे मूल रूप से कांग्रेसी पृष्ठभूमि के हैं। 2011 में ममता के सत्ता में आने पर वे मंत्री बने, लेकिन 2015 में पार्टी के खिलाफ बगावत कर दी। उन्होंने ममता पर आरोप लगाया कि वे अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को 'राजा' बनाने की कोशिश कर रही हैं। नतीजा यह हुआ कि उन्हें छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया गया।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में इन दिनों हलचल मची हुई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, जो 15 साल से सत्ता की कमान संभाल रही हैं, अब चारों तरफ से घिरी नजर आ रही हैं। एक तरफ हिंदू वोटरों का झुकाव भाजपा की ओर हो चुका है, तो दूसरी तरफ उनकी मुस्लिम तुष्टिकरण की पुरानी राजनीति भी डगमगा रही है। ताजा संकट खड़ा कर दिया है उनकी ही पार्टी के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने। 6 दिसंबर को मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की प्रतिकृति बनाने की नींव रखने का ऐलान कर उन्होंने न सिर्फ तृणमूल कांग्रेस को बैकफुट पर धकेल दिया, बल्कि पूरे राज्य की सांप्रदायिक सियासत को नई हवा भी दे दी। यह घटना महज एक विधायक का विद्रोह नहीं, बल्कि ममता की सत्ता की नींव हिला देने वाली चाल लग रही है। हुमायूं कबीर कौन हैं, यह जानना जरूरी है। मुर्शिदाबाद जिले के भरतपुर विधानसभा क्षेत्र से 2021 में तृणमूल के टिकट पर विधायक बने कबीर पहले भी विवादों के केंद्र में रहे हैं। ममता सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके वे मूल रूप से कांग्रेसी पृष्ठभूमि के हैं। 2011 में ममता के सत्ता में आने पर वे मंत्री बने, लेकिन 2015 में पार्टी के खिलाफ बगावत कर दी। उन्होंने ममता पर आरोप लगाया कि वे अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को 'राजा' बनाने की कोशिश कर रही हैं। नतीजा यह हुआ कि उन्हें छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया गया। 2021 में वनवास खत्म हुआ और तृणमूल ने फिर मौका दिया। लेकिन अब फिर वही पुरानी कहानी। लोकसभा चुनाव के दौरान कबीर ने कहा था कि मुर्शिदाबाद में 70 फीसद मुस्लिम आबादी है, इसलिए हिंदुओं को भागीरथी नदी में डुबो देंगे। यह बयान सुर्खियां बटोर गया। अब बाबरी मस्जिद का राग छेड़कर वे ममता को सीधा चुनौती दे रहे हैं। 6 दिसंबर का दिन खास था। बाबरी विध्वंस की 32वीं बरसी पर कबीर ने बेलडांगा में शिलान्यास किया। कार्यक्रम में तीन लाख लोग जुटे, 40 हजार बिरयानी के पैकेट बंटे और सऊदी से आए धर्मगुरुओं ने आशीर्वाद दिया। मंच से कबीर ने कहा कि तीन साल में मस्जिद बनकर तैयार हो जाएगी। उन्होंने 25 नवंबर को ही ऐलान किया था कि 6 दिसंबर को नींव रखेंगे। तृणमूल ने इसे सांप्रदायिक राजनीति बताकर उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया। ममता ने कबीर को आरएसएस का मुखौटा करार दिया। पार्टी का कहना है कि निलंबन बाबरी मुद्दे के लिए नहीं, बल्कि पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए हुआ। लेकिन कबीर पीछे हटने को तैयार नहीं। उन्होंने कहा कि ममता मेरी हत्या भी करवा सकती हैं, लेकिन मस्जिद बनेगी। वे नई पार्टी बनाने और 90 मुस्लिम बहुल सीटों पर उम्मीदवार उतारने का ऐलान कर चुके हैं। यह सब ममता के लिए कितना बड़ा झटका है, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं। बंगाल में मुस्लिम आबादी करीब 30 फीसद है। 2011 की जनगणना के मुताबिक 27 फीसद थी, जो अब बढ़कर 30 के आसपास पहुंच गई। मालदा, मुर्शिदाबाद जैसे सीमावर्ती जिलों में बांग्लादेशी घुसपैठियों की भरमार है। कबीर का दावा है कि 90 सीटें ऐसी हैं जहां मुस्लिम वोट 35 फीसद से ज्यादा हैं। ममता ने हमेशा अल्पसंख्यक वोटों को सहारा बनाया। इमामों को तनख्वाह, धार्मिक जुलूसों का समर्थन सब कुछ किया। लेकिन अब कबीर की चाल से वोट बंटवारे का खतरा मंडरा रहा। भाजपा को इसका फायदा होगा, जो हिंदुत्व कार्ड खेल रही है। वीएचपी ने चेतावनी दी कि अगर बाबरी बहाने से हिंदुओं पर हमला हुआ तो कबीर और ममता जिम्मेदार होंगे। हाईकोर्ट ने भी दखल देने से इनकार कर दिया, जिससे कबीर को हौसला मिला। ममता का मुस्लिम तुष्टिकरण अब उल्टा पड़ रहा है। वक्फ संशोधन कानून पर उनका यू-टर्न इसका बड़ा उदाहरण है। अप्रैल 2025 में ममता ने कहा था कि बंगाल में वक्फ कानून लागू नहीं होने दूंगी। तृणमूल ने सड़क से संसद तक हंगामा किया। मुस्लिम समुदाय खुश था। लेकिन बाद में उन्होंने पोर्टल पर वक्फ संपत्ति का ब्योरा अपलोड करने की इजाजत दे दी। इससे मुस्लिमों में गुस्सा भड़का। उन्हें लगने लगा कि ममता भी भाजपा जैसी हो गई हैं। बिहार चुनाव में तेजस्वी यादव की तरह वादा किया, लेकिन महागठबंधन की हार देखकर रुख बदला। मुर्शिदाबाद में वक्फ विरोधी हिंसा हुई, जिसमें भाजपा ने ममता पर बांग्लादेश बनाने का आरोप लगाया। मौलाना साजिद रशीदी जैसे नेताओं ने राष्ट्रपति शासन की मांग की। दूसरा बड़ा संकट है विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची साफ करने के लिए एसआईआर शुरू किया। ममता ने इसे अमित शाह की साजिश बताया। कहा कि अगर रोकतीं तो केंद्र राष्ट्रपति शासन लगा देता। एसआईआर से 46 लाख नाम कट सकते हैं, जिनमें ज्यादातर घुसपैठिए। ममता ने विरोध में रैलियां की। मालदा में कहा कि भाजपा अपनी कब्र खोद रही है। एसआईआर से 40 मौतें हुईं, जिनमें आधे हिंदू। ममता ने मुआवजा देने की घोषणा की और निगरानी टीम बनाई। लेकिन आयोग ने उनकी बाधा को नकार दिया। सीमावर्ती जिलों में वोटरों की संख्या दोगुनी हो गई, जो भाजपा घुसपैठ का सबूत बता रही। बंगाल में एक करोड़ फर्जी वोटर होने का दावा कर रही। मुस्लिम बहुल इलाकों में एसआईआर फॉर्म भरने की होड़ लगी, लेकिन ममता का विरोध जारी है। वे घुसपैठियों को सांत्वना दे रही हैं कि डरें नहीं, वापस बुलाएंगी। 20 साल पहले लोकसभा में घुसपैठ पर बवाल काटने वाली ममता अब उलट बोल रही हैं। भाजपा इन सबका फायदा उठाने को बेताब है। 2021 में 77 विधायक जीतकर राज्य में मजबूत हुई। अब हिंदू वोट उसके पाले में हैं। वंदे मातरम विवाद से बंगाली अस्मिता जोड़ रही। मुस्लिम आउटरीच प्रोग्राम शुरू किया, ताकि बंगाली मुसलमानों को साधे। ओबीसी लिस्ट से 35 मुस्लिम जातियों को हटाने पर तृणमूल-भाजपा भिड़ गई। जाति सर्वे को भेदभाव बढ़ाने वाला बता रही। असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम भी बंगाल में दखल दे रही, जिस पर भाजपा की मदद का आरोप है। कबीर का बीजेपी से पुराना रिश्ता रहा। 2019 में वे भाजपा से लड़े। अब कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने उन्हें मानसिक रूप से बीमार और भाजपा एजेंट कहा। 2026 के विधानसभा चुनाव नजदीक हैं। ममता की स्थिति सांप-छछूंदर जैसी हो गई। न निगलते बन रहा, न उगलते। हुमायूं कबीर का खेल कामयाब हुआ तो तृणमूल का वोट बैंक बंट जाएगा। मुस्लिम वोट भाजपा को फायदा पहुंचाएंगे। बंगाल की सियासत में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण तेज हो रहा। ममता को बड़ा सबक मिल सकता है। क्या वे अपनी सेकुलर छवि बचा पाएंगी? या भाजपा सत्ता की चाबी हाथ में ले लेगी? समय ही बताएगा, लेकिन फिलहाल हुमायूं कबीर की बाबरी चाल ने सबको चौंका दिया है। बंगाल की सड़कों पर बहस छिड़ गई है क्या यह ममता का अंतिम संकट है?

अयोध्या का नया अध्यायः आस्था, स्मृति, संघर्ष और पुनर्निर्माण की गाथा

विवेक रंजन श्रीवास्तव

समय के प्रवाह में अयोध्या एक ऐसी नदी की तरह दिखने लगा है जिसकी धारा कभी आस्था से चमकती है, कभी राजनीति की धूल से मटमैली, और कभी संस्कृति के ऐतिहासिक न्याय की ओस से निर्मल। अयोध्या केवल एक भौगोलिक नाम नहीं रहा, वह हर भारतीय मन का वह कोना बन गया है जहाँ स्मृति, विश्वास और इतिहास एक दूसरे के कंधों पर हाथ रखकर चलते हैं। समय इस यात्रा को बार बार टटोलता है, कसौटी पर परखता है जैसे जानना चाहता हो कि बीते वर्षों की हलचल अब जन मानस के मन के किस हिस्से में है। उन्नीस सौ नब्बे के आसपास अयोध्या का नाम पूरे देश के मानस में एक तीव्र कंपन की तरह उभरा। कारसेवा की खबरों, नारों की आवाज़ों और उत्तेजनाओं की परतों के बीच शहर वैसे ही कांप उठा। सांस्कृतिक इतिहास की दास्तान लंबे समय तक सुलगने के बाद एकाएक जागृत हवन बन पड़ी। आडवाणी जी की यात्रा ,उसके बाद की घटनाओं ने पूरे भारत को अपने साथ एक चेतन प्रवाह में बहा लिया। बाबरी ढांचे का ढहना सिर्फ एक इमारत का गिरना नहीं था, वह अनेक पीढ़ियों की लड़ाई का मूर्त होना था । वर्षों तक दंगों की राख और अविश्वास की धूल लोगों की स्मृति में धुंध बनकर तैरती रही। न्याय और इतिहास की कसौटियां बार बार बदलती रहीं, मानो हर दर्शक अपने तरीके से उसी सवाल को पूछना चाहता हो कि कौन सा सच किसकी दृष्टि में वजन रखता है। यह प्रश्न अदालतों में सुना गया, गलियों और मोहल्लों की बातचीत में भी, और राजनीतिक घोषणाओं में भी। धीरे धीरे न्याय की लंबी सुरंग में एक किरण उभरी और दो हजार उन्नीस में आया वह फैसला जिसने भूमि के स्वामित्व का विवाद सुलझा दिया। अदालत ने इतिहास की बहस को उन सीढ़ियों पर उतार दिया जहाँ कानून की ठोस बुनियाद और आस्था की संवेदनशीलता दोनों को बराबर जगह मिली। एक पीढ़ी के जीवन का सबसे बड़ा विवाद उसी दिन अपने औपचारिक अंत तक पहुँचा, भले ही उसके प्रभाव अभी भी राजनैतिक अनकही परतों में बचे जब तब नजर आते हैं। फैसले के बाद अयोध्या ने एक नया रूप खोजना शुरू किया। मंदिर निर्माण की भव्य गति में शहर एक परियोजना और भारतीयता का प्रतीक बन गया। ईंटों पर ईंटो का चढ़ना, शिल्पियों की हथौड़ी की ताल, चौतरफा पुनर्रचना, सड़कें, रोशनियाँ, मेले, संतों का आवागमन, श्रद्धालुओं का सैलाब, स्थानीय बाज़ारों का नवजीवन , सरयू तट पर दीपावली यह सब मिलकर अयोध्या को एक नए वर्तमान में ढालने लगे। यह आस्था का उत्सव भी था और आधुनिकता का उभरता चेहरा भी। शहर अब केवल इतिहास की स्मृति नहीं रहा, वह पर्यटन, अर्थव्यवस्था और संस्कृति का उभरता केंद्र बनने लगा। आज अयोध्या में जहाँ विकास की चकाचौंध है, वहाँ स्मृतियों की परछाइयाँ भी हैं। पुराने दिनों की खरोंचें बराबर पूछती हैं कि क्या नया वैभव उन संवेदनशीलताओं को पूरी तरह भर पाएगा जो विवाद के दशकों में हर कदम पर चुभती रहीं। क्या लोग अब इस प्रसंग को केवल आस्था के चश्मे से देखेंगे या इसमें छिपी सीख को भी याद रखेंगे। क्या यह सफर हमें संवैधानिक व्यवस्था के बहु रंग में एक साथ रहने की कला सिखाएगा? अयोध्या आज एक धार्मिक प्रतीक से आगे बढ़कर एक राष्ट्रीय चेतना बन चुका है। सरयू का प्रवाह आज़माता है कि भारत कितना संवेदनशील रह सकता है, कितना समावेशी बन सकता है, कितनी परिपक्वता से अपनी विविधताओं को संभाल सकता है। सरयू आज भी बह रही है, पर किनारों पर खड़े हम सब उस प्रवाह को अपने अपने अर्थ देते रहते हैं। किसी के लिए वह आस्था का देवालय है, किसी के लिए न्याय की जीत, किसी के लिए इतिहास की दुविधा, और किसी के लिए एक ऐसा मोड़ जहाँ से देश ने अपना राजनैतिक रास्ता बदल लिया। उन्नीस सौ नब्बे से दो हजार पच्चीस तक का अयोध्या का सफर यही सिखाता है कि इतिहास कभी केवल बीत नहीं जाता, वह मन के भीतर बैठकर वर्तमान को आकार देता रहता है। आस्था और कानून, स्मृति और परिवर्तन, संघर्ष और पुनर्निर्माण , ये सभी धागे मिलकर अयोध्या की वह गाथा बुनते हैं जो आज भी लिखी जा रही है। यह सफर अभी पूरा नहीं हुआ, बस एक नया अध्याय खुला है जिसमें भविष्य यह देखेगा कि हम इतिहास को कितना समझ सके और उससे कितनी परिपक्वता के साथ आगे बढ़ पाए।

उन्नीस सौ नब्बे के आसपास अयोध्या का नाम पूरे देश के मानस में एक तीव्र कंपन की तरह उभरा। कारसेवा की खबरों, नारों की आवाज़ों और उत्तेजनाओं की परतों के बीच शहर वैसे ही कांप उठा। सांस्कृतिक इतिहास की दास्तान लंबे समय तक सुलगने के बाद एकाएक जागृत हवन बन पड़ी। आडवाणी जी की यात्रा ,उसके बाद की घटनाओं ने पूरे भारत को अपने साथ एक चेतन प्रवाह में बहा लिया। बाबरी ढांचे का ढहना सिर्फ एक इमारत का गिरना नहीं था, वह अनेक पीढ़ियों की लड़ाई का मूर्त होना था । वर्षों तक दंगों की राख और अविश्वास की धूल लोगों की स्मृति में धुंध बनकर तैरती रही। न्याय और इतिहास की कसौटियां बार बार बदलती रहीं, मानो हर दर्शक अपने तरीके से उसी सवाल को पूछना चाहता हो कि कौन सा सच किसकी दृष्टि में वजन रखता है। यह प्रश्न अदालतों में सुना गया, गलियों और मोहल्लों की बातचीत में भी, और राजनीतिक घोषणाओं में भी। धीरे धीरे न्याय की लंबी सुरंग में एक किरण उभरी और दो हजार उन्नीस में आया वह फैसला जिसने भूमि के स्वामित्व का विवाद सुलझा दिया। अदालत ने इतिहास की बहस को उन सीढ़ियों पर उतार दिया जहाँ कानून की ठोस बुनियाद और आस्था की संवेदनशीलता दोनों को बराबर जगह मिली।

कैंपस प्लेसमेंट में धांधलीः नैतिकता और छात्र हितों का हनन

ललित गर्ग

आइआइटी, एनआइटी और शीर्ष विश्वविद्यालयों में प्रवेश पाना किसी विद्यार्थी की दीर्घकालिक मेहनत और प्रतिभा की पहचान है। प्लेसमेंट और ऑफर लेटर केवल नौकरी नहीं, बल्कि परिवार के लिए भविष्य की सुरक्षा, सामाजिक प्रतिष्ठा और आत्मविश्वास का प्रतीक होते हैं। ऐसे में जब कंपनियां अचानक अपना वादा तोड़ देती हैं, तो विद्यार्थी केवल पेशेवर नुकसान नहीं झेलते, बल्कि मानसिक तनाव, अविश्वास और सामाजिक दबाव से भी गुजरते हैं। यह उनके मनोबल को कमजोर करता है और उनकी योग्यता के सम्मान को ठेस पहुंचाता है।

देश के प्रमुख प्रौद्योगिकी संस्थानों-विशेषतः आइआइटीज द्वारा 20 से अधिक कंपनियों को कैंपस प्लेसमेंट प्रक्रिया से बाहर करना केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था में नैतिकता, पारदर्शिता और छात्र-हित संरक्षण को मजबूती प्रदान करने वाला साहसिक कदम है। इन कंपनियों ने छात्रों को ऑफर लेटर दिए, उनके परिवारों के भीतर आशा की किरण जगाई और अंतिम समय में बिना स्पष्ट कारण उन्हें रद्द कर दिया। यह केवल एक अनुबंध उल्लंघन नहीं, बल्कि छात्र के भविष्य, उसके मानसिक संसार और उसके सामाजिक विश्वास पर सीधा प्रहार है। आइआइटी, एनआइटी और शीर्ष विश्वविद्यालयों में प्रवेश पाना किसी विद्यार्थी की दीर्घकालिक मेहनत और प्रतिभा की पहचान है। प्लेसमेंट और ऑफर लेटर केवल नौकरी नहीं, बल्कि परिवार के लिए भविष्य की सुरक्षा, सामाजिक प्रतिष्ठा और आत्मविश्वास का प्रतीक होते हैं। ऐसे में जब कंपनियां अचानक अपना वादा तोड़ देती हैं, तो विद्यार्थी केवल पेशेवर नुकसान नहीं झेलते, बल्कि मानसिक तनाव, अविश्वास और सामाजिक दबाव से भी गुजरते हैं। यह उनके मनोबल को कमजोर करता है और उनकी योग्यता के सम्मान को ठेस पहुंचाता है। इस तरह की स्थितियां बनना न केवल भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था पर एक चिन्ताजनक दाग है, बल्कि सरकार एवं कम्पनियों पर छात्रों के जीवन से खिलवाड़ करने का शर्मनाक द्योतक है। निस्संदेह वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितता, मंदी, छंटनी और बाजार उतार-चढ़ाव से जूझ रही है। लेकिन इन चुनौतियों का भार छात्रों के कंधों पर डालना किसी मानवीय, पेशेवर या नैतिक दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। विश्वविद्यालय किसी प्रयोगशाला की तरह नहीं हैं जहां विद्यार्थियों को जोखिमपूर्ण स्थति में डालकर कंपनियां प्रयोग चलाती रहें। आइआइटीज का यह निर्णय स्पष्ट संदेश देता है कि छात्रों के भविष्य और सम्मान से खिलवाड़ सहन नहीं किया जाएगा तथा संस्थान उनके साथ खड़ा रहेगा। यह कदम उच्च शिक्षा की गरिमा और राष्ट्रीय प्रतिभा के सम्मान की पुनर्स्थापना है। यह अन्य विश्वविद्यालयों के लिए भी मार्गदर्शक हो सकता है, क्योंकि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं बल्कि सुरक्षित और विश्वसनीय भविष्य प्रदान करना है। देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेना ही छात्रों के लिये एक बड़ी चुनौती होती है, छात्र इन संस्थानों के भारीभरकम आर्थिक बजट को किसी तरह पूरा करते हैं, इसके बाद भी उनको नौकरी नहीं मिलती है तो यह उनके जीवन को अंधकारमय बना देने जैसा है। देश के अधिकांश शिक्षण संस्थानों में प्लेसमेंट व्यवस्था उतनी सुदृढ़ और पारदर्शी नहीं है, जितनी आइआइटीज में। हजारों छात्र नौकरी व अवसर की आशा में बैठते हैं और कुछ कंपनियां इस स्थिति का दुरुपयोग कर ऑफर रद्द करने की प्रवृत्ति अपनाती हैं। अब आवश्यक है कि अन्य विश्वविद्यालय भी कड़ी और अनुशासित प्लेसमेंट नीति अपनाएं, कंपनियों के व्यवहार का रिकॉर्ड रखें और बार-बार गलती करने वालों को ब्लैकलिस्ट करें। यदि शीर्ष विश्वविद्यालय सामूहिक रूप से यह कदम उठाएं, तो कॉर्पोरेट जगत पर नैतिक अनुशासन का दबाव स्वतः निर्मित होगा। यह विषय अब केवल विश्वविद्यालय का मसला नहीं बल्कि राष्ट्रीय चिंता बन चुका है। छात्रों की बेरोजगारी, अवसरों की अनिश्चितता और कंपनियों की बेहिसाब मनमानी देश की प्रतिभा को क्षति पहुंचा रही है। इसलिए सरकार और नियामक संस्थाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। सरकार को चाहिए कि प्लेसमेंट अनुबंध और कंपनियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने वाले स्पष्ट दिशानिर्देश बनाए, कंपनियों के व्यवहार का राष्ट्रीय डाटा रिकॉर्ड विकसित करे, गलती करने वाली कंपनियों को सरकारी परियोजनाओं और प्रोत्साहनों से वंचित करे तथा आवश्यकता पड़ने पर कानूनी कार्रवाई भी सुनिश्चित करे। छात्रों के संरक्षण हेतु बैकअप प्लेसमेंट समर्थन, आर्थिक सहायता और अनुबंधिक सुरक्षा उपाय जैसी व्यवस्थाएं भी विकसित की जानी चाहिए, ताकि किसी छात्र का भविष्य कंपनी की मनमानी से प्रभावित न हो। आइआइटी जैसे संस्थानों में प्रवेश पाना ही किसी भी छात्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि होती है। आइआइटी की प्लेसमेंट व्यवस्था पहले से ही काफी अनुशासित और नियमबद्ध है। कंपनियों को भाग लेने से पहले कई शर्तों का पालन करना होता है। इसके बावजूद यदि कोई कंपनी अपने वादे से मुकरती है, तो उसे जवाबदेह ठहराया जाना आवश्यक है। क्योंकि छात्रों को जब ऐसे किसी प्रतिष्ठित कंपनी से ऑफर लेटर मिलता है, तो वह न केवल उनके कॅरियर, बल्कि पूरे परिवार के भविष्य की उम्मीद बन जाता है। यदि वही कंपनी अंतिम समय में बिना ठोस वजह के ऑफर रद्द कर दे, तो यह केवल पेशेवर अनुशासन की कमी नहीं, बल्कि छात्रों के साथ किया गया खुला विश्वासघात है। आज का कॉर्पोरेट जगत तेजी से बदल रहा है, उसके मूल्य और मानक बिखर रहे हैं, भारत जब दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, तब ऐसी त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों का बनना चिन्ताजनक है। इससे भारत के उच्च शैक्षणिक संस्थानों की साख एवं प्रतिष्ठा भी दांव पर लगती है, इन्हीं स्थितियों के कारण छात्र विदेशों में उच्च शिक्षा के लिये अग्रसर होते हैं। भारत ज्ञान और युवा शक्ति का देश है। उसके शीर्ष संस्थानों की वैश्विक प्रतिष्ठा तभी कायम रह सकती है जब प्लेसमेंट प्रक्रिया भरोसेमंद, सम्मानजनक और नैतिक होगी। कंपनियों को भी समझना होगा कि युवाओं के साथ अनुचित व्यवहार उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाता है और समाज के साथ उनके संबंध कमजोर करता है। आइआइटी का यह निर्णय उन कंपनियों के लिए चेतावनी तो है ही, लेकिन शिक्षा जगत और नीति निर्माताओं के लिए अवसर भी है-एक ऐसी प्रणाली विकसित करने का अवसर जहां छात्र का सम्मान एवं जीवन-सुरक्षा सर्वोपरि हो। यदि संस्थान, सरकार और समाज मिलकर स्पष्ट, कठोर और नैतिक ढांचा बनाएं तो निश्चित ही युवा प्रतिभा सुरक्षित होगी और भारत की विश्वसनीयता भी सुदृढ़ होगी। छात्र केवल डिग्री प्राप्त करने वाले नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की नींव हैं। उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। इसलिए आइआइटी का यह निर्णय स्वागतयोग्य है, बल्कि इसे बदलाव की दिशा में एक निर्णायक पहल के रूप में देखा जाना चाहिए। यदि अन्य विश्वविद्यालय, सरकार और समाज भी इसी दिशा में आगे बढ़ें, तो निश्चित ही देश की प्रतिभा को वह सम्मान, सुरक्षा और अवसर मिलेगा जिसकी वह अधिकारी है। उच्च शिक्षा संस्थानों में प्लेसमेंट के नाम पर कंपनियों द्वारा छात्रों के साथ की जाने वाली धांधली, छल-प्रपंच और वायदाखिलाफी आज एक गम्भीर चिंता का विषय है। अनेक बार छात्रों को आकर्षक वेतन, उज्ज्वल भविष्य और स्थायी नौकरी के सपने दिखाए जाते हैं, किंतु चयन प्रक्रिया के बाद उन्हें कम वेतन, अस्थायी अनुबंध, असंगत कार्यक्षेत्र या नियुक्ति टालने जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है। यह विश्वासघात केवल छात्र का नहीं, बल्कि संस्थान और शिक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता का नुकसान है। अतः भारत सरकार को एक स्पष्ट, कठोर और पारदर्शी नीति बनानी चाहिए, जिसमें प्लेसमेंट देने वाली कंपनियों की जवाबदेही सुनिश्चित हो, अनुबंधित शर्तों का पालन अनिवार्य हो तथा उल्लंघन पर दंडात्मक प्रावधान हों। इससे छात्रों का भविष्य सुरक्षित होगा, शिक्षा-प्रणाली की गरिमा बचेगी और उद्योग जगत में विश्वसनीयता एवं नैतिकता की संस्कृति विकसित होगी। इस दृष्टि से आइआइटी प्रशासन का ताजा निर्णय कि ऐसी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया जाए, एक सख्त संदेश देता है कि छात्रों का सम्मान, कैरियर और भविष्य सर्वोपरि है। आज आवश्यकता इस बात की है कि दुनियाभर में अपनी पहचान रखने वाले आइआइटी और एनआइटी जैसे संस्थान इस तरह की नीति अपनाएं। इससे कंपनियों पर नैतिक और व्यावसायिक अनुशासन बनाए रखने का दबाव बनेगा। साथ ही छात्रों का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा कि अन्याय होने पर संस्थान उनके साथ खड़ा होगा। इसके अलावा सरकार और उच्च शिक्षा नियामक संस्थाओं को भी इस दिशा में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने चाहिए। एक ऐसी केंद्रीय व्यवस्था विकसित की जा सकती है, जिसमें ऑफर लेटर रद्द करने जैसी घटनाओं का रिकॉर्ड रखा जाए और बार-बार ऐसा करने वाली कंपनियों को ब्लैकलिस्ट किया जाए। यह कदम न केवल छात्रों की रक्षा करेगा, बल्कि प्लेसमेंट प्रक्रिया में पारदर्शिता और विश्वसनीयता भी सुनिश्चित करेगा।

विश्व मृदा दिवस पर हुई स्वस्थ्य मिट्टी, स्वस्थ शहर की चर्चा

- मृदा स्वास्थ्य और संरक्षण पर विशेषज्ञों ने रखे विचार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। बाँदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग द्वारा विश्व मृदा दिवस जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ज्ञात हो कि संयुक्त राष्ट्र संघ के खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा साल 2014 में 5 दिसम्बर को विश्व मृदा दिवस के रूप में मनाये जाने की घोषणा की गयी थी। विश्व मृदा दिवस का उद्देश्य किसानों, छात्रों तथा आम जनमानस में मृदा संरक्षण एवं मृदा स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता बढ़ाना है। इस वर्ष का कार्यक्रम 'स्वस्थ्य मिट्टी, स्वस्थ शहर' थीम पर केन्द्रित था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा0 एस. के. सिंह ने कहा कि विभिन्न उद्योगों से निकलने वाला रसायनिक अपशष्टि और पैकिंग करने की सामग्री मृदा स्वास्थ्य को सर्वाधिक नुकसान पहुँचा रहे हैं। साथ ही उन्होने कहा कि फसलों में भी रसायनिक उर्वरकों व अन्य रसायनों का उपयोग में भी संतुलन होना चाहिये। उन्होंने मृदा स्वास्थ्य संकट को रेखांकित करते हुए कहा यदि मृदा का स्वास्थ्य में इसी तरह गिरावट होती रही तो आने वाले समय में स्वस्थ खाद्य सामग्री का वैश्विक संकट पैदा हो सकता है।

डा0 जी. एस. पंवार, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय ने बताया कि मृदा जीवन का मूल आधार है। इसलिए मृदा की उर्वरता और जैव विविधता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने किसानों से मृदा संरक्षण प्रणालियों को अपनाने का आग्रह किया। डा. नरेन्द्र सिंह, निदेशक प्रसासन एवं अनुश्रवण ने कहा कि मानव विकास एवं सभ्यताओं के विकास में मृदा स्वास्थ्य की भूमिका अतुलनीय है।

वनों से मिट्टी ढ़के रहने पर अपरदन कम होता है तथा मिट्टी की उर्वरता संरक्षित रहती है। विश्व मृदा दिवस के अवसर पर मृदा विभाग के विभागाध्यक्ष डा0 जगन्नाथ पाठक ने कहा कि जिस प्रकार हमें जन्म देने वाली माँ है वैसे हम सबका पालन-पोषण करने वाली धरती माँ है। स्वस्थ धरती माँ के बगैर मनुष्य के स्वास्थ्य की कल्पना नहीं की जा सकती है। विश्व मृदा दिवस के अवसर पर छात्रों के बीच प्रश्नोत्तरी (फनप्र) एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में नेहा कुमारी ने प्रथम और आशिक इकबाल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जबकि आरुषी चन्देल व अनुराग राजपूत को संयुक्त रूप से तृतीय पुरस्कार दिया गया। निर्णायक मण्डल में डा0 पुष्पा, डा0 अनिकेत काल्हापुरे एवं डा0 उमेश चन्द्रा रहे। इस अवसर पर डा. देव कुमार कार्यक्रम के आयोजन सचिव रहे। डा0 ऐ.के. चौबे के धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही कार्यक्रम का समापन किया गया। विश्व मृदा दिवस के अवसर पर कृषि निदेशालय, लखनऊ द्वारा आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में विश्वविद्यालय स्तर से छात्र कृष्णानन्द यादव, देवेन्द्र सिंह, अर्पित यादव, आशुतोष व संगम तिवारी ने संवाद प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। प्रदेश की राजधानी में आयोजित इस प्रतियोगिता में मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग के शोध छात्र कृष्णानन्द यादव ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही द्वारा प्रमाण पत्र प्राप्त किया। प्रतियोगिता में विभिन्न राज्य विश्वविद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया था।

राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद बैठक संपन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- संगठन के पदाधिकारियों व सदस्यों को दी गई आवश्यक जानकारियां

बांदा। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद रजि. के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मिश्रा के निर्देशानुसार एवं जिलाध्यक्ष मदन गुप्ता, युवा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष नीरज निगम, महिला विंग जिलाध्यक्ष श्रीमती रूपा गोयल तत्वाधान में रविवार रामबाग चौराहा दीनदयाल नगर बांदा में एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला संरक्षक राजकुमार राज, युवा प्रकोष्ठ जिला संरक्षक अमित सेठ भोलू एवं महिला विंग जिला संरक्षक श्रीमति विनोद जैन की मुख्य रूप से उपस्थित रही। इस मौके पर आगामी जनवरी माह में लखनऊ में होने वाले राष्ट्रीय महाधिवेशन, आई कार्ड नवीनीकरण, पदाधिकारियों की जिम्मेदारी, परिषद को और मजबूत बनाए जाने सहित तमाम बिंदुओं को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को बताया गया कि आगामी नव वर्ष जनवरी 2026 में परिषद का राष्ट्रीय महाधिवेशन होना है जिसके लिए सभी लोग तन, मन, धन से तैयारी कर ले एवं इस अधिवेशन में बांदा टीम की एक अहम भूमिका रहेगी एवं तमाम व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से करके अधिवेशन को सफल बनाना है। इस दौरान यह भी बताया गया कि सभी पदाधिकारी एवं सदस्य लोग अधिवेशन के पहले ही अपना आई कार्ड निविनीकरण करा ले जिससे अधिवेशन में प्रवेश पाने हेतु सभी का पास जारी किया जा सके। इस मौके पर यह भी बताया गया कि सभी साथी पदाधिकारी एवं सदस्य लोग किसी भी प्रकार से किसी असंवैधानिक कार्यों में सहभागिता न रखे और राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद रजि0 के आई कार्ड बन जाने से आप पत्रकार नहीं बनते है, आपका बैनर ही आपको पत्रकार की पहचान प्रदान करता है। बताया गया कि सभी लोगों को एक साथ मिलकर बिना किसी आपसी मतभेद के साथ चलना है और परिषद को और भी ज्यादा बेहतर तथा मजबूत बनाने का कार्य करना है, जिलाध्यक्षों ने कहा कि अगर किसी प्रकार की कोई समस्या किसी भी व्यक्ति को होती है तो वे बैठक में अपनी समस्या प्रस्तुत कर सकते है। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद हमेशा सभी के साथ तत्परता के साथ खड़ा है और पत्रकारिता में हो रहे हनन के खिलाफ आवाज उठाने एवं पूर्ण सहयोग के लिए परिषद आपके साथ खड़ा रहेगा किन्तु किसी भी प्रकार से परिषद की छवि धूमिल न की जाए और एक ईमानदार पत्रकार की भांति सबके साथ मिलकर कार्य करें। जिलाध्यक्षों ने बांदा इकाई के समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों को निर्देशित किया कि प्रत्येक तहसील क्षेत्रों में भी टीम को बढ़ाया जाए और ज्यादा से ज्यादा संख्या में पत्रकार साथियों को परिषद में जोड़ने का कार्य करें। साथ ही यह भी अवगत कराया गया कि प्रत्येक महीने में एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया जाएगा जिसमें ज्यादा से ज्यादा लोग उपस्थित हों जिससे परिषद को और ज्यादा बेहतर बनाने हेतु विचार विमर्श किया जा सके साथ ही पत्रकारिता में भी सभी को बेहतर कार्य करना है क्योंकि एक पत्रकार समाज का आईना होता है और जन-जन की आवाज बनकर समाज हित के लिए कार्य करता है। इसलिए हम सबको मिलकर कार्य करना है और परिषद को भी मजबूत बनाने का कार्य करना है।

आईपीएस राघवेंद्र वत्स को मिला गुजरात सरकार का डीजीपी सम्मान

- गुजरात के सूरत में है पुलिस कमिश्नर, प्रतापगढ़ के मारुआन गांव के रहने वाले है राघवेंद्र वत्स
- सीबीआई में यूपी के साथ दिल्ली में रह चुकी है तैनाती

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रतापगढ़। रानीगंज तहसील के दिलीप पुर थाना अंतर्गत मारुआन गांव के राघवेंद्र वत्स को गुजरात सरकार ने प्रदेश के डीजीपी सम्मान 2025 से नवाजा है। राघवेंद्र वत्स को मिले इस सम्मान से जिले में खुशी की लहर है। राघवेंद्र वत्स के पिता श्याम सिंह ने यह जानकारी दी है। राघवेंद्र वत्स गुजरात कैडर के आईपीएस अधिकारी है। जो गुजरात के विभिन्न जनपदों में महत्वपूर्ण पद पर तैनात रहे। राघवेंद्र आईपीएस राघवेंद्र वत्स यूपी में वर्ष 2016 से 2020 पूर्व में सीबीआई में तैनात रह चुके है। वह गाजियाबाद और लखनऊ रीजन के हेड र चुके है । इसके बाद दिल्ली सीबीआई के एंटीकरप्शन ब्रांच के हेड पद पर भी कार्य किया है। वर्तमान में पुलिस महानिरीक्षक के पद पर सुशोभित राघवेंद्र वत्स गुजरात के सूरत में संयुक्त पुलिस कमिश्नर के पद पर तैनात है। राघवेंद्र के डीजीपी सम्मान मिलने पर पूर्व मंत्री मोती सिंह, पूर्व मंत्री शिवाकांत ओझा,पूर्व विधायक धीरज ओझा, भजपा जिला अध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, गिरधारी सिंह,रवि प्रताप सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष के के सिंह, बहुचरा इंटर कालेज के प्रवक्ता जगजीत सिंह, मुन्ना सिंह , अंजनी सिंह, अमितेन्द्र श्रीवास्तव, डीजीसी राजस्व राघवेंद्र सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं संघ के विभाग कार्यवाह हरीश जी, धर्मेंद्र सिंह आदि ने खुशी जाहिर किया है।

काँग्रेस प्रतिनिधि मँडल ने पीडित परिवार से मिल दी सान्त्वना

बांदा। जिले के ग्राम पवा में बी एल ओ द्वारा आत्महत्या करने पर उत्तर प्रदेश कंग्रेस अध्यक्ष अजय राय पूर्व मंत्री पीड़ित परिवार से मिले व परिजनो को सांत्वना दी तथा कहा कि ष्निर्वाचन आयोग द्वारा एस आई आर(ैप्) की समय सीमा केवल 11 दिसम्बर 2025 तक होने से मृतक शंकर लाल राजपूतदृ बी एल ओ पर अतिरिक्त काम के दबाव के चलते आत्महत्या करने पर मजबूर होना पड़ा है, तथा सरकार व चुनाव आयोग को परिवार को एक करोड़ की आर्थिक सहायता एवम् परिवार के एक सदस्य को नौकरी देना चाहिए व इस दुख की घड़ी में कंग्रेस पार्टी पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है, अभी तक उत्तर प्रदेश में 13 मृतक बी एल ओ के परिवारों से मिलकर आया हूं।कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश कंग्रेस अध्यक्ष अजय राय पूर्व मंत्री के साथ महोबा कंग्रेस जिलाध्यक्ष सन्तोष धुरिया, बांदा कंग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित, पीसीसी मुमताज अली, बांदा जिला उपाध्यक्ष / संगठन प्रभारी संकटा प्रसाद त्रिपाठी, बांदा कंग्रेस सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष सन्तोष कुमार द्विवेदी, बांदा युवा कंग्रेस विधानसभा अध्यक्ष ईशु फैज खान उपस्थित रहे।

टेट अनिवार्यता और सेवा शर्तों में छेड़छाड़ के विरोध में शिक्षकों ने सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बबेरू/बांदा। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा टेट अनिवार्यता और सेवा शर्तों में छेड़छाड़ के खिलाफ सैकड़ों की संख्या में शिक्षकों ने ज्ञापन सौंपा है। जेपी शर्मा इंटर कालेज मे इकट्ठा होकर पैदल मार्च करते जिलाध्यक्ष आशुतोष त्रिपाठी तथा जिलाध्यक्ष चित्रकूट अखिलेश पांडेय के नेतृत्व में बांदा चित्रकूट सांसद कृष्णा शिवशंकर पटेल के आवास मे पहुंच कर ज्ञापन सौंपा गया और उनसे इस गंभीर तथा जीवन मरण के मामले को लोकसभा में रखने का अनुरोध करते हुए उत्तर प्रदेश में 29 जुलाई 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को सेवारत रहने एवं पदोन्नति हेतु टी ई टी की अनिवार्यता से मुक्त करने हेतु शिक्षकों का पक्ष संसद में रखने का अनुरोध किया गया।

सांसद को बताया गया कि भारत का राज पत्र संख्या 39 दिनांक 27 अगस्त 2009 के द्वारा निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 प्रभावी किया गया।इस अधिनियम की धारा 23 के अंतर्गत अधिनियम के प्रभाव में आने की तिथि तथा उसके पश्चात नियुक्त शिक्षकों की भर्ती हेतु न्यूनतम अहर्ताएं निर्धारित की गई ।जिनको पूर्ण करते हुए शिक्षक का पद ग्रहण किया गया है।माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा सिविल अपील संख्या 1385/2025 में दिनांक 01 सितंबर 2025 में दिए गए निर्णय के अनुसार निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 के लागू होने की तिथि 27 जुलाई 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को सेवा में बने रहने अथवा पदोन्नति हेतु न्यूनतम शैक्षिक योग्यता टेट दो वर्ष में उत्तीर्ण करना अनिवार्य कर दिया गया तथा ऐसा न होने पर अनिवार्य सेवा निवृत्ति दे दी जाएगी जो कि न्यायोचित नहीं है।ज्ञापन में माननीय प्रधानमंत्री से अनुरोध किया गया कि भारत सरकार के अधीन 25 अगस्त 2010 के पूर्व और उत्तर प्रदेश सरकार के अधीन 27 जुलाई 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को सेवारत रहने अथवा पदोन्नति हेतु टी ई टी की अनिवार्यता से मुक्त रखा जाए।

शराबी दूल्हे से आहत दुल्हन ने शादी से किया इनकार

बांदा। पैलानी तहसील अंतर्गत गौरी कला में 4 दिसंबर को संजू वर्मा पुत्री रामबाबू वर्मा पच्चीस वर्ष निवासी मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के छिंन्दा गांव थाना शिवपुरी की रहने वाली है हाल ही में वह 21 नवंबर को अपने मौसी गौरी कला निवासी चुन्नी देवी के यहां 25 वर्षीय संजू वर्मा अपनी मां शांति के साथ शादी के लिए आई थी । जीतू निवासी गौरी कला अपनी मौसी शांति देवी के यहां अपनी लड़की की शादी करने गौरी कला से 4 दिसंबर को तय थी। बारात जनपद फतेहपुर जनपद के चांदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत आजमपुर गड़वा निवासी मोती लाल के बेटे श्यामू से शादी तय थी। बारात गाजे बाजे के साथ गौरी कला में पहुंची बारातियों का स्वागत सत्कार किया गया बारात में द्वारचार के बाद दूल्हा और दुल्हन जयमाला स्टेज पर पहुंचे तो वही दुल्हा श्यामू को शराब के नशे में देखकर व उसकी हरकत को देखकर वरमाला पहनाने से इंकार कर दिया वहीं इनकार करने के बाद मौजूद जनाती और बारातियों में हड़कंप मच गया काफी मान मनौव्वल करने के बावजूद भी संजू उर्फ संजोकता वर्मा ने शराबी दूल्हे से शादी करने से इनकार कर दिया ।

मां बेटे की संदिग्ध हालत में मौत, क्षेत्र में सनसनी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। कौशांबी जिले के कड़ा धाम थाना क्षेत्र के बारा हवेली खालसा गांव में रविवार दोपहर करीब 1 बजे मां-बेटे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। दोनों के शव घर के भीतर अलग-अलग चारपाइयों पर पड़े मिले।

घटना से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया तथा परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मृतकों की पहचान मकरध्वज उम्र 47 वर्ष तथा उनकी मां के रूप में हुई है। मकरध्वज ठेकेदारी का काम करते थे। घटना के समय उनकी पत्नी मीता देवी बेटा नंदू को अपने साथ लेकर अपने मायके गयी हुई थी जिसके कारण मकरध्वज अपनी मां के साथ घर पर अकेले थे। रविवार सुबह जब काफी देर तक दोनों बाहर नहीं निकले तो पड़ोसियों को शंका हुई। इसी दौरान मकरध्वज की पत्नी ने भी कई बार फोन किया की थी लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई। संदेह गहराने पर सूचना पुलिस को दी गयी। सूचना मिलते ही डीएसपी सिराथू सत्येंद्र तिवारी व कड़ा धाम थाना प्रभारी त्रिलोकी नाथ पांडे पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने सीढ़ी के सहारे दीवार पार कर घर के अंदर प्रवेश किया। अंदर मां-बेटे के शव अलग अलग चारपाइयों पर पड़े मिले जहां दोनों के मुंह से झाग निकल रहा था। मकान का मुख्य दरवाजा अंदर से बंद पाया गया। फिलहाल मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस द्वारा लिखापढ़ी कर दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का वास्तविक कारण पता चल सकेगा।घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

25 दिसंबर को निकलेगी विशाल तुलसी पूजन यात्रा, तैयारियाँ शुरू

हिन्दू समाज से जागरूकता बढ़ाने की अपील

- नर सेवा नारायण सेवा समिति की बैठक में जिम्मेदारियाँ बाँटीं; संस्थापक विमल द्विवेदी ने ईसाई मिशनरियों को लेकर सावधानी बरतने की अपील की

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। नर सेवा नारायण सेवा समिति द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 25 दिसंबर को आयोजित की जाने वाली विशाल तुलसी पूजन यात्रा की तैयारियाँ युद्धस्तर पर शुरू कर दी गई हैं। रविवार को संगठन कार्यालय पर समिति की बैठक आहूत की गई, जिसमें पदाधिकारियों को यात्रा संबंधी दायित्व सौंपे गए और व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने पर जोर दिया गया। बैठक में संस्था के संस्थापक विमल द्विवेदी ने कार्यकर्ताओं को अपने-अपने क्षेत्रों में प्रतिदिन जनसंपर्क बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि समाज में जागरूकता आवश्यक है। उ

न्होंने आरोप लगाया कि कुछ ईसाई मिशनरियाँ लालच और चमत्कारी उपचार के नाम पर लोगों को भ्रमित करती हैं, इसलिए सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यात्रा में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित कर इसे भव्य और दिव्य रूप दिया जाए। यात्रा को सफल बनाने के लिए समिति के पदाधिकारियों को प्रचार सामग्री के साथ बस्तियों व मोहल्लों में पहुँचकर लोगों को प्रेरित करने का आह्वान किया गया। बैठक में उपस्थित लोगों में महासचिव विनय द्विवेदी, हिन्दू जागरण मंच के जिला संयोजक अजय त्रिवेदी, ए.के. दीक्षित, विनय शंकर दीक्षित, निशांत शुक्ला, योगेंद्र तिवारी, राकेश राजपूत, विकास तिवारी, चंद्रमौली मिश्रा, दीप चंद्र, कुलदीप वर्मा, परिमल मिश्रा, केतन अवस्थी, सुजीत सिंह, अजय द्विवेदी, मनीष मिश्रा, अभिषेक तिवारी, राजू शर्मा, अखिल मिश्रा, आदर्श पांडे, धर्मेंद्र शुक्ला, संदीप सिंह, शेखर अवस्थी, आनंद मिश्रा, अमूल्य बाजपेई, शिव सेवक त्रिपाठी, सुदीप सिंह, अंकुर त्रिपाठी, मनोज शुक्ला, सर्वेश शुक्ला आदि शामिल रहे।

विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल उन्नाव की शौर्य यात्रा संपन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल उन्नाव द्वारा रविवार को जिले में भव्य शौर्य यात्रा निकाली गई। हिंदुत्व की धर्म ध्वजा को ऊँचा रखने और वीर बलिदानियों के स्मरण में प्रतिवर्ष 6 दिसंबर को मनाए जाने वाले शौर्य दिवस के अवसर पर यह यात्रा उत्साह और जोश के साथ निकाली गई। कार्यक्रम का प्रारंभ सुबह 11:30 बजे लखनऊ बाईपास से हुआ, जो नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए बड़े चौराहे पर संपन्न हुआ। भव्य शोभायात्रा में शामिल रहे सैकड़ों कार्यकर्ता यात्रा में भगवा ध्वज, शस्त्र, बैंड-बाजा एवं डीजे के साथ सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। शोभायात्रा का संचालन विश्व हिंदू परिषद के जिलामंत्री सुनील गुप्ता एवं बजरंग दल के जिला संयोजक नितिन शुक्ला द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में अवध प्रांत के सहमंत्री अविनाश ने शौर्य यात्रा को मार्गदर्शन प्रदान किया। विभिन्न पदाधिकारी रहे उपस्थित शौर्य यात्रा में विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष संजय शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रभात शुक्ला, जिला कार्याध्यक्ष रघुवंश मणि, जिला सहमंत्री गिरीश चंद्र मिश्रा, प्रदीप पांडे, अतुल सैनी सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी शामिल रहे। वहीं बजरंग दल की ओर से जिला सहसंयोजक आशीष जोशी, वैभव श्रीवास्तव, आकाश गुप्ता, पुनीत, विकास प्रजापति, संदीप सविता समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने प्रतिभाग किया। शौर्य यात्रा के दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं ने हिंदू एकता एवं धर्म रक्षा का संकल्प दोहराते हुए वीर बलिदानियों को नमन किया।

एसपी ने होटल सुरक्षा का किया औचक निरीक्षण

- माया इन समेत कई होटलों में फायर फाइटिंग सिस्टम और सुरक्षा उपकरणों का जायजा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। जिले में होटल संचालकों की लापरवाही रोकने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए पुलिस प्रशासन ने रविवार शाम अचानक एक्शन मोड अपनाया। एसपी जयप्रकाश सिंह ने शहर के प्रमुख होटलों में औचक निरीक्षण कर सुरक्षा मानकों की बारीकी से जांच की। एसपी के साथ एएसपी अखिलेश सिंह और मुख्य अग्निशमन अधिकारी (एक्व्र) अनूप सिंह भी मौजूद रहे। निरीक्षण की शुरुआत माया इन होटल से की गई, जहां सुरक्षा व्यवस्थाओं, आग बुझाने के उपकरण और फायर फाइटिंग सिस्टम का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने होटल प्रबंधन को निर्देश दिए कि सभी अग्निशमन उपकरण समय-समय पर सर्विस करवाए जाएं और कर्मचारियों को आपात स्थिति से निपटने का प्रशिक्षण दिया जाए। होटल रजिस्टर और डिजिटल रिकॉर्ड की भी हुई जांच निरीक्षण के दौरान एसपी ने होटल रजिस्टर और डिजिटल रिकॉर्ड की जांच कर सत्यापन संबंधी जानकारी ली। उन्होंने होटल प्रबंधन को साफ निर्देश दिए कि बिना पहचान पत्र किसी भी व्यक्ति को कमरा न दिया जाए और संदिग्ध व्यक्तियों की सूचना तुरंत पुलिस को दी जाए।

एसपी ने कहा, होटल शहर की सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ऐसे में प्रबंधन की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है।

फायर अलार्म और आपात मार्गों का भी लिया जायजा सीएफओ अनूप सिंह ने फायर अलार्म, हाइड्रेंट पाइप, पानी की टंकी और आपात मार्गों का निरीक्षण किया। उन्होंने कर्मचारियों को आग लगने की स्थिति में उपकरणों का सही उपयोग सिखाया और कहा कि अग्निशमन नियमों का पालन न करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एएसपी अखिलेश सिंह ने होटल कर्मचारियों से सुरक्षा मानकों और आपातकालीन प्रोटोकॉल के बारे में सवाल किए और सुनिश्चित किया कि सभी कर्मचारी आवश्यक दिशा-निर्देशों से अवगत हों। निरीक्षण के दौरान कुछ होटलों में सुरक्षा में कमियां भी पाई गईं, जिन पर अधिकारियों ने चेतावनी दी और तत्काल सुधार के निर्देश दिए।

पुलिस का संदेशः लापरवाही बर्दाश्त नहीं

इस अचानक निरीक्षण को शहर के अन्य होटल संचालकों के लिए स्पष्ट संदेश माना जा रहा है कि सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गांधी चौक पर मतदाता जागरूकता कैंप, विधायक पंकज गुप्ता ने भरे फॉर्म

शुक्लागंज, उन्नाव। रविवार को गंगाघाट मंडल की मिश्रा कॉलोनी स्थित गांधी चौक पर संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता कैंप आयोजित किया गया। सदर विधायक पंकज गुप्ता स्वयं पहुंचे और मतदाताओं को बुलाकर फॉर्म भरवाने का कार्य किया। विधायक ने बीएलओ के साथ दिशा-निर्देश देते हुए लोगों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए जागरूक किया। इसके बाद वे आनंद नगर में भाजपा के घर-घर कुंडी खटकाओ अभियान में शामिल हुए और मतदाताओं से संपर्क कर जागरूक किया। उन्होंने कहा कि 11 दिसंबर के बाद 18 वर्ष पूर्ण कर चुके युवाओं को विशेष रूप से जोड़ा जाएगा। भाजपा कार्यकर्ता एसआईआर की दृष्टि से मतदाताओं को चिन्हित कर काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि लगभग अस्सी प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है और अवैध या अन्य बूथों पर दर्ज नाम काटे जाएंगे।

वामा सारथी द्वारा पुलिस लाइन उन्नाव में होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। वामा सारथी उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफ़ेयर एसोसिएशन द्वारा आयुष विभाग उत्तर प्रदेश के सहयोग से सोमवार को रिजर्व पुलिस लाइन उन्नाव में पुलिस परिवारों के लिए होम्योपैथिक चिकित्सा परामर्श एवं दवा वितरण शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक उन्नाव जय प्रकाश सिंह ने की। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह एवं सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर दीपक यादव भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। पुलिस परिवारों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का प्रयास वेलनेस कैम्प का मुख्य उद्देश्य पुलिस लाइन में रह रहे पुलिस परिवारों के स्वास्थ्य की देखभाल करना, उनके चिकित्सकीय दायित्वों को सरल बनाना तथा आयुष पद्धति के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कैम्प में आयुष विभाग की विशेषज्ञ टीम डा. अनिल कुमार (एसएमओ), डा. रश्मि (एमओ), डा. डी.एस. वर्मा (फार्मेसी), मनोहर प्रताप सिंह (बीडब्ल्यू) एवं आज़ाद (बीडब्ल्यू) ने पुलिस परिवारों के सभी सदस्यों की स्वास्थ्य जांच की। चिकित्सकों ने सामान्य एवं मौसमी रोगों के संबंध में परामर्श देते हुए आवश्यक होम्योपैथिक दवाओं का निःशुल्क वितरण किया। पुलिस परिवारों ने सेवा को बताया अत्यंत उपयोगी शिविर में बड़ी संख्या में पुलिस परिवार के सदस्य पहुंचे और चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया। परिवारों ने कहा कि पुलिसकर्मियों की व्यस्त व चुनौतीपूर्ण ड्यूटी के बीच इस प्रकार की स्वास्थ्य सुविधाएं उनके लिए अत्यंत सहायक हैं और तनाव कम करने में मददगार साबित होती हैं।

झंडा दिवस : खीरी में सशस्त्र सेनाओं को नमन

- डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने किया सैनिक स्मारिका का विमोचन, वीर शहीदों को श्रद्धाभिवंदन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर रविवार को जिला मुख्यालय देशभक्ति की भावनाओं से सराबोर रहा। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी विंग कमांडर धनंजय प्रसाद सिंह ने डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल को सशस्त्र सेना झंडा दिवस का प्रतीक ध्वज लगाया और प्रतीक चिन्ह भेंट किया। इसी अवसर पर डीएम ने सैनिक स्मारिका का विमोचन भी किया। डीएम ने शहीदों के परिजनों और वीर सेनानियों के सम्मान में सहयोग राशि प्रदान की। वहीं 1965 के भारतऽपाक युद्ध की हीरक जयंती पर निदेशालय सैनिक कल्याण, उत्तर प्रदेश द्वारा जारी स्मृति चिह्न भी उन्हें सौंपा गया। इस स्मृति चिह्न में परमवीर चक्र से सम्मानित 1965 युद्ध के नायक, उत्तर प्रदेश के सपूत एडख्रक्क अब्दुल हमीद की तस्वीर प्रमुख रूप से अंकित है।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने भारतीय सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर वीर जवानों और उनके परिजनों को हृदय से प्रणाम करते हुए कहा कि देश-देशवासियों की रक्षा के लिए अपने प्राणों को उत्सर्ग करने वाले वीरों के परिवारों के कल्याण के लिए सहयोग करने का यह दिन है। मां भारती के गौरव एवं सम्मान की रक्षा करते हुए प्राणोत्सर्ग करने वाले शहीदों के आश्रितों एवं परिजनों तथा दिव्यांग सैनिकों एवं पूर्व सैनिकों के कल्याण के इस पुनीत कार्य में हम सभी योगदान दें। देश के वीर जवानों और उनके परिजनों को प्रणाम करता हूं।

जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी विंग कमांडर धनंजय प्रसाद सिंह ने बताया कि सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर मोटर वाहनों में लगने वाले कार ध्वज तथा प्रतीक ध्वज वितरित किए जाते हैं। वितरण द्वारा संग्रहित राशि से शहीद सैनिकों के आश्रित परिजनों, दिव्यांग सैनिकों, पूर्व सैनिकों, सेवारत सैनिकों और उनके आश्रितों के कल्याण व पुनर्वास से संबंधित आर्थिक सहायता योजनाएं संचालित की जाती हैं। उन्होंने बताया कि यह व्यवस्था तब बनाई गई थी, जब देश की, सेना की, और सैनिकों की आर्थिक स्थिती अच्छी नहीं थी। आज स्थिती काफी बेहतर है। फिर भी सेना के अटूट मनोबल को और सबल बनाने के प्रति जन जन की प्रचूर भावना को सैनिक कल्याण के साथ समेकित करने की इस व्यवस्था को कायम रखना आवश्यक है।

मोटरसाइकिल और ई-रिक्शा की टक्कर में राजगीर की मौत, परिवार में मचा कोहराम

अज़ान खीरी। हैदराबाद थाना की अजान चौकी क्षेत्र के ग्राम इमलिया मोड़ के पास रविवार की सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें एक राजगीर की मौत हो गई। मृतक की पहचान नफीस अली (45) पुत्र नसरुल्लाह निवासी ग्राम परसेहरा थाना हैदराबाद के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, नफीस अली राजगिरी का काम करता था जो अपनी बाइक पर सवार होकर रोजाना की तरह रविवार की सुबह गोला काम करने जा रहा था। जैसे ही उनकी बाइक इमलिया गांव के मोड़ के पास पहुंची, तभी एक ई-रिक्शा से उनकी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि नफीस अली उछलकर सड़क पर जा गिरे और उनके सिर में गंभीर चोट आ गई। घटना के बाद ई रिक्शा चालक ई-रिक्शा सहित फरार हो गया। राहगीरों ने घायल नफीस को निजी वाहन से इलाज के लिए गोला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला मुख्यालय भेज दिया है।

तहसील समाधान दिवस संपन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मितौली खीरी। तहसील सभागार मितौली में संपूर्ण समाधान दिवस उप जिला अधिकारी मितौली मधुसूदन गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुआ जिसमें जिले के आला अधिकारी मौके पर मौजूद रहे संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 53 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें राजस्व से संबंधित 29 , पुलिस विभाग से संबंधित 12, विकास विभाग से संबंधित 8 , बिजली विभाग से संबंधित 3,गन्ना विभाग से संबंधित 1 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें राजस्व विभाग से संबंधित छह प्रार्थना पत्रों का मौके पर शासन की मंशा के अनुसार आम सहमति के आधार पर निश्तारित किया गया उप जिलाधिकारी मितौली ने प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को निस्तारण के लिए प्रेषित करते हुए शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए, मुख्य चिकित्सा अधिकारी लखीमपुर संतोष गुप्ता ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मितौली का औचक निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित मिले डॉक्टर प्रांशु शुक्ला को कारण बताओं नोटिस, जाले लगे मिलने पर टीवी कार्यक्रम के लैब टेक्नीशियन को फटकार लगाई और आयुष्मान आरोग्य मंदिर टीकाकरण सत्र का भी निरीक्षण किया, उसके बाद आरोग्य मंदिर मदारी पुरवा का भी निरीक्षण किया।संपूर्ण समाधान दिवस में मुख्य चिकित्सा अधिकारी संतोष गुप्त, प्रभारी तहसीलदार दिनेश कुमार, डीसी मनरेगा अमित कुमार परिहार, उप बेसिक शिक्षा अधिकारी भगवान राव, पुलिस उपाधीक्षक यादवेंद्र सिंह यादव, खन्ड विकास अधिकारी बेहजम शरद सिंह, मोहम्मदी मोहित कौशिक, नायब तहसीलदार शशि शेखर मिश्रा, एडियो पंचायत प्रमोद कुमार, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी बेहजम अनिल वर्मा, मितौली देवेंद्र सिंह,एसो मितौली महेश पाठक, मैगलगंज इंद्रजीत चौहान, नीमगांव प्रवीर गौतम सहित समस्त विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जंगल लाइफ ट्रस्ट द्वारा किया गया प्रतिभा खोज का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुकरा खीरी। ग्लोबल इंटर कॉलेज में प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का जंगल लाइफ ट्रस्ट के आयोजक रवींद्र कुमार सिंह संस्थापक/अध्यक्ष पुष्पेंदर सिंह के संरक्षण में तथा ग्लोबल इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य,जंगल लाइफ के कार्यक्रम अधिकारी निमित्त वर्मा तथा विभिन्न विद्यालयों से आए अध्यापकों के सहयोग से प्रतिभा खोज का सफल आयोजन किया गया। आयोजित प्रतिभा खोज प्रतियोगिता 7 दिसंबर 2025 को शांतिपूर्वक ग्लोबल पब्लिक इंटर कॉलेज गोला में सम्पन्न हुई।

प्रतियोगिता में कई विद्यालयों के छात्र छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता परीक्षा में जंगल लाइफ के संस्थापक पुष्पिंदर सिंह,आयोजक /प्रोटेक्टर रवींद्र कुमार सिंह ग्लोबल पब्लिक इंटर कालेज के प्रधानाचार्य और जंगल लाइफ के कार्यक्रम अधिकारी निमित वर्मा,नैंसी, लक्ष्मण,आलोक तिवारी प्रधानाचार्य बाबूराम विद्या मंदिर गोला,महेंद्र वर्मा प्रधानाचार्य सरस्वती विद्या मंदिर जूनियर हाई स्कूल गोला,एस डी इंटरनेशनल कॉलेज घरथनिया, अब्दुल रहीम पब्लिक स्कूल भूडवारा खीरी के अध्यापक दानिश कुरेशी,एम के सी एन जूनियर हाई स्कूल विलियम गंज, गोला खीरी तथाअन्य विद्यालयों के अध्यापक गण आदि उपस्थित रहे। परीक्षा परिणाम 21 दिसम्बर को घोषित किया जाएगा और जंगल लाइफ द्वारा खेल टूर्नामेंट द फर्स्ट विंटर गेम्स 2025/26 का आयोजन 28 दिसंबर को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस स्पोर्ट्स स्टेडियम बसलीपुर में शुभारंभ किया जा रहा है जिसमें 11से 25 वर्ष वर्ष के पुरुष एवं महिला भाग ले सकेंगे।

गोला गोकर्णनाथ में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला नगर के के वी कंपटीशन क्लासेज के द्वारा ग्लोबल इंटर कालेज में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में गोला पुलिस प्रशासन और विवेक सर की वालिंटियर टीम ने पैनी नजर रख कर निष्पक्ष प्रतियोगिता संपन्न कराई गई। प्रतियोगिता में उत्तीर्ण हुए बच्चों को के वी कंपटीशन क्लासेज के प्रमुख विवेक कुमार के द्वारा रविवार को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्राइम इंस्पेक्टर गोला संतोष कुमार, श्री श्याम दीवाने सेवा समिति के महामंत्री अजय गुप्ता, अलीम अली फौजी और समस्त विद्यालयों के अध्यापक गण उपस्थित रहे।

एसडीएम के आदेश पर आनन फानन में जेसीबी से नाले की तलीझाड़ हुई सफाई, अवाम में दौड़ी खुशी की लहर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुकरा खीरी। खबर का असर,,मुहिम लाई रंग,खबर का असर,शासन ने लिया संज्ञान एस डी एम के आदेश पर आनन फानन में जेसीबी से नाले की सफाई कराकर जलभराव से दिलाई निजात। ग्राम पंचायत कुकरा के मजरा सलेमपुर में पूर्व ब्लाक प्रमुख इफ्तखार उर्फ गुड्डू ने अपने शासन काल में पक्के नाले का निर्माण कराया था जिसमे मलबा भर जाने से जल निकासी बाधित हो जाने के कारण मजरा के निकट कुकरा से ग्रंट नंबर 3 को जाने वाले प्रमुख मार्ग पर बदबूदार एवम संक्रामक रोगों से युक्त प्रदूषित पानी से गुजरने को छेत्र के वाशिंदे थे मजबूर। खबरों को संज्ञान में लेते हुए शासन ने संबंधित विभाग के अधिकारी को फटकार हुए तत्काल ग्राम पंचायत अधिकारी कुकरा अशोक कुमार राणा एवम प्रधान प्रतिनिधि फुरकानुद्दीन उर्फ सिम्मी को इस निर्देश के साथ आदेशित किया की तत्काल जेसीबी से नाले की तली झाड़ सफाई करके अवाम को जलभराव से निजात दिलाने के आदेश पर आनन फानन में जेसीबी मंगाकर नाले की तलीझाड़ सफाई कराकर अवाम को जलभराव से निजात दिलाई अवाम में खुशी की लहर दौड़ गई।

पूर्व प्रधान ने जरूरतमंदों को किया वृहद कंबल और कपड़ा का वितरण

बबेरू/बांदा। प्रत्येक रविवार की तरह आज भी बाँदा रोटी बैंक सोसाइटी के संरक्षक शेख़ सादी जमा और बांदा रोटी बैंक सोसाइटी के सहसंरक्षक चन्द्रमौली भारद्वाज के संरक्षण में बाँदा रोटी बैंक सोसाइटी के अध्यक्ष रिज़वान अली की अध्यक्षता में बाँदा रोटी बैंक सोसाइटी के उपाध्यक्ष मोहम्मद सलीम के नेतृत्व में,पूर्व ग्राम प्रधान ग्राम हरदौली मोहम्मद शादाब जी की उपस्थिति में,समाजसेवी ग्राम हरदौली सैफुल्लाह110 कम्बल के विशेष सहयोग से बाँदा शहर के जिम्मेदार जागरूक लोगों के द्वारा दान में दिए गए कम्बल, कपड़े,जूते चप्पल आदि का वितरण ग्राम हरदौली ब्लॉक बबेरू तहसील बबेरू जनपद बाँदा के जरूरतमंद ग्रामीणों को किया गया तथा साथ ही ग्रामीणों को सर्पदंश, स्वास्थ्य,स्वच्छता तथा उनके कानूनी अधिकारों के प्रति बाँदा रोटी बैंक सोसाइटी की टीम की महिला उपाध्यक्ष तरन्नुम फ़ात्मा और संगठन मंत्री सुनील सक्सेना के द्वारा जागरूक किया।

माँ अन्नपूर्णा रसोई के दो वर्ष पूर्ण होने पर वार्षिकोत्सव कर दानदाताओं का किया गया सम्मान

- परमार्थ के कार्य में ईश्वर भी साथ देता है: अंजनी शरणजी महराज
- मेलबर्न ऑस्ट्रेलिया में कार्यरत स्वाति शर्मा ने मां अन्नपूर्णा रसोई मे दिया दान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला नगर स्थिति नीलकण्ठ मैदान में संचालित माँ अन्नपूर्णा रसोई के दो वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित वार्षिकोत्सव का शुभारंभ अंजनी शरणजी महराज,

रोहितानंद महराज तथा पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने द्वीप प्रज्वलित कर किया। तत्पश्चात रसोई संचालक गौरव ज्ञान त्रिपाठी ने रसोई संचालन की रुपरेखा रखी ।कोषाध्यक्ष आदर्श सोनी ने आय व्यय का व्यौरा पेश करते हुए बताया 17 लाख 78 हजार 572 रुपये की कुल आय हुई तथा 17 लाख 07 हजार 527 रुपये खर्च हुए। माँ अन्नपूर्णा रसोई सेवा समिति अध्यक्ष एवं चेयरमैन नगर पालिका विजय शुक्ला रिंकू ने दानदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जरूरतमंदो की सेवा के दो वर्ष पूरे होने पर सभी दानदाताओं एवं सहयोगीजनों का आभार व्यक्त करता हूँ तथा इस ईश्वरीय कार्य में भविष्य में सहयोग के लिए आमंत्रित करता हूँ। बतौर मुख्य अतिथि अंजनी शरणजी महराज ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि परमार्थ के कार्य में ईश्वर भी साथ देता है।जरुरतमंद को भोजन करवाना श्रेष्ठ कार्य है।कलयुग में अन्नदान प्राणदान कहा गया है। वृंदावन से आए विशिष्ट अतिथि रोहितानंद जी महराज ने कहा कि भजन के विविध रुप है- नरसेवा, स्वध्याय, गुरु आज्ञापालन, संनिधि। गरीबों, असहायों एवं जरुतमंदों की सेवा ही सच्चा भजन है। विशेष शोशल मीडिया के माध्यम से मेलबर्न आष्ट्रेलिया में कार्य कर रही स्वाति शर्मा ने रसोई में दान किया । वह मूलतः पलिया खीरी की निवासी हैं। उनके माता-पिता का नाम शैलेश शर्मा व सुनीता शर्मा है। सभी दानदाताओं को प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर माँ अन्नपूर्णा रसोई सेवा समिति महामंत्री समाजसेवी सत्यप्रकाश अग्रवाल,उपाध्यक्ष आनंद त्रिवेदी ,मंत्री विकास मिश्रा , मंत्री दिनेश मिश्रा, अविनाश गुप्ता,समाजसेवी केशव अग्रवाल, भाजपा नेता विश्वनाथ सिंह, के के गुप्ता,श्याममूर्ति शुक्ला, शिवकुमार बाजपेयी सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

गोला में शराब कारोबारी पर जानलेवा हमला, दो नामजद समेत कई अज्ञात पर मुकदमा दर्ज

अज़ान खीरी। थाना गोला क्षेत्र में चार दिसंबर की शाम शराब कारोबारी पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों सहित कई अज्ञात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पीड़ित आकाश जायसवाल के भाई मंजीत जायसवाल की तहरीर पर सक्षम उर्फ अनिकेत व सतीश पुत्र श्रीराम के खिलाफ बीएनएस की धारा 109(1), 126(2), 324 के तहत मामला दर्ज हुआ है। बताया जाता है कि आकाश जायसवाल पुत्र रामसागर निवासी मुन्नूगंज, गोला, बीते सोमवार रात करीब आठ बजे लखीमपुर से चारपहिया वाहन से अपने घर लौट रहे थे। रतनद्वार गेट के पास अचानक सक्षम उर्फ अनिकेत और उसके पिता सतीश, जो काशीराम आवास कॉलोनी के निवासी बताए जा रहे हैं, चाट का ठेला लेकर सामने आ गए और गाड़ी के ठीक आगे ठेला रोक दिया। आकाश द्वारा रास्ता खाली करने का अनुरोध करने पर दोनों गाली-गलौज पर उतर आए।

श्री हरिद्वारी वैश्य समिति का पंचवार्षिक चुनाव

- कृष्ण कुमार गुप्ता अध्यक्ष और अविनाश चंद्र गुप्ता महामंत्री निर्विरोध चुने गए

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। श्री हरिद्वारी वैश्य समिति का पंचवार्षिक चुनाव सौहार्दपूर्ण ढंग से सामाजिक एकता से संपन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया वेद प्रकाश और प्रवीण गुप्ता की देखरेख में कराई गई। समिति के सदस्यों ने अनुशासित वातावरण में सहभागिता करते हुए चुनाव को सफल बनाया। अध्यक्ष पद के लिए कृष्ण कुमार गुप्ता तथा महामंत्री पद के लिए अविनाश चंद्र गुप्ता का एकल नामांकन प्राप्त हुआ। निर्धारित समय सीमा तक किसी अन्य प्रत्याशी द्वारा नामांकन न किए जाने के चलते दोनों पदाधिकारियों को निर्वाचन अधिकारी ने अध्यक्ष और महामंत्री की निर्विरोध चुने जाने की घोषणा की। इस घोषणा के साथ ही समिति परिसर उत्साह और प्रसन्नता के माहौल से गूंज उठा। घोषणा के बाद समिति के सदस्यों ने नव-निर्वाचित अध्यक्ष और महामंत्री का माल्यार्पण कर गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएँ दीं। समिति के वरिष्ठ सदस्यों ने इस चयन को संगठन की मजबूती का संकेत बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि नए पदाधिकारी सामाजिक एवं धर्मार्थ गतिविधियों को एक नई गति और दिशा प्रदान करेंगे।

सोसाइटी की वार्षिक सामान्य निकाय बैठक संपन्न की गई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मितौली खीरी। विकासखंड मितौली क्षेत्र की बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति (बी पैक्स) लिमिटेड मितौली की वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक समिति प्रांगण में आयोजित की गई बैठक में समित के सभी कार्यकारिणी सदस्य और किसान शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता किसान सेवा सहकारी समिति के अध्यक्ष सचिन शुक्ला, मुख्य अतिथि भाजपा जिला मंत्री बृजेश सिंह उपस्थित रहे सचिन अर्चना सिंह ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का माल्यार्पण स्मृति चिन्ह देकर स्वागत अभिनंदन किया मंच का कुशल संचालन पत्रकार सुरेश शुक्ला ने किया।

मुख्य अतिथि भाजपा जिला मंत्री प्रदेश सिंह ने कहा समितियां को बहुउद्देसीय बनाने का लक्ष्य किसानो की सभी आवश्यकताओं को एक ही मंच पर पूरा करना है उन्होंने बताया कि सरकार इस दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है सभापति सचिन शुक्ल ने समित का वार्षिक लेखा जोखा प्रस्तुत करते हुए कहा सभी किसान बंधु फार्मर रजिस्ट्री अवश्य करायें ताकी खाद बीज आसानी से किसानों को उपलब्ध हो सके, हमारा प्रयास है कि समिति निरंतर ऊंचाइयों पर रहे पूर्व प्रधान गणेशशंकर गुप्ता ने सभा का समापन किया सचिव अर्चना सिंह ने आए हुए अथियों का आभार व्यक्त करते हुए संचालक मंडल, पत्रकार बंधुओं, विशिष्ट अतिथियों, सदस्यो को डायरी पेन गिफ्ट में देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर संचालक सुधीर सिंह , रामअसारे पाल, सैलेश कुमार, राजकुमार, सचिव विनोद मिश्र, महेंद्र शुक्ल, राजन सिंह, ओम प्रकाश शुक्ला अनीता मिश्रा, विभा मिश्रा, राम शंकर शुक्ला, दिनेश दीक्षित, समस्त सीमित के सदस्य सम्मानित किसान मौजूद रहे।

परिनिर्वाण दिवस पर बाबा साहब को विनम्र श्रद्धांजली

मितौली खीरी। विकासखंड मितौली स्थित अंबेडकर पार्क कस्ता और मितौली में श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए बहुजनों की आवाज को बुलंद करने वाले सचिन सिंह नितिन ने कहा उनके विचार आज भी उतने ही धारदार हैं जितने स्वतंत्रता के दौर में थे'' बाबासाहेब अंबेडकर के मूल मंत्र, मौलिक अधिकारों को पहचाना हम सबके जीवन का सबसे बड़ा उत्थान और उद्धार होगा ॡशिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो'', यह केवल उनका नारा नहीं, भविष्य की दिशा है महामानव, नारी जीवन मुक्तिदाता, संविधान निर्माता, भारतरत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी को उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर बहुजनों की बुलंद आवाज़ की तरफ से विनम्र श्रद्धांजलि, अर्पित की गई श्रद्धांजलि सभा में सैकड़ो बाबा साहब अंबेडकर को चाहने वाले अपनी नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित की सभी ने अपना भावपूर्ण वक्तव्य में कहा कि आज अंबेडकर साहब होते तो शायद हमारे जीवन का उत्थान आज से कई गुना बेहतर होता पुत्तू लाल गौतम, अनुराग भास्कर, सैकड़ो की संख्या में बहुजन समाज के लोग उपस्थित रहे।

नगर पालिका अध्यक्ष ने तीन वार्डों में नाली व इंटरलॉकिंग सड़कों का किया लोकार्पण

- क्षेत्रीय विकास को मिलेगी नई गति, आवागमन होगा सुगम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। नगर में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को सुदृढ़ करते हुए नगर पालिका अध्यक्षा श्वेता भानू मिश्रा ने बुधवार को तीन वार्डों में नवनिर्मित नाली एवं इंटरलॉकिंग सड़कों का लोकार्पण किया। इन निर्माण कार्यों के पूरा होने से क्षेत्रवासियों को बेहतर आवागमन सुविधाएं मिलेंगी और लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा। वार्डों में संपन्न हुए निर्माण कार्य काली मंदिर के पीछे मनोज के घर से सर्वेश के मकान तक नवनिर्मित नाली एवं इंटरलॉकिंग सड़क का लोकार्पण किया गया। यह सड़क लंबे समय से स्थानीय लोगों की प्रमुख आवश्यकता बनी हुई थी। वार्ड संख्या 31 दुपरापुर अश्वनी के मकान से बॉबी अवस्थी के मकान तक नाली और इंटरलॉकिंग सड़क का निर्माण पूर्ण होने के बाद इसका उद्घाटन किया गया। क्षेत्रवासियों ने इस कार्य को क्षेत्र विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। वार्ड संख्या 8 कृष्णा नगर आदित्यनंद के मकान के सामने से लाला पार्टी लॉन होते हुए विनय श्रीवास्तव के मकान तक नाली और इंटरलॉकिंग सड़क का लोकार्पण किया गया। इससे जल निकासी और आवागमन में काफी सुधार होगा। ॡहर वार्ड में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हमारी प्राथमिकताङ्क अध्यक्षा लोकार्पण कार्यक्रमों के दौरान अध्यक्षा श्वेता भानू मिश्रा ने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड में सड़क, नाली, पेयजल और स्वच्छता से जुड़े कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ॡहमारा संकल्प उन्नाव को एक सुगम, सुरक्षित और आधुनिक नगर के रूप में विकसित करना है।ङ्क स्थानीय नागरिकों ने इन विकास कार्यों के लिए नगर पालिका प्रशासन एवं अध्यक्षा का आभार व्यक्त किया।

इसी दौरान कुछ दिन पूर्व वार्ड संख्या 1 पूरन नगर निवासी अनिकेत गौतम व काजल गौतम के घर में शॉर्ट सर्किट से हुई आग की घटना का संज्ञान लेते हुए अध्यक्षा श्वेता भानू मिश्रा मौके पर पहुंचीं। उन्होंने स्थिति का निरीक्षण कर पीड़ित परिवार को तत्काल राहत राशि प्रदान की और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर पूरन नगर सभासद किरण देवी, तकी नगर सभासद अरफात बेग, कृष्णा नगर सभासद रवि कुमार, सभासद प्रतिनिधि राजेश कुमार, शिशिर अस्थाना, सचिन राजपूत, पंकज निगम, राजेश श्रीवास्तव, मानवेंद्र सिंह, मनोज पंडित, ज्ञान प्रकाश सिंह, पिंकू, पंकज कुमार, रवींद्र शर्मा, सत्य प्रकाश सिंह, हनी सहित बड़ी संख्या में सम्मानित क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

रोहित और कोहली का अनुभव महत्वपूर्ण, लेकिन युवा खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी अविश्वसनीय: गंभीर

एजेंसी

विशाखापत्तनम। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने विराट कोहली और रोहित शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन दोनों सीनियर खिलाड़ियों का अनुभव टीम के लिए काफी मायने रखता है लेकिन इसके साथ ही युवा खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी अविश्वसनीय रहा है। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई एकदिवसीय श्रृंखला में दो शतक और एक अर्धशतक लगाया जबकि रोहित ने दो अर्धशतक जमाकर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। गंभीर ने उम्मीद जताई कि दोनों दिग्गज खिलाड़ी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखेंगे। उन्होंने तीसरे और अंतिम वनडे में भारत की नौ विकेट से जीत के बाद पत्रकारों से कहा, ''वे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। मैंने कई बार कहा है कि वे विश्वस्तरीय खिलाड़ी हैं। वे इस प्रारूप के बेहतरीन खिलाड़ी हैं और ड्रेसिंग रूम में उनका अनुभव वास्तव में बहुत मायने रखता है। उन्होंने कहा, ''वे वही कर रहे हैं जो वे करते रहे हैं। वे भारतीय क्रिकेट के लिए इतने लंबे समय से ऐसा प्रदर्शन करते आ रहे हैं। उम्मीद है कि वे आगे भी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखेंगे। सीनियर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को विश्राम दिए जाने तथा शुभमन गिल और हार्दिक पंड्या की चोट के कारण अनुपस्थिति ने भारत को कुछ युवा खिलाड़ियों के कौशल को परखने का मौका दिया। गंभीर हर्षित राणा के गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में उभरने से विशेष रूप से प्रसन्न थे। उन्होंने कहा, ''हम हर्षित जैसे खिलाड़ी को इस तरह से तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं जो वास्तव में नंबर आठ पर बल्लेबाजी करते हुए अपना योगदान दे सके। हमें इसी तरह संतुलन बनाना होगा, क्योंकि दो साल बाद (2027 वनडे विश्व कप के लिए) दक्षिण अफ्रीका दौरे पर हमें तीन अच्छे तेज गेंदबाजों की भी ज़रूरत होगी। अगर वह एक गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में खुद को स्थापित करता है तो यह हमारे लिए अच्छा होगा। गंभीर भी तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा के प्रदर्शन से प्रभावित दिखे।

सीमित ओवरों की क्रिकेट में बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है: गंभीर

विशाखापत्तनम। गौतम गंभीर की बल्लेबाजी संयोजन में बदलाव करने की आदत अक्सर कड़ी जांच के घेरे में रही है, लेकिन भारतीय टीम के मुख्य कोच ने कहा कि सीमित ओवरों की क्रिकेट में ''बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है'' और इस तरह से उन्होंने संकेत दिया कि वह अपने भरोसेमंद तरीकों पर कायम रहेंगे।

भारतीय टीम के इस संयोजन के कारण सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई एकदिवसीय श्रृंखला में नंबर चार पर बल्लेबाजी करनी पड़ी, जबकि ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर की जगह पक्की नहीं रही। गंभीर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला में जीत के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा,''मेरा मानना है कि वनडे प्रारूप में आपको पता होना चाहिए कि आप किस तरह से खेलना चाहते हैं।

भारत सरकार का फोकस खेलों पर, ओलंपिक की मेजबानी दूर की बात नहीं : एफआईएच अध्यक्ष तैयब इकराम

एजेंसी

चेन्नई। भारत की मेजबानी में होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2030 में हॉकी की मजबूती से वापसी का दावा करते हुए अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ के अध्यक्ष तैयब इकराम ने कहा कि खेलों पर भारत सरकार के फोकस को देखते हुए ओलंपिक की मेजबानी अब दूर की बात नहीं है। भारत को दो दशक बाद राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिली है जो 2030 में अहमदाबाद में आयोजित होंगे जिसे 2036 ओलंपिक की भारत की दावेदारी पुख्ता करने के लिये एक अहम कदम माना जा रहा है। यहां जूनियर हॉकी विश्व कप से इतर भाषा को दिये विशेष इंटरव्यू में भारत की ओलंपिक की मेजबानी की दावेदारी के बारे में पूछने पर इकराम ने कहा, '' हमें इस तरह की उम्मीदवारी पसंद है और यह अच्छा भी है क्योंकि इसमें अलग हितधारक और प्रतिस्पर्धी होंगे। राष्ट्रमंडल खेल 2030 भी भारत में हो रहे हैं। उन्होंने कहा, '' इस समय भारत सरकार का फोकस खेलों और खेलों की मेजबानी पर है लिहाजा ओलंपिक की मेजबानी बहुत दूर की बात नहीं है। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में बजट में कटौती के लिये कई खेलों को रोस्टर से हटाया गया है जिनमें हॉकी भी शामिल है लेकिन एफआईएच अध्यक्ष ने विश्वास जताया कि 2030 में हॉकी की मजबूती से वापसी होगी। उन्होंने कहा, '' अगले साल होने वाले खेल राष्ट्रमंडल खेल के लिये काफी कठिन और चुनौतीपूर्ण हैं। लेकिन हॉकी राष्ट्रमंडल का हिस्सा रही है और हमेशा रहेगी। हमारी राष्ट्रमंडल खेल से लगातार अच्छी बातचीत हो रही है और 2030 में हॉकी की और मजबूती से वापसी होगी। व्यावसायिक दृष्टि से भारत को वैश्विक हॉकी का महत्वपूर्ण साझेदार बताते हुए एफआईएच अध्यक्ष ने कहा कि खेल को क्रिकेट या बाकी खेलों की तरह लोकप्रिय बनाने के लिये भारत बड़ा मंच है और यही वजह है कि यहां पिछले एक दशक में काफी वैश्विक हॉकी टूर्नामेंट आयोजित किये गए हैं। भारत में 2016 पुरुष जूनियर विश्व कप (लखनऊ), 2014 चैम्पियंस ट्रॉफी (भुवनेश्वर), 2018 सीनियर पुरुष विश्व कप (भुवनेश्वर), 2023 सीनियर पुरुष विश्व कप (भुवनेश्वर और राउरकेला) के अलावा महिला और पुरुष एशिया कप और एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी का भी आयोजन किया गया है। इकराम ने कहा ,'' यह भारत ही नहीं बल्कि विश्व हॉकी के लिये भी महत्वपूर्ण है। भारत हॉकी का घर है और यहां लोग खेलों से प्यार करते हैं। क्रिकेट यहां काफी लोकप्रिय है लेकिन भारत में एफआईएच और अन्य एशियाई टूर्नामेंटों की मेजबानी से दर्शक हॉकी की ओर भी आ रहे हैं।

रोहित और कोहली के साथ अलग तरह से व्यवहार करना होगा: बांगड़

एजेंसी

विशाखापत्तनम। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा का पिछले कुछ वर्षों में प्रदर्शन को देखते हुए उनके साथ अलग तरह का व्यवहार किया जाना चाहिए और वनडे टीम में उनकी जगह को लेकर कभी भी बहस नहीं होनी चाहिए। राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य और मुख्य कोच गौतम गंभीर इस सीनियर जोड़ी के 2027 विश्व कप तक फॉर्म और फिटनेस बरकरार रखने को लेकर भले ही संशय में हो सकते हैं, लेकिन दोनों बल्लेबाजों ने पिछले छह वनडे मैचों में तीन शतक (कोहली के दो) और पांच अर्धशतक (रोहित के तीन) लगाकर बतला दिया है कि उनका कोई सानी नहीं है। बांगड़ ने जिओस्टार से कहा, ''मुझे नहीं लगता कि टीम में विराट कोहली और रोहित शर्मा की जगह को लेकर सवाल उठाए जाने चाहिए। उनके इतने वर्षों में टीम को दिए गए योगदान पर गौर करना चाहिए। कोहली और रोहित अब केवल वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं। भारत पिछले कुछ समय से इस प्रारूप में बहुत कम मैच खेल रहा है और बांगड़ का मानना है कि उन्हें लय हासिल करने में कुछ समय लग सकता है। उन्होंने कहा, ''वे दो प्रारूपों से संन्यास ले चुके हैं, इसलिए ज़ाहिर है कि उन्हें लय हासिल करने में कुछ समय लग सकता है लेकिन वे ऐसा कई बार कर चुके हैं। उन्हें किसी युवा खिलाड़ी जितने मैच खेलने की ज़रूरत नहीं है। बांगड़ ने कहा, ''एक बार वे जब अपनी लय हासिल कर लेते हैं और पूरी तरह फिट तथा रन बनाने के लिए भूखे हैं तो आप इस तरह के खिलाड़ियों को टीम में चाहते हैं। आपको उनके साथ अलग तरह से व्यवहार करना होगा और उन्हें अपना नैसर्गिक खेल खेलने की छूट देनी होगी। उन्होंने कहा, '''जब वे लय में होते हैं तो आपको अंतर साफ नजर आता है। उनकी उपस्थिति मात्र से ड्रेसिंग रूम का माहौल बदल जाता है। टेस्ट श्रृंखला में हार के बाद उन्होंने निश्चित तौर पर युवा खिलाड़ियों से बात की होगी।

स्मृति मंधाना ने पुष्टि की, 'शादी रद्द कर दी गई है', निजता का सम्मान करने की अपील की

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने अपनी जिंदगी को लेकर पिछले कुछ सप्ताह से चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए रविवार को पुष्टि की कि संगीतकार पलाश मुछाल के साथ उनकी शादी ''रद्द'' कर दी गई है। उन्होंने प्रशंसकों और मीडिया से दोनों परिवारों की निजता का सम्मान करने का आग्रह किया है। भारत की सबसे प्रमुख महिला क्रिकेटरों में से एक मंधाना ने पिछले महीने अपनी निजी जिंदगी को लेकर अफवाह तेज होने के बाद सोशल मीडिया पर अपना पहला सार्वजनिक बयान जारी किया। मंधाना ने लिखा, ''मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि शादी रद्द कर दी गई है। मैं इस मामले को यहीं समाप्त करना चाहती हूं और आप सभी से भी ऐसा करने का अनुरोध करती हूं। मंधाना की 23 नवंबर को मुछाल से शादी होने वाली थी, लेकिन इस स्टार क्रिकेटर के पिता श्रीनिवास को दिल से जुड़ी बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था जिसके कारण शादी स्थगित कर दी गई थी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कहा, ''पिछले कुछ सप्ताह से मेरी निजी जिंदगी को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं और मुझे लगता है कि इस समय मेरे लिए खुलकर अपनी बात रखना महत्वपूर्ण है। खुद को एक ''बेहद निजी इंसान'' करार देते हुए मंधाना ने कहा कि चीजों को स्पष्ट करने की जरूरत के कारण उन्हें अपना पक्ष रखने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने प्रशंसकों और जनता से अनुरोध किया कि वे ''दोनों परिवारों की निजता का सम्मान करें'' और उन्हें ''इससे निपटने और आगे बढ़ने के लिए जगह दें। भारत के आगामी अंतरराष्ट्रीय सत्र की तैयारी कर रही मंधाना ने कहा कि उनका ध्यान पूरी तरह से क्रिकेट पर है। उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि हम सभी का (जीवन में) एक बड़ा उद्देश्य होता है और मेरे लिए वह उद्देश्य हमेशा अपने देश का सर्वोच्च स्तर पर प्रतिनिधित्व करना रहा है। मुझे उम्मीद है कि मैं यथासंभव लंबे समय तक भारत के लिए खेलती रहूंगी और ट्राफियां जीतती रहूंगी। गायिका पलक मुछाल ने कुछ दिन पहले इस मुद्दे पर बात की थी जिसके बाद अब मंधाना का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि दोनों परिवारों ने बहुत मुश्किल समय का सामना किया है। जैसा आपने अभी कहा, मैं बस यही दोहराना चाहती हूं कि हम इस समय सकारात्मक होकर आगे बढ़ना चाहते हैं। हम जितना हो सके उतना सकारात्मक बने रहना चाहते हैं। हम मजबूत बने रहने की भी कोशिश कर रहे हैं।

जलवायु दबाव बढ़ने के कारण कॉर्टेवा ने भारत में जैविक गतिविधियों को तेज किया

एजेंसी

हैदराबाद। अमेरिका की कृषि क्षेत्र की दिग्गज कंपनी कोर्टेवा एग्रीसाइंस भारत में अपने जैविक उत्पादों के विस्तार में तेजी ला रही है और जैव-नियंत्रण तथा जैव-उत्तेजक पर विशेष ध्यान दे रही है। कंपनी की एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। बढ़ते जलवायु दबाव और कीट-प्रतिरोध की चुनौतियों के बीच प्राकृतिक फसल-सुरक्षा समाधान तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। कोर्टेवा की एशिया-प्रशांत अध्यक्ष ब्रूक कनिंघम ने अपनी भारत यात्रा के दौरान को बताया कि प्राकृतिक खेती और जीन-संपादन प्रौद्योगिकियों को मिल रहे सरकार के समर्थन के कारण कंपनी भारत को जैविक उत्पादों के लिए बेहद महत्वपूर्ण बाजार मानती है। कनिंघम ने कहा, किसानों को सबसे ज्यादा जरूरत जैव-नियंत्रण की है। अभी तक किसी ने भी इसे बड़े पैमाने पर हल नहीं किया है। उन्होंने बताया कि कंपनी सूक्ष्मजीवीय समाधानों में भारी निवेश कर रही है, जो या तो कीटों पर सीधा हमला करते हैं या पौधों की रक्षा-क्षमता को बढ़ाते हैं। जैविक उत्पादों की ओर बदलाव जलवायु परिवर्तन के कारण और तेज हो रहा है, क्योंकि इससे कीटों का फैलाव तेज हो रहा है तथा सूखा, बाढ़ और गर्मी से पौधों पर तनाव बढ़ रहा है। जैव-उत्तेजक अब भारतीय किसानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण उपकरण बनकर उभर रहे हैं। कनिंघम ने कहा, 'यह रसायनों का विकल्प नहीं, बल्कि एकीकृत कीट प्रबंधन है।' उन्होंने बताया कि रासायनिक समाधान अभी भी फलों में 80 प्रतिशत और सब्जियों में 50 प्रतिशत नुकसान रोकते हैं। कंपनी जैविक उत्पादों को पारंपरिक फसल सुरक्षा का पूरक मानती है, जो कीट-प्रतिरोध और पर्यावरणीय स्थिरता की दोहरी चुनौतियों का समाधान करते हैं। भारत में, जहां किसान वैश्विक कृषि भूमि के केवल 2.4 प्रतिशत हिस्से पर 1.4 अरब लोगों को भोजन उपलब्ध कराते हैं, जैविक उत्पाद खाद्य सुरक्षा और निर्यात लक्ष्यों को हासिल करने के लिए आवश्यक माने जा रहे हैं। हालांकि ब्राजील अभी कीटों के भारी दबाव के कारण जैविक उत्पाद अपनाने में सबसे आगे है, लेकिन भारत में अनूठे अवसर मौजूद हैं। सरकार का प्राकृतिक खेती को बढ़ावा और जीन-संपादन तकनीकों का समर्थन देश को बीज, फसल संरक्षण तथा जैविक उत्पादों में अत्याधुनिक नवाचार लागू करने की स्थिति में ला रहा है। कनिंघम ने कहा, 'भारत उस निर्णायक मोड़ पर खड़ा है जहां से वह दुनिया को भोजन और ईंधन दोनों मुहैया करा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि देश के 15 करोड़ छोटे किसान, जिनमें अधिकांश के पास दो हेक्टेयर से कम जमीन है, जैविक समाधानों से काफी लाभ उठा सकते हैं।

नाल्को जून 2026 तक पोटांगी बॉक्साइट खदान शुरू करने की तैयारी में

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की नेशनल एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को) अगले साल जून तक ओडिशा में अपनी पोटांगी बॉक्साइट खदान शुरू करने की योजना बना रही है। इससे कंपनी को खनन क्षमता बढ़ाने और एकीकृत एल्यूमिनियम कारोबार के विस्तार का लक्ष्य पूरा करने में मदद मिलेगी। पोटांगी बॉक्साइट खदान के विकास और संचालन के लिए दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड एल-1 बोलीदाता चुनी गई है। नाल्को के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा, हमारा लक्ष्य है कि अगले साल जून तक खदान शुरू हो जाएगी। कंपनी ओडिशा के कोरापुट जिले में दामनजोडी रिफाइनरी में एल्यूमिना उत्पादन क्षमता बढ़ाने जा रही है। नाल्को अभी इस जगह पर 22.75 लाख टन सालाना क्षमता वाली एल्यूमिना रिफाइनरी चला रही है। इस विस्तार के लिए ओडिशा सरकार ने कोरापुट जिले में पोटांगी बॉक्साइट भंडार के लिए नाल्को को खनन पट्टा दिया है।

इसीएल में वित्तीय संकट के कारण कर्मचारियों के वेतन में विलंब

एजेंसी

आसनसोल। आसनसोल स्थित कोल इंडिया की अनुसांगिक कंपनी ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (इसीएल) गंभीर वित्तीय संकट से गुजर रही है. नतीजतन, कर्मचारियों को वेतन समय पर नहीं मिल पा रहा है. अक्टूबर महीने का वेतन कई दिनों की देरी के बाद नवंबर में मिला, जबकि नवंबर का वेतन अब तक जारी नहीं हुआ है। सूत्रों के अनुसार इसीएल द्वारा बेचे गए कोयले का खरीदारों पर लगभग दो हजार करोड़ रुपये का बकाया है, जिसके चलते आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है। इसीएल के निदेशक नीलाद्री राय के अनुसार 2000 करोड़ की बकाया राशि में से 500 करोड़ रुपए केवल डीवीसी पर बकाया है, इसी कारण वेतन भुगतान प्रभावित हो रहा है। कंपनी की 73 कोलरियों में करीब 45 हजार स्थाई कर्मचारी कार्यरत हैं। अधिकारी फिलहाल स्पष्ट रूप से यह बताने की स्थिति में नहीं हैं कि नवंबर का वेतन कब मिलेगा। उल्लेखनीय है कि इसीएल प्रतिदिन औसतन 1.80 लाख टन से 2 लाख टन कोयला उत्पादन करता है, लेकिन हाल में ट्रांसपोर्टेशन घटकर मात्र 1.20 लाख टन रह गया है। विभिन्न डीपो और रेल साइडिंग पर लगभग 6.5 लाख टन कोयला स्टॉक के रूप में पड़ा है, जिससे अधिक मात्रा में कोयला भंडारण के कारण आग लगने का खतरा भी बढ़ा है। इसीएल के निदेशक नीलाद्री राय ने बताया कि इस वर्ष लगभग छह महीने तक बारिश होने से देशभर के पावर प्लांट्स की बिजली मांग कम हो गई। नियमों के अनुसार मानसून के दौरान पावर प्लांट्स के पास कम से कम 10 दिन का कोयला स्टॉक होना चाहिए, लेकिन इस समय उनके पास एक महीने से भी अधिक कोयला उपलब्ध है।

दिसंबर के पहले हफ्ते में विदेशी निवेशकों ने 11,820 करोड़ रुपये निकाले

नयी दिल्ली। इस महीने के पहले हफ्ते में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजारों से 11,820 करोड़ रुपये निकाले। इसका मुख्य कारण रुपये का तेज अवमूल्यन है। नवंबर में 3,765 करोड़ रुपये की निकासी के बाद ये तेज बिकवाली हुई है और इससे बाजार पर दबाव बढ़ा है। विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में 14,610 करोड़ रुपये की लिवाली की थी, जिससे तीन महीने की भारी बिकवाली का सिलसिला टूटा। सितंबर में 23,885 करोड़ रुपये, अगस्त में 34,990 करोड़ रुपये और जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये निकाले गए थे। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार इस महीने के पहले हफ्ते में एफपीआई ने इक्विटी से 11,820 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की।

इस सप्ताह अमेरिकी फ़ेड के फैसले, एफआईआई की गतिविधियों से तय होगी बाजार की चाल: विश्लेषक

एजेंसी

नयी दिल्ली। अमेरिकी फ़ेडरल रिजर्व का ब्याज दर संबंधी फैसला इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों के रुझान तय करने वाला प्रमुख कारक होगा। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा वैश्विक गतिविधियां और विदेशी निवेशकों का रुख भी बाजार की भावना को प्रभावित करेगा। पिछले सप्ताह शेयर बाजारों में सुस्ती रही, जहां प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बिना किसी खास बदलाव के बंद हुए। रिलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (रिसर्च) अजीत मिश्रा ने कहा, इस सप्ताह बाजार 12 दिसंबर को आने वाले भारत के सीपीआई आंकड़ों पर बारीकी से नजर रखेंगे। वैश्विक स्तर पर अमेरिकी फ़ेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले पर ध्यान रहेगा, जो उभरते बाजारों की जोखिम धारणा को प्रभावित कर सकता है। निवेशक रुपये की चाल पर भी नजर रखेंगे, जो पिछले सप्ताह डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर से नीचे चली गई थी। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के वरिष्ठ शोध विश्लेषक प्रवेश गौर ने कहा कि निवेशकों का ध्यान अब पूरी तरह 9S10 दिसंबर 2025 को होने वाली अमेरिकन फ़ेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक पर है। उन्होंने कहा, एफओएमसी के फैसले के साथ ही प्रमुख अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। नौ दिसंबर को जारी होने वाले अमेरिकी रोजगार के आंकड़ों से अमेरिकी श्रम बाजार के बारे में पता चलेगा। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स ने 5.7 अंक की मामूली बढ़त दर्ज की, जबकि एनएसई निफ्टी 16.5 अंक गिरा।

संक्षिप्त समाचार

यशस्वी ने भारत के वनडे तरकश में जोड़ा एक और तीर

विशाखापत्तनम। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां तीसरे और अंतिम वनडे मैच में संयम और आक्रमण की नई मिसाल पेश करके भारत की एकदिवसीय टीम के तरकश में एक और तीर जोड़ दिया। जायसवाल ने पहले ओवर में ही मार्को यानसन की ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद को छोड़कर दिखाया कि वह किसी तरह का बेमतलब का जोखिम उठाना नहीं चाह रहे हैं। जायसवाल ने इस गेंद पर कट करने की कोशिश नहीं की और उसे क्विंटन डी कॉक के पास जाने दिया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे वनडे में यह एक महत्वपूर्ण क्षण था, जिसमें भारत ने नौ विकेट से जीत हासिल की। यह जायसवाल की बदली हुई मानसिकता का पहला संकेत था। उन्होंने स्पष्ट संकेत दिया कि वह अपने आक्रामक तेवरों पर लगाम लगाए रखेंगे मुख्य सलामी बल्लेबाज तथा टीम के नियमित कप्तान शुभमन गिल के चोटिल होने के कारण उन्हें जो मौका मिला है, उसका पूरा फायदा उठाएंगे। जायसवाल ने रांची और रायपुर में खेले गए पहले दो वनडे में शुरू से ही गेंदबाजों पर हावी होने की कोशिश की लेकिन इसमें नाकाम रहे और जल्दी आउट हो गए। लेकिन यहां उन्होंने गेंदबाजों पर हावी होने के लिए किसी तरह की जल्दबाजी नहीं दिखाई और धैर्य से काम लिया। ऐसा लग रहा था कि अब उन्हें वनडे क्रिकेट की लय बेहतर समझ आ गई है। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी इस पर बात की। गंभीर ने कहा, ''जब आप लाल गेंद वाले क्रिकेट से सफ़ेद गेंद वाले क्रिकेट में आते हैं तो आपको लगता है कि आपको आक्रामक बल्लेबाज़ी करनी होगी। लेकिन आपको आक्रामक होकर खेलने की ज़रूरत नहीं है क्योंकि अगर आप वनडे प्रारूप को 30 ओवर और 20 ओवर में बांट दें, तो काम बहुत आसान हो जाएगा। उन्होंने कहा, ''अगर आप वनडे में पहले 30 ओवर धैर्य के साथ खेलते हैं और जायसवाल में जो क्षमता है उसे देखते हुए अगर वह 30 ओवर तक बल्लेबाज़ी करता है तो वह शतक लगा सकता है। इसके बाद भी आपके पास 20 ओवर बचे होते हैं जिन्हें आप टी20 मैच की तरह खेल सकते हैं। गंभीर ने कहा, ''जायसवाल का वनडे में यह केवल चौथा मैच था और जैसे ही उन्हें समझ आ जाएगा कि वनडे क्रिकेट में उन्हें किस गति से बल्लेबाज़ी करनी है तो वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रहेंगे। जायसवाल के पहले वनडे शतक ने गंभीर के विचार को पुष्ट किया। इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने पहले 50 रन 75 गेंद में बनाए लेकिन अगले 50 रन उन्होंने केवल 35 गेंद में ठोक दिए थे। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने इस दौरान अपना स्वाभाविक खेल खेला। अगले कुछ महीनों में जायसवाल के लिए धैर्य सबसे बड़ा सहयोगी होगा क्योंकि उन्हें नहीं पता होगा कि वनडे में अगला मैच कब खेलेंगे। कप्तान गिल जनवरी में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ होने वाली श्रृंखला के लिए फिट हैं। उसके बाद भारत जुलाई 2026 में इंग्लैंड के खिलाफ़ होने वाली श्रृंखला के दौरान वनडे मैच खेलेगा। गिल और केएल राहुल के चोटिल होने की स्थिति में ही जायसवाल इन मैच में खेल पाएंगे। गिल और संभवतः श्रेयस अय्यर भी अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए वापसी करेंगे जबकि जायसवाल वर्तमान में राष्ट्रीय टीम की टी20 से जुड़ी योजना में शामिल नहीं हैं। इसलिए उन्हें शायद इंतज़ार ही करना होगा। लेकिन गंभीर भविष्य में बड़े टूर्नामेंटों के लिए खिलाड़ियों का एक मज़बूत पूल बनाने की व्यापक योजना पर विचार कर रहे हैं। गंभीर ने कहा, ''हम जब भी संभव होगा हम उन्हें मौका देने की कोशिश करेंगे। हमें अब भी खिलाड़ियों का एक पूल तैयार करना है। हम 2027 में होने वाले विश्व कप से पहले लगभग 20 से 25 खिलाड़ियों को तैयार करना चाहते हैं। निश्चित तौर पर जब कप्तान और उप कप्तान की वापसी होगी तो उनको प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा, ''जायसवाल ने अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्हें खुद को प्रेरित रखना होगा क्योंकि जब भी उन्हें मौका मिले, उसके लिए तैयार रहना होगा और उसका पूरा फायदा उठाना होगा। हम जानते हैं कि वह कितने बेजोड़ खिलाड़ी हैं और टेस्ट क्रिकेट में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है।

मुलर पर भारी पड़े मेस्सी, इंटर मियामी को पहला एमएलएस कप खिताब दिलाया

फोर्ट लॉडरडेल। थॉमस मुलर ने लियोनेल मेस्सी के साथ लंबे समय से चली आ रही अपनी प्रतिद्वंद्विता में अक्सर बाजी मारी है लेकिन मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) कप फुटबॉल प्रतियोगिता के शनिवार को खेले गए फाइनल में अर्जेंटीना की स्टार की तूती बोली। मुलर और मेस्सी के बीच हुए 10 मुकाबलों में से जर्मनी के स्टार ने सात में जीत हासिल की है। मुलर की मौजूदगी में जर्मन टीम ने विश्व कप में दो बार मेस्सी और अर्जेंटीना को बाहर किया है। लेकिन शनिवार को अर्जेन्टीना के सुपर स्टार ने इंटर मियामी को एमएलएस कप फाइनल में मुलर की वैंकूवर व्हाइटकैप्स पर 3-1 से जीत दिलाई। इस तरह से मेस्सी ने अपने करियर की 47वीं ट्रॉफी के साथ अपने तीसरे मेजर लीग सॉकर सत्र का समापन किया। मेस्सी ने मैच के बाद कहा, ''तीन साल पहले मैंने एमएलएस में आने का फैसला किया और आज हम एमएलएस चैंपियन हैं। पिछले साल हम लीग में जल्दी बाहर हो गए थे लेकिन इस साल एमएलएस जीतना हमारा मुख्य लक्ष्य था। मेस्सी ने 72वें मिनट में रोड्रिगो डी पॉल को गेंद देकर गोल करने में मदद की। इसके बाद उन्होंने स्टॉपेज टाइम में एक और गोल करने में योगदान देकर इंटर मियामी को फ्रेंचाइजी इतिहास में पहली बार चैंपियनशिप दिलाई। मेसी और मुलर दोनों ही विश्व कप और चैंपियंस लीग विजेता हैं। दोनों क्लब विश्व कप विजेता भी हैं।

शीर्ष 10 में पांच कंपनियों का बाजार मूल्यांकन 72,285 करोड़ रुपये बढ़ा

नयी दिल्ली। देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में पांच का कुल बाजार मूल्यांकन पिछले हफ्ते 72,284.74 करोड़ रुपये बढ़ गया। इसमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इंफोसिस को सबसे अधिक लाभ हुआ। इस दौरान भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस और बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन बढ़ा, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, लार्सन एंड टुब्रो और एलआईसी में गिरावट हुई।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सार्इ का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

बिहार चुनाव की हार के बाद लाल व सहयोगी जाली टोपी गायब : केशवप्रसाद मौर्य

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

■ उपमुख्यमंत्री बोले– बाबर के नाम पर मस्जिद बनाने वालों का अंत निश्चित

झांसी। केंद्र सरकार और उत्तर सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करने व एसआईआर की प्रगति पर जानकारी लेने आए उत्तर प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री ने अखिलेश पर निशाना साधते हुए कहा कि जब लोक सभा में उत्तर प्रदेश में इनकी सीट बढ़ी तो लाल टोपी और सपा समर्थक जाली टोपी दिखाई देने लगी थी, लेकिन जैसे ही बिहार चुनाव हारने के बाद लाल टोपी और उसकी सहयोगी जाली टोपी दोनों गायब हो गए। उन्होंने अखिलेश यादव द्वारा एसआईआर को लेकर लगाए गए आरोपों पर कहा कि बिहार चुनाव हारने के बाद अखिलेश का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। उन्होंने कहा कि अखिलेश का बिहार चुनाव हारने के बाद मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। वह लगातार उल्टे-सीधे जबाव दे रहे हैं। लोकसभा चुनाव में उन्होंने कुछ सीट ज्यादा जीत ली थी। उससे उन्हें लगा कि वह उत्तर प्रदेश में सरकार बनाएंगे, लेकिन बिहार चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत ने उनकी नींद हराम कर दी है। अखिलेश को एहसास हो गया कि 2047 तक सत्ता तो छोड़ो विपक्ष में रहने लायक जनता समर्थन नहीं देगी। उन्होंने कहा कि बिहार के चुनाव ने अखिलेश की राजनीति का अंत कर दिया और सपा का सूर्य अस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि जब उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव में एक्सीडेंटली सपा की सीट ज्यादा आई तो अखिलेश को लगा कि उप्र में सरकार बनाएंगे। उन्होंने बिहार में भाषण दिया कि अवध जीतकर आए हैं अब मगध भी जीतेंगे। लेकिन बिहार की जनता ने भाजपा को आशीर्वाद देकर उनके मुंगेरी लाल के हसीन सपने ध्वस्त कर दिए। लोकसभा के बाद लाल टोपी और सपा को समर्थन करने वाली जाली टोपी दिखाई देने लगी थी लेकिन अब बिहार चुनाव का परिणाम आने के बाद दोनों ही दिखाई नहीं पड़ रहे। उन्होंने कहा कि अखिलेश उल्टे-सीधे बयान देकर हंसी का पात्र बन रहे हैं। 2026 में बंगाल में भाजपा की सरकार बन रही है। उन्होंने बाबरी मस्जिद पर कहा कि वह मस्जिद बनाने का विरोध नहीं करते लेकिन बाबर के नाम से कोई मस्जिद बनाएगा तो उसका अंत हो जाएगा। कफ सीरप प्रकरण पर कहा कि जांच चल रही है दोषियों को सजा मिलेगी। उन्होंने एक सवाल के जवाब में यह भी कहा कि जो निशाना साध रहे हैं वे लगातार निशाने पर हैं। किसी भी क्षेत्र में भ्रष्टाचार, गुंडाराज,व माफियागिरी सपा के नाम पेटेंट है। इससे पूर्व रविवार को झांसी आए उत्तर प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सर्किट हाउस पहुंच कर विभागीय अफसरों और उसके बाद भाजपा के पदाधिकारियों, जन प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा की। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि देश में नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की डबल इंजन की सरकार द्वारा लगातार बुंदेलखंड के विकास पर कार्य किया जा रहा है। डबल इंजन की सरकार द्वारा गरीब, कल्याण कारी, किसान, महिला आदि योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। इसके बाद समीक्षा में निर्णय लिया गया कि उत्तर प्रदेश में एक समूह बनाकर तीन करोड़ महिलाओं को जोड़ा जाएगा। उसी में एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का निर्णय लिया गया है। साथ ही निर्णय लिया गया कोई भी परिवार आवास सुविधा से वंचित न रहे, गरीबों को अधिक से अधिक लाभ मिले। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड के विकास पर डबल इंजन की सरकार का सबसे ज्यादा फोकस है। महिलाओं को सम्मान मिले। कानून व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रहे। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग मतदाता सूची में शुद्धिकरण कर रहा है। भाजपा उसका स्वागत करती है और मतदाता सूची में शुद्धिकरण में सहयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची शुद्धि करण होने के बाद जो बूथ लूट कर सत्ता प्राप्त कर प्रदेश लूटते थे उनका युग समाप्त हो जाएगा। मतदाता सूची शुद्धि करण के बाद विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश बनाने में सफलता मिलेगी। गरीब अमीर होगा, धनवान होगा।

आईवीआरआई का 136वाँ स्थापना दिवस 50 से अधिक खेल प्रतियोगिताएं होंगी

■ अब तक 40 स्टार्टअप्स संस्थान के सहयोग से विकसित हो चुके हैं

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में स्थित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-आईवीआरआई), इज्जतनगर में रविवार को 136वाँ स्थापना दिवस और वार्षिक खेल कूद समारोह का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में निदेशक डॉ. त्रिवेणी दत्त ने संस्थान को हाल ही में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) द्वारा प्राप्त ए प्लस प्लस ग्रेड को ऐतिहासिक उपलब्धि बताया।

डॉ. दत्त ने कहा कि वर्ष 1889 से स्थापित आईवीआरआई ने पशु चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और तकनीकी नवाचार में वैश्विक पहचान बनाई है। संस्थान ने अब तक 46 प्रौद्योगिकियाँ विकसित कर 164 औद्योगिक घरानों तक पहुँचाई हैं, जिनमें 13 महत्वपूर्ण टीके शामिल हैं। 2024ऽ25 में 231 प्रशिक्षण कार्यक्रम और 100 अनुसंधान परियोजनाएँ संचालित की गईं, जिनसे 156 करोड़ रुपये की फंडिंग प्राप्त हुई। वर्ष 2025 में 310 उच्च स्तरीय शोध प्रकाशन प्रकाशित हुए। निदेशक ने बताया कि नैक से मिले ए प्लस प्लस ग्रेड से संस्थान को नए शैक्षिक कार्यक्रम शुरू करने और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग बढ़ाने में अधिक स्वायत्तता मिलेगी। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप इकोसिस्टम मजबूत हुआ है और अब तक 40 स्टार्टअप्स संस्थान के सहयोग से विकसित हो चुके हैं। उन्होंने घोषणा की कि वर्ष 2026 को अंतरराष्ट्रीय सहयोग वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। इसी वर्ष विश्वऽस्तरीय अधोसंरचना जैसे अत्याधुनिक अकादमिक कॉम्प्लेक्स, इंटरनेशनल गेस्ट हाउस, नए छात्रावास और सुपर स्पेशियलिटी क्लीनिकल कॉम्प्लेक्स का निर्माण भी प्रस्तावित है। कार्यक्रम में प्रभारी खेलकूद प्रकोष्ठ डॉ. किरनजीत सिंह ने खेलों को स्वस्थ और सामंजस्यपूर्ण जीवन का आधार बताया। उन्होंने बताया कि तीन दिनों तक 50 से अधिक खेल एवं एथलेटिक प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँगी। इस अवसर पर लेडीज़ क्लब व विभिन्न समितियों के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही। निदेशक ने खेल आयोजन समिति के सचिव डॉ. अभिषेक सहित सभी टीमों के प्रयासों की सराहना की।

कांग्रेस की बैठक में सिर्फ चेहरा दिखाने वाले रहे निशाने पर, अब होगी हाईकमान से शिकायत

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली शहर में आज जिला एवं महानगर कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक नावल्टी चौराहा स्थित उपजा प्रेस क्लब में हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष मिर्ज़ा अशफाक सकलैनी ने की, संचालन महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा एडवोकेट ने किया। बैठक में जिलाऽमहानगर कांग्रेस के पदाधिकारी, ब्लॉक व नगर अध्यक्ष और पीसीसी सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद रहे। बैठक में 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की प्रस्तावित रैली को सफल बनाने पर रणनीति बनी।

साइकिलिंग प्रतियोगिता में शामिल होकर युवा खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने आया हूं : डॉ. दयाशंकर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। वाराणसी में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के परिसर में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ. दयाशंकर मिश्र ने फिट इंडिया अभियान के तहत आयोजित साइकिल प्रतियोगिता में भाग लिया। इस अवसर पर मंत्री डॉ. दयाशंकर ने कहा कि साइकिलिंग प्रतियोगिता में शामिल होकर देशभर से आए युवा खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने आया हूँ। ऐसी प्रतियोगिता न केवल युवाओं में खेल भावना को प्रोत्साहित करती है बल्कि भारत को वैश्विक खेल मंच पर अग्रणी बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। डॉ. दयाशंकर मिश्र ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से आज पूरा देश खेलों के नए युग की ओर अग्रसर है। इसके साथ ही यह हमारे लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि भारत को लंबे अंतराल के बाद पुनः कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी का अवसर प्राप्त हुआ है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में जब भारत ओलंपिक खेलों की मेजबानी करेगा, वह दिन भारतीय खेल जगत के लिए ऐतिहासिक और गौरवशाली होगा।

गन्ना ढुलाई वाहनों में रिफ्लेक्टिव टेप एवं पीछे लाल कपड़ा लगाकर ही वाहन का संचालन करें : आरटीओ

मुरादाबाद। मुरादाबाद के समस्त व्यावसायिक वाहनों में रिफ्लेक्टिव टेप/रियर मार्किंग टेप लगाये जाने के संबंध में वाहन स्वामियों को जागरूक करने के उद्देश्य से माह के पहले रविवार को संभागीय परिवहन कार्यालय में व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु जनपद स्तर पर ट्रक, बस, टैक्सी यूनियन के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित हुई। जिसमें जनपद के समस्त ट्रक / बस / ऑटो / टैक्सी यूनियन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में आरटीओ संदीप पंकज ने कहा कि वाहन की फिटनेस, बीमा, इंश्योरेंस, परमिट आदि वैध होने पर ही वाहनों का संचालन किया जाए। गन्ना ढुलाई वाहनों में रिफ्लेक्टिव टेप एवं पीछे लाल कपड़ा लगाकर ही वाहन का संचालन करें। आरटीओ राजेश सिंह ने समस्त व्यावसायिक वाहनों में रिफ्लेक्टिव टेप/रियर मार्किंग टेप लगाये जाने के संबंध में वाहन स्वामियों को जागरूक करते हुए कहा कि सभी व्यावसायिक वाहनों के चारों तरफ मानक के अनुरूप रिफ्लेक्टिव टेप/रियर मार्किंग टेप लगवाया जाए, ओवरलोडिंग एवं ओवरहाइटिंग न की जाए। यात्री वाहनों जैसे बस, टैक्सी, टैम्पों आदि का संचालन शीशे बंद करके किया जाए।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

संपादक समन्वय
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
पीयूष त्रिपाठी

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

लोजपा नेता गिरीश मिश्रा ने बिहार प्रभारी अरुण भारती को दीं जीत की बधाई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। लोजपा(रा.) नेता सह पार्टी के पूर्व युवा राष्ट्रीय सचिव गिरीश मिश्रा ने आज नई दिल्ली में पार्टी के बिहार प्रभारी सह जमुई सांसद अरुण भारती से मुलाक़ात कर बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टी की अभूतपूर्व सफलता और ऐतिहासिक जीत पर शुभकामनायें और बधाई दिया! पार्टी प्रभारी अरुण भारती जी ने इसे पार्टी के कार्यकर्ताओ की परिश्रम का परिणाम और जीत बताया! साथ ही गिरीश मिश्रा ने पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत करने को लेकर विस्तृत चर्चा की जिसे प्रभारी महोदय ने विस्तार से सुना और संगठन विस्तार को लेकर मार्गदर्शन दिया तथा संघठन मजबूती के लिये हरसंभव सहयोग और समर्थन देने का आश्वासन दिया।

फर्रुखाबाद में किसानों को लागत भी नहीं मिल रही, औंधे मुँह गिरे आलू के भाव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश के आलू उत्पादक जिले फर्रुखाबाद में आलू निर्यात न होने की वजह से आलू किसानों को अपनी खून पसीने की कमाई का सही दाम नहीं मिल रहा है। वजह यह है कि आलू के भाव दिन प्रतिदिन गिर रहे हैं और इससे आलू किसानों के माथे पर चिंता की रेखाएं ऊपर आई हैं । आलू आढ़ती संघ के अध्यक्ष रिंकू वर्मा के अनुसार एशिया प्रसिद्ध आलू मंडी सातनपुर में आज आलू की आमद 12000 पैकेट हुई और भाव गिरकर 271 रुपया प्रति पैकेट (50 किलो) बिका। लिवाली कम होने की वजह से काफी देर में आलू बिका। आलू बेचने आए किसान मायूस नजर आए। भाव गिरने से परेशान प्रगतिशील किसान नारद सिंह कश्यप से बातचीत की गई तो उन्होंने बताया कि आलू किसानों का दुर्भाग्य है कि व्यापारी मनमानी कीमत पर किसानों का आलू खरीद रहे हैं। आलू की अगैती फसल के दाम माटी के भाव पहुंच गए हैं । एक पैकेट आलू पैदा करने में ?500 से अधिक खाद बीज ,बुवाई ,निराई की लागत आती है और इस समय ?270 प्रति पैकेट आलू बिक रहा है। जिससे 230 रुपए प्रति पैकेट (50 किलो) किसानों को लागत में घाटा पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि आलू निर्यात करने के लिए कई बार शासन प्रशासन को लिखा गया , लेकिन कोई सुनवाई न होने की वजह से आलू निर्यात नीति नहीं बन सकी । जिससे आलू के भाव दिन प्रतिदिन गिरते चले जा रहे हैं। इस मामले में आलू विपणन संघ के निदेशक अशोक कटियार ने कहा कि जब तक यहां से आलू निर्यात नहीं होगा तब तक किसानों को आलू की खेती में इसी तरह घाटा उठाना पड़ेगा। आलू की अगैती फसल में जिस तरह से किसानों को घाटा हो रहा है, उससे किसान कराह उठा है, वहीं दूसरी तरफ शीत गृहों में भंडारित आलू के दाम भी माटी के भाव पहुंच गए हैं। जिससे किसानों ने शीत गृह में भंडारित आलू की निकासी बंद कर दी है। मौजूदा समय में 10 फीसदी आलू आज भी शीत गृहों में भंडारित है। अगले माह जनवरी के पहले सप्ताह में शीत गृह खाली कर दिए जाएंगे। वहीं शीतगृहों में भंडारित आलू न निकलने की वजह से शीत गृह मालिक भी परेशान हैं। इस संबंध में जिला आलू विकास अधिकारी राघवेंद्र सिंह का कहना है कि आलू की खेती का क्षेत्रफल हर साल बढ़ाया जा रहा है। पैदावार अधिक होने की वजह से भाव गिर रहे हैं। इस पर किसानों को विचार करना चाहिए और आलू की जगह दूसरी फसलें पैदा करके उन्हें लाभ कमाना चाहिए।

वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट के सभी थानों और चौकियों को डेसीबल मीटर प्रदान करने की मांग

■ ध्वनि प्रदूषण के खिलाफ अभियान चलाने वाली संस्था के प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में ध्वनि प्रदूषण के खिलाफ अभियान चलाने वाली संस्था 'सत्या फाउण्डेशन' ने पुलिस कमिश्नरेट के सभी थानों और चौकियों को डेसीबल मीटर प्रदान करने की मांग पुलिस कमिश्नर से की है। संस्था के संस्थापक सचिव, चेतन उपाध्याय ने कहा कि अगर ऐसा हुआ तो पूरे उत्तर प्रदेश में वाराणसी ऐसा पहला जिला बन जाएगा जहां पर सभी थानों और चौकियों के पास डेसीबल मीटर उपलब्ध होगा। रविवार को चेतन उपाध्याय ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीते शनिवार को मांगों का ज्ञापन वाराणसी के पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल को सौंपा गया। पुलिस कमिश्नर ने संस्था के प्रतिनिधि मंडल से कहा कि इस पर गम्भीरतापूर्वक करेंगे। चेतन उपाध्याय ने बताया कि भारत सरकार के ध्वनि प्रदूषण (विनियमन व नियंत्रण) नियम-2000 (कृपया इसे पर्यावरण संरक्षण अधिनियम -1986 के साथ जोड़कर पढ़ा जाए) के मुताबिक, रात के समय यानी रात 10 बजे से सुबह 6 बजे की बीच तो साउंड को पूरी तरह से स्विच ऑफ करने का प्रावधान है और इस दौरान साउंड सिस्टम को सीज करने और मुकदमा करने के लिए किसी डेसीबल मीटर की कोई आवश्यकता ही नहीं है। मगर भारत सरकार के उक्त नियम के अनुसार ही, दिन के लिए भी डेसीबल की ऊपरी सीमा तय है और इसका उल्लंघन होने के कारण लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। तेज कंपन के कारण कहीं घर की दीवार गिर जाती है तो कहीं लोगों को हार्ट अटैक आ जाता है। वैसे तो आजकल, दिन के दौरान भी तेज ध्वनि की शिकायत मिलने पर पुलिस मौके पर जाती है, मगर डेसीबल मीटर के अभाव में कई बार कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित नहीं हो पाती। डेसीबल मीटर होने से दिन के दौरान भी तेज आवाज पर रोकथाम और प्रभावी कानूनी कार्रवाई हो सकेगी। चेतन उपाध्याय ने बताया कि देखने में आ रहा है कि रात दस बजे के बाद पुलिस के ध्वनि प्रदूषण बंद कराने के बाद, कुछ 'मजबूत' लोग दोबारा से ध्वनि प्रदूषण करना शुरू कर दे रहे हैं। जो सीधे-सीधे देश के कानून और पुलिस के इकबाल को चुनौती देने जैसा है। इसके पीछे कारण यह बताया जा रहा है कि लोगों को यह लगता है कि इसमें कोई कानूनी कार्रवाई नहीं होगी। अतः यह आवश्यक है कि रात 10 बजे के बाद पुलिस टीमें गठित करके इलाकेवार पुलिस टीम स्वतः संज्ञान लेते हुए, साउंड सिस्टम को ज़ब्त करके पर्यावरण संरक्षण अधिनियम-1986 के तहत मुकदमा करने के कार्य को मिशन मोड में करें। उन्होंने बताया कि उत्सव या धार्मिक कार्यक्रम करने वाला हर व्यक्ति / धार्मिक स्थल / संगठन एक दिन की बात कह कर ध्वनि की दिन की डेसीबल सीमा या /और रात की समय सीमा का उल्लंघन करने को जायज सिद्ध करना चाहता है। और कुछ पुलिसकर्मी भी, 'एक दिन की बात' वाले तर्क को स्वीकार कर, मांगलिक और धार्मिक कार्यक्रमों में, कथित तौर पर 'धीमी आवाज' में साउंड सिस्टम को बजाने की अलिखित अनुमति दे देते हैं और आसपास की जनता परेशान होती रहती है, जबकि रात 10 से सुबह 6 बजे तक साउंड को 100 फीसद स्विच आफ करने का नियम है।

काशी तमिल संगमम-4.0: हनुमान घाट पर तमिल दल ने किया गंगा स्नान, महाकवि सुब्रमण्यम भारती के घर पहुंचकर जाना इतिहास

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में चल रहे काशी तमिल संगमम-4.0 में तमिलनाडु से आए लेखकों के समूह ने रविवार को हनुमानघाट पर गंगा नदी में स्नान कर मां का पूजा पाठ करते हुए उनसे सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। वहीं, मौजूद आचार्यों ने विस्तार से गंगा के विभिन्न घाटों के इतिहास को बताया। गंगा स्नान के बाद लेखकों के समूह ने घाट पर स्थित प्राचीन मंदिरों में दर्शन-पूजन किया। सभी लोगों को मंदिरों के इतिहास दिव्यता,भव्यता और इतिहास के बारे में जानकारी दी गई। इसके उपरांत तमिल समूह ने हनुमान घाट स्थित महाकवि सुब्रमण्यम भारती के घर में भ्रमण किया। वहां महाकवि के परिवार के सदस्यों से उन्होंने मुलाकात की। लेखकों के दल में यहां काफी कुछ जानने की जिज्ञासा दिखी । उन्होंने सुब्रमण्यम भारती के घर के समीप पुस्तकालय का भी भ्रमण किया और काफी कुछ वहां के बारे में जानकारी भी प्राप्त की। महाकवि के घर पर भ्रमण करने के उपरांत लेखकों का दल कांची मठ पहुंचा और वहां के इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त की। काशी में दक्षिण भारतीय मंदिर को देखकर लेखकों का दल उत्साहित दिखा। श्री काशी विश्वनाथ धाम न्यास से जुड़े पं वेंकट रमण घनपाठी ने दल को बताया कि काशी और तमिलनाडु से गहरा रिश्ता है और ये संगमम महज एक पखवाड़े का नहीं, सदियों पुराना है। काशी के हनुमान घाट, केदारघाट, हरिश्चंद्र घाट पर मिनी तमिलनाडु बसता है। जहां एक दो नहीं बल्कि दक्षिण भारत के अलग-अलग राज्यों के हजारों परिवार बसते हैं, जो इन दोनों राज्यों के मधुर रिश्ते को दर्शाते हैं। केवल हनुमान घाट पर 150 से अधिक घर तमिल परिवारों के हैं, जिनकी गलियों में हर दिन काशी तमिल संगमम होता है। बीएस सुब्रमण्यम ने बताया कि आदि शंकराचार्य को भगवान शंकर ने अद्वैत का उपदेश काशी में दिया। काशी में कांची कामकोटि पीठ का एक मठ भी स्थापित है?। पीठ द्वारा वेदों के लिए, शास्त्रों के लिए अनेक कार्य किया जा रहे हैं। सैकड़ों की संख्या में सनातन संस्कृति को बचाने के लिए लोग पीठ से निकले। जो यहां के छात्र हैं, वह अध्ययन प्राप्त करके पूरे देश में ही नहीं, विश्व में सनातन संस्कृति को मजबूत कर रहे हैं। काशी में द्रविड़ शैली के जितने मंदिर हैं, उनके शिखर देखकर ही पता चल जाता है कि यह किस देवता का मंदिर है।